डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

Join Telegram Channel Search @rojgaraurnirman

मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों को मिलेगी दो हजार पाँच सौ करोड़ रुपये की राशि

छतरपुर, मध्यप्रदेश के लघु व्यवसाइयों विशेषकर स्व-सहायता समूहों को 2500 करोड़ रुपये की राशि बैंकों के माध्यम से दिलवाई जाएगी। बैंक लिंकेज से इनका व्यवसाय विकसित होगा। स्व-सहायता समूहों के उत्पादों के विक्रय की व्यवस्था की जाएगी। उन्हें बाजारों में बैठने का स्थान दिया जाएगा। इसके लिए सभी कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छतरपुर जिले के ग्राम धमना में स्थानीय ग्रामवासियों को संबोधित करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकल को वोकल बनाने का आह्वान किया है। इससे छोटे-छोटे कारीगरों को भी आर्थिक सहारा मिल सकेगा। इन कारीगरों की दीवाली अच्छी मन जाए, इसके प्रयास करें।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान छतरपुर जिले में स्व-सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों का अवलोकन करते हुये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं कि दीवाली पर स्थानीय उत्पात अर्थात देसी सामान को बेचने के लिए हाट-बाजार में स्थान उपलब्ध कराएं। उस पर कोई राशि न लगे। दीवाली तक यह व्यवस्था करें कि ये लोग अपना सामान बेच पाएं। किसी प्रकार का टैक्स इस पर न लगे। मैं इनके द्वारा बनाए गए सामान का प्रमोशन करने आया हूं।

श्री चौहान छतरपुर जिले में दीप पर्व के पहले दीपक, लक्ष्मी जी की मूर्ति और अन्य मिट्टी की कलाकृतियां बनाने वाले शिल्पकारों से मिले। श्री चौहान ने शिल्पकारों से चर्चा कर उनकी हौसला अफजाई की। प्रजापति समाज के अनेक व्यक्तियों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने उनके कार्य की समस्याओं की भी जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री का माटी शिल्प कला से जुड़े कलाकारों ने स्वागत किया। श्री चौहान के आगमन से प्रजापति समाज सहित स्थानीय निवासी काफी प्रसन्न थे।

मुख्यमंत्री ने रोशनी स्व-सहायता समूह की सदस्य बहनों से भी मुलाकात और बातचीत की। श्री चौहान ने प्रदेश में स्व-सहायता समूह के आंदोलन को गति देने के लिए जो कदम उठाए हैं, उनकी जानकारी भी बहनों को दी। इस अवसर पर रोशनी स्व-सहायता समूह के कार्यों का विवरण मुख्यमंत्री को दिया गया।

मुख्यमंत्री ने छतरपुर जिले के ग्राम धमना में प्रजापति समाज द्वारा हस्त-निर्मित उत्पादों का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने लोकल को वोकल बनाने का मंत्र दिया है। हमारे यहां लोग जो चीजें बनाते हैं, वही खरीदें। ताकि इन्हें रोज़गार मिल सके।

स्थानीय उत्पादों को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-सहायता समूह की महिलाओं के प्रयास से स्थानीय उत्पादों को निश्चित ही बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वे स्थानीय कारीगरों के द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम धमना आए हैं। उन्होंने कहा कि समूह की महिलाओं की आमदनी प्रतिमाह न्यूनतम 10 हजार रुपये करने का प्रयास किया जाएगा।

छोटे व्यापारियों के लिये स्ट्रीट वेंडर्स योजना

प्रदेश में एक लाख सरकारी पदों पर युवाओं को नौकरी दी जाएगी। निजी नौकरियों में भी रोज़गार के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। स्ट्रीट वेंडर्स योजना के माध्यम से छोटे व्यापारियों को ब्याज रहित 10 हजार रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने धमना के मिडिल स्कूल को अगले शैक्षणिक-सत्र से हाईस्कूल में उन्नयन करने की बात कही।

महिलाओं ने भेंट किया उपहार

मुख्यमंत्री को स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने दीपावली के उपहार के रूप में हस्त-निर्मित मिट्टी के दिये और अन्य उत्पादों का गिफ्ट हैम्पर सौजन्य भेंट किया। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की आमदनी के बारे में जानकारी ली और समूह की महिलाओं के साथ फोटो खिंचवाई। उन्होंने उपस्थितजन को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

महाविद्यालय करेंगे

पोर्टल पर चयनित पाठ्यक्रमों के अध्यापन की व्यवस्था

भोपाल, मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों द्वारा चयन किए गए किसी भी पाठ्यक्रम की अध्यापन व्यवस्था महाविद्यालय में सुनिश्चित की जाएगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अनुसार प्रदेश के समस्त महाविद्यालय स्थानीय आवश्यकताओं और रोज़गार में उपलब्ध अवसरों को देखते हुए विभाग के पोर्टल पर प्रदर्शित 25 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में से न्यूनतम 2 पाठ्यक्रम का चयन कर उनके सुगम संचालन की व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे।

अपर आयुक्त उच्च शिक्षा श्री दीपक सिंह ने बताया कि विद्यार्थी महाविद्यालय द्वारा संचालित इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में से अपनी रुचि अनुसार किसी एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकता है। विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध पाठ्यक्रम में से स्वयं की रुचि के व्यावसायिक पाठ्यक्रम उपलब्ध न होने की स्थिति में विद्यार्थी स्वयं (SWAYAM) पोर्टल पर उपलब्ध सामान क्रेडिट या उससे अधिक क्रेडिट के व्यावसायिक पाठ्यक्रम का अध्ययन ऑनलाइन कर सकेंगे।

स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध पाठ्यक्रम यदि निर्धारित क्रेडिट से अधिक क्रेडिट का है तो विद्यार्थी द्वारा अर्जित अतिरिक्त क्रेडिट को ग्रेड कार्ड में दर्शाया जाएगा। परंतु अतिरिक्त क्रेडिट को सीजीपीए की गणना में सम्मिलित नहीं किया जाएगा। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को पूर्व में चयनित मेजर, माइनर, वैकल्पिक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम आदि को परिवर्तित करने का अवसर भी प्रदान किया जा रहा है। यह व्यवस्था महाविद्यालय स्तर पर पूर्णतया आंतरिक रहेगी। विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय में विषय या संकाय परिवर्तन संबंधी कार्यवाही पूर्व निर्धारित नियमों के आधार पर 8 से 20 नवंबर 2021 तक पूर्ण किया जाना है।

खास खबर

पंचायत आम निर्वाचन के लिए स्टेंडिंग कमेटी गठित

भोपाल, सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री बी.एस. जामोद ने जानकारी दी है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2021-22 में पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए जिला स्तर पर स्टेंडिंग कमेटी का गठन किया गया है। स्टेंडिंग कमेटी के अध्यक्ष कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी होंगे। पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और निर्वाचन से जुड़े अधिकारी जिन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी आवश्यक समझे, सदस्य होंगे। जिला स्तर पर गठित कमेटी की बैठक निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के पूर्व आयोजित की जाएगी।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा**- प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी**- देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में**- प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह**- देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

कोरोना वैक्सीनेशन

मध्यप्रदेश में 15 नवम्बर से आरंभ होगा विशेष अभियान

भोपाल, कोरोना वैक्सीन का दूसरा डोज और प्रथम डोज जिन प्रदेशवासियों ने नहीं लगवाया है, उनके लिए 15 नवम्बर से विशेष अभियान चलाया जाएगा। सम्पूर्ण प्रदेश में 31 दिसम्बर तक शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश में आगामी दिनों में होने वाले आयोजनों में कोरोना टेस्टिंग और टीकाकरण की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना नियंत्रण में है, फिर भी निरंतर जागरूक रहने की आवश्यकता है। कोरोना अनुकूल व्यवहार और टीकाकरण के लिए जागरुकता पर राज्य सरकार द्वारा विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रदेशवासियों का जीवन बचाने के लिए वैक्सीनेशन आवश्यक है। इसके प्रति जन-जन को जागरूक करने के उद्देश्य से सघन अभियान का संचालन किया जाएगा। अभियान में अपने माता-पिता को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से स्कूल और कॉलेज के बच्चों को भी जोड़ा जाएगा।

जानकारी दी गई कि प्रदेश में प्रतिदिन 58 हजार आरटीपीसीआर टेस्ट किए जा रहे हैं।

प्रदेश की 18 साल से अधिक आयु वर्ग की कुल जनसंख्या 5 करोड़ 49 लाख 50 हजार है, जिसमें से 4 करोड़ 98 लाख 50 हजार लोगों को प्रथम डोज और 2 करोड़ व्यक्तियों को द्वितीय डोज लग चुका है। इस प्रकार प्रथम डोज 91 प्रतिशत और द्वितीय डोज 36 प्रतिशत पात्र जनसंख्या को लग चुका है।

प्रदेश में तीन जिले क्रमशः भोपाल, इंदौर और आगर ने प्रथम डोज के वैक्सीनेशन में शत-प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की है। छिंदवाड़ा में 97 प्रतिशत और उमरिया में 95 प्रतिशत प्रथम डोज का वैक्सीनेशन हो चुका है। 23 जिलों में यह 90 से 95 प्रतिशत के बीच है। 17 जिलों में यह 85 से 90 प्रतिशत के बीच है और देवास, अलीराजपुर, पन्ना, खरगोन, सीधी और भिण्ड में प्रथम डोज का वैक्सीनेशन 80 से 85 प्रतिशत के बीच हुआ है। द्वितीय डोज लगाने में भोपाल और इंदौर में 59 प्रतिशत जनसंख्या को कवर किया जा चुका है।

भोपाल में 70 प्रतिशत और इंदौर में 50 प्रतिशत पात्र जनसंख्या ऐसी है, जिसने पहला डोज तो लगवा लिया है पर दूसरा डोज अभी लंबित है।

अत्यंत मानवीय योजना है संबल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान संबल हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित करते हुये।

भोपाल, संबल योजना अत्यंत मानवीय योजना है। हर परिस्थिति में परिवारों की जिन्दगी आसान रहे और परिवार की आजीविका की गाड़ी चलती रहे इसलिए संबल योजना में सहायता दी जाती है। यह योजना इस बात का भरोसा दिलाती है कि हर मुश्किल में सरकार आपके साथ खड़ी है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि के 7 हजार 700 प्रकरणों में 170 करोड़ रुपये की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से संबल हितग्राहियों के खातों में अंतरण करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान न करे यदि दुर्घटना में किसी का निधन हो जाए तो राज्य सरकार परिवार को 4 लाख रुपये की सहायता राशि देगी। सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपये की राशि देने की व्यवस्था है। योजना में अंतिम संस्कार के लिए पांच हजार रुपये की सहायता देने की व्यवस्था है। सामान्य मृत्यु पर छह हजार 900 हितग्राहियों के खातों में अनुग्रह सहायता की दो-दो लाख रुपये की राशि डाली गई है। दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना से मृत्यु के 800 प्रकरणों में चार लाख रुपये प्रति व्यक्ति के मान से राशि जारी की गई है। श्री चौहान ने कहा कि जो चले गए हैं, उन्हें वापस नहीं ला सकते, लेकिन उनके चले जाने के बाद जो बेसहारा हो गए हैं, उन्हें राज्य सरकार सहारा दे सकती है। इसी भाव से यह सहायता दी गई है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

23 अक्टूबर

आईबीपीएस ने पीओ के 4135 पदों के लिये जारी की अधिसूचना

● इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंक पर्सनल सिलेक्शन बोर्ड (आईबीपीएस) ने देशभर में सरकारी बैंकों में प्रोबेशनरी ऑफिसर (पीओ) पद पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आईबीपीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार बोर्ड सरकारी बैंकों के लिये 4135 पदों पर पीओ की भर्ती करेगा। इसके लिये आवेदन प्रक्रिया 10 नवम्बर तक पूरी की जायेगी। पीओ पद के लिये उम्मीदवार की न्यूनतम योग्यता स्नातक है। इस पद के लिये परीक्षा दो चरणों में आयोजित होगी। आईबीपीएस के अनुसार इस परीक्षा के लिये अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांगों के लिये आवेदन शुल्क 175 रुपये रखा गया है, वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क 850 रुपये चुकाने होंगे।

● रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिये हथियारों की खरीद के लिये अमेरिका के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय नौसेना के लिये 423 करोड़ रुपये की लागत से एमके 54 टॉरपीडो और एक्सपेंडेबल (शैफ एंड फ्लेयर्स) की खरीद के लिये अमेरिकी सरकार के साथ अनुबंध किया गया है। ये हथियार भारतीय नौसेना के टोही विमान पी-8 आई के अंग है। इस विमान का इस्तेमाल लंबी दूरी की समुद्री निगरानी, पनडुब्बी रोधी अभियान और सरफेस रोधी युद्ध के लिये किया जाता है।

● संयुक्त राष्ट्र में म्यांमार की विशेष प्रतिनिधि क्रिस्टीन वर्गनर ने कहा कि म्यांमार की सत्ता पर सेना के कब्जे के बाद म्यांमार में आंतरिक संघर्ष (गृहयुद्ध) की घटनायें बढ़ गई हैं। म्यांमार अब विफल राष्ट्र बनने की कगार पर है। उन्होंने विश्व समुदाय को बताया कि म्यांमार में जल्द लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाली की आवश्यकता है। आने वाले दिनों में म्यांमार के हालात और अधिक खराब हो सकते हैं।

24 अक्टूबर

सात साल में भारत में स्वीकृत किये गये 157 नये मेडिकल कॉलेज

● भारत में वर्ष 2014 में अब तक (सात साल) में 157 नये मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी गई है। इन मेडिकल कॉलेजों के निर्माण में 17 हजार 691 करोड़ रुपये व्यय किये गये हैं। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि इन मेडिकल कॉलेजों के निर्माण का कार्य पूरा होने के बाद इनमें लगभग 16 हजार मेडिकल सीटें जोड़ी जायेंगी। इनमें से 64 मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो गये हैं। मंत्रालय के अनुसार केंद्र सरकार ने देश में एमबीबीएस पाठ्यक्रम की सीटें बढ़ाने के लिये मेडिकल कॉलेजों के उन्नयन के लिये लगभग 2 हजार 451 करोड़ रुपये प्रदान किये गये हैं।

● भारत के पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत विक्रांत दूसरे चरण के समुद्री परीक्षण के लिये कोच्चि से रवाना हो गया है। कोचीन शिपयार्ड में बना यह युद्धपोत अंतिम परीक्षण के बाद आजादी की 75वीं वर्षगांठ

के समय देश को समर्पित किया जायेगा। विक्रांत की लंबाई लगभग 262 मीटर, चौड़ाई 60 मीटर और ऊंचाई 59 मीटर है। इस युद्धपोत पर लगभग 1500 लोगों के रहने की व्यवस्था है। इस युद्धपोत के निर्माण पर लगभग 23 हजार करोड़ रुपये की लागत आई है। आईएसी विक्रांत के दूसरे परीक्षण के साथ ही भारत उन देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास विशिष्ट क्षमता वाला स्वदेशी रूप से डिजाइन अत्याधुनिक विमान वाहक पोत है।

● रूस के पश्चिमी प्रांत रियाजन में एक बारूद और रासायनिक प्लांट में विस्फोट के बाद आग लग गई। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुये हैं। रूस के आपात मंत्रालय के अनुसार यह प्लांट मॉस्को से 270 किलोमीटर दूर रियाजन क्षेत्र में है। बताया जा रहा है कि प्लांट में उचित तकनीकी प्रक्रिया की निगरानी में विफलता के कारण यह हादसा हुआ है।

25 अक्टूबर

डीआरडीओ ने 'अभ्यास' यान का किया सफल परीक्षण

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के चांदीपुर में

एकीकृत परीक्षण रेंज से हाईस्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (हीट) यान 'अभ्यास' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। डीआरडीओ ने बताया कि अभ्यास यान देश में ही विकसित किया गया है। इस यान का इस्तेमाल अनेक मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन करने के लिये हवाई लक्ष्य के तौर पर किया जा सकता है। परीक्षण के दौरान रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल निगरानी प्रणाली सहित दूरमापी और सेंसर्स के माध्यम से लक्षित यान के कामकाज पर निगरानी रखी गई। डीआरडीओ ने बताया कि यह यान ट्विन अंडरस्लैंग बूस्टर का उपयोग करके लॉन्च किया गया था। ये एक छोटे गैस टर्बाइन इंजन से संचालित होता है।

● केंद्र सरकार ने सीएससी ई-गवर्नेंस इंडिया लिमिटेड को पुराने वाहनों की बिक्री के लिये अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) जारी करने के लिये अधिकृत किया है। सीएससी ने इस सुविधा को पूरे भारत में उपलब्ध कराने के लिये राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के साथ समझौता किया है। यह सेवा देश में चार लाख सीएससी फ्रैंचाइजी में उपलब्ध होगी। सीएससी ने एक बयान में कहा कि इस सुविधा से नागरिकों को निकटतम सीएससी केंद्र से एनओसी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

● अमेरिकी दवा कंपनी फाइजर की कोरोना रोधी वैक्सीन 5 से 11 साल तक की आयु के बच्चों में सुरक्षित और लगभग 91 प्रतिशत तक प्रभावी पाई गई है। फाइजर ने इस संबंध में वैक्सीन का रिसर्च डाटा जारी किया है। फाइजर ने कहा कि बच्चों को कोरोना संक्रमण से बचाने में यह वैक्सीन बेहद कारगर है। उल्लेखनीय है कि 12 से 18 साल तक के बच्चों को फाइजर की वैक्सीन को पहले ही मंजूरी मिल गई है।

26 अक्टूबर

महात्मा गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप के दूसरे चरण का शुभारंभ

● केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने जमीनी स्तर पर कौशल

विकास बढ़ाने में योगदान करने के लिये और युवाओं के लिये नये अवसर पैदा करने के लिये महात्मा गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप के दूसरे चरण का शुभारंभ किया है। यह फेलोशिप दो वर्ष की है। श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बताया कि इस फेलोशिप में शैक्षणिक भागीदार आईआईएम द्वारा कक्षा सत्रों को जिला स्तर पर संयोजित करने का प्रयास किया गया है, जिससे रोज़गार, आर्थिक उत्पादन बढ़ाने और आजीविका को प्रोत्साहन देने के लिये विश्वसनीय योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। श्री प्रधान ने कहा कि शिक्षा और कौशल के बीच मजबूत तालमेल बिठाने के विजन की जरूरत है। उन्होंने सभी आईआईएम से फेलोज को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जागरूक बनाने का अनुरोध किया।

● अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रधान सलाहकार डॉ. एंथनी फाउची ने संभावना जताई है कि अमेरिका में नवम्बर 2021 से पांच से 11 साल तक के बच्चों को कोरोना टीका लगाने का अभियान शुरू किया जा सकता है। डॉ. फाउची ने कहा कि अमेरिका में 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों को जल्द टीके लगाए जा सकते हैं। इस बीच अमेरिका दवा कंपनी मॉडर्ना ने कहा कि उसका कोरोना रोधी टीका 5 से 11 साल तक के बच्चों के लिये पूरी तरह सुरक्षित है।

27 अक्टूबर

इंजीनियरिंग कॉलेजों में 30 नवम्बर से प्रारंभ होगा नया सत्र

● देशभर के इंजीनियरिंग कॉलेजों एवं अन्य तकनीकी संस्थानों में नया शैक्षणिक सत्र

30 नवम्बर से प्रारंभ होगा। यह जानकारी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) ने दी। एआईसीटीई ने बताया कि इन संस्थानों में प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिये नया अकादमिक सत्र 30 नवम्बर से शुरू होगा, जबकि पहले से ही पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों की कक्षाएं एक अक्टूबर से प्रारंभ हो चुकी हैं। एआईसीटीई ने बताया कि प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिये इंडक्शन प्रोग्राम 15 नवम्बर से शुरू होगा, जबकि कक्षाएं 30 नवम्बर से प्रारंभ होंगी।

● केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख एल. मांडविया ने कहा कि केंद्र सरकार देश में कंटेनर आधारित दो सचल अस्पताल स्थापित करेगी। ये दोनों अस्पताल 100-100 बिस्तरीय क्षमता के होंगे। श्री मांडविया ने बताया कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत ये अस्पताल स्थापित किये जायेंगे। सभी स्वास्थ्य सुविधाओं से सम्पन्न इन अस्पतालों को आपात स्थिति में ट्रेन या हवाई मार्ग से किसी भी स्थान पर ले जाया जा सकता है। इनमें से एक अस्पताल नई दिल्ली तथा एक अस्पताल चेन्नई में स्थापित किया जायेगा।

● विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भारत की स्वदेशी कोरोना रोधी टीका कोवैक्सीन को अप्रूवल देने पर किसी भी निर्णय पर नहीं पहुंचा है। डब्ल्यूएचओ ने कोवैक्सीन को आपातकालीन उपयोग की सूची में शामिल करने के लिये अंतिम लाभ-जोखिम मूल्यांकन करने के लिये कोवैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक से अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांगा है। डब्ल्यूएचओ का तकनीकी सलाहकार समूह कोवैक्सीन के अंतिम मूल्यांकन के लिये तीन नवम्बर को बैठक करेगा।

28 अक्टूबर

आईआईटी दिल्ली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में शुरू करेगा पीजी कोर्स

● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली वर्ष 2022 के शिक्षा सत्र से मशीन

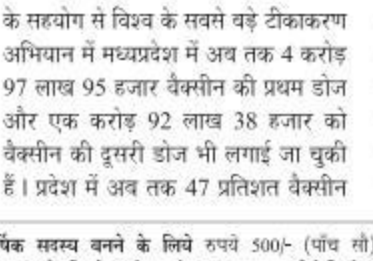

इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस में स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इस पाठ्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी द स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सौंपी गई है। इस पाठ्यक्रम के लिये विज्ञान या इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री वाले विद्यार्थी पात्र होंगे। आईआईटी दिल्ली द्वारा जारी एक बयान के अनुसार मशीन इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस में एम.टेक. एक प्रमुख शैक्षिक कार्यक्रम होगा, जिसे प्रायोजित कार्यक्रम बनाने की योजना है। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी उद्योग जगत से संबंधित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संबंधी समस्याओं के निदान पर काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि यह स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दूसरा डिग्री कोर्स है। इससे पहले संस्थान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पीएच.डी. कोर्स संचालित कर रहा है।

● श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने देश में एक देश-एक कानून की अवधारणा के लिये कार्यबल गठित किया है। इस कार्यबल में 13 सदस्य नियुक्त किये गये हैं। कार्यबल का नेतृत्व बौद्ध भिक्षु गलागोडाअठथे ज्ञानसारा करेंगे। इस कार्यबल में 4 मुस्लिम सदस्य भी हैं, लेकिन तमिल समुदाय के किसी व्यक्ति को कार्यबल में जगह नहीं मिली है। कार्यबल को अंतिम रिपोर्ट 28 फरवरी 2022 तक जमा करनी होगी।

29 अक्टूबर

भारतीय तटरक्षक बल ने जहाज 'सार्थक' किया राष्ट्र को समर्पित

● भारतीय तटरक्षक बल ने स्वदेशी रूप से निर्मित जहाज 'सार्थक' को राष्ट्र को समर्पित किया। इस जहाज को गोवा में कमीशन किया गया है। भारतीय तटरक्षक बल की तरफ से बताया गया कि यह जहाज देश की समुद्री सीमा की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देगा। सार्थक जहाज को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने बनाया है। गोवा शिपयार्ड ओपीवी श्रृंखला के पांच जहाज बना रहा है। सार्थक इस श्रृंखला का चौथा जहाज है। यह जहाज एक बहु मिशन प्लेटफॉर्म है, जो समवर्ती संचालन करने में सक्षम है। यह जहाज 105 मीटर लंबा है, जो दो 9100 किलोवॉट डीजल इंजन से संचालित है। यह 2450 टन वजन ढोने में सक्षम है। यह जहाज अत्याधुनिक उपकरणों, सेंसर्स, मशीनरी और हथियारों से सुसज्जित है। यह जहाज खोजबीन, बचाव और समुद्री अपराधों से निपटने में सक्षम है।

● विश्व के 31 देशों के लगभग 20 करोड़ बच्चों पर शिक्षा से वंचित होने का खतरा है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की एक संस्था यूनिसेफ द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट 'रिमोट लर्निंग रेडीनेस इंडेक्स' में दी गई है। यूनिसेफ ने कहा कि कम और मध्यम आय वाले देशों के 20 करोड़ से अधिक बच्चों पर शिक्षा से वंचित होने का खतरा मंडरा रहा है। ये देश भविष्य में आपातकालीन स्थिति में स्कूल बंद होने पर दूरस्थ शिक्षा को लागू करने के लिये तैयार नहीं हैं। यूनिसेफ ने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी के कारण कई देशों में स्कूलों को आंशिक या पूर्ण रूप से बंद रखा गया था, इससे कई बच्चों को शिक्षा हासिल करने से वंचित रहना पड़ा था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश में 6 करोड़ 90 लाख से अधिक वैक्सीन डोज लगाई गई

नई दिल्ली, गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में आयोजित प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अधोसंरचना मिशन और इमरजेंसी कोविड रिस्पांस पैकेज एवं राष्ट्रीय कोविड-19 वैक्सीनेशन की बैठक में शामिल हुए। डॉ. मिश्रा ने बताया कि मध्यप्रदेश में अब तक 6 करोड़ 90 लाख 33 हजार वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी है। डॉ. मिश्रा के साथ प्रदेश के अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान भी मौजूद थे।

डॉ. मिश्रा ने बताया है कि केंद्र सरकार के सहयोग से विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में मध्यप्रदेश में अब तक 4 करोड़ 97 लाख 95 हजार वैक्सीन की प्रथम डोज और एक करोड़ 92 लाख 38 हजार को वैक्सीन की दूसरी डोज भी लगाई जा चुकी हैं। प्रदेश में अब तक 47 प्रतिशत वैक्सीन डोज महिलाओं को तथा 53 प्रतिशत वैक्सीन डोज पुरुषों को लगाई गई है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि सर्वाधिक पात्र जनसंख्या वाले प्रदेशों में प्रथम डोज के वैक्सीनेशन में मध्यप्रदेश 90.6 प्रतिशत कव्हरेज के साथ द्वितीय स्थान पर है। गर्भवती महिलाओं के वैक्सीनेशन में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में 3 लाख 12 हजार गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन की प्रथम डोज और 47 हजार गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन की द्वितीय डोज लगाई जा चुकी है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि वैठक में कोविड वैक्सीनेशन को वढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही आयुष्मान भारत योजना का लाभ अधिक से अधिक जनता को दिलाने पर जोर दिया गया। वैठक में देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्रीगण मौजूद थे।

वर्ष 38, अंक 44 01.11.2021 से 07.11.2021

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

सीएम राइज स्कूल योजना

मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग किया जा रहा है। बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार समय-समय पर स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में पहल करती रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों को साइकिल वितरित की गई। सरकार उन्हें वेशभूषा भी उपलब्ध करवाती है। पढ़ाई के लिये आवश्यक किताबें भी सरकार बच्चों को उपलब्ध करवा रही है। इन सभी सकारात्मक कदमों से बच्चों के लिये शिक्षा का अच्छा माहौल तैयार हुआ है। प्रदेश के बच्चे पढ़ाई पर ध्यान दें इसके लिये सरकार ने आईआईटी, मेडिकल और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में दाखिले के लिये बच्चों को प्रशिक्षण की पहल भी की है। इसी दिशा में एक कदम और आगे बढ़ते हुये सरकार ने सीएम राइज स्कूल योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में सीएम राइज योजना अहम् भूमिका निभायेगी। शिक्षा के क्षेत्र में इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना, विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में सुधार करना और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों को प्राप्त करने के लिये स्कूलों को सक्षम बनाना है। साथ ही स्कूली विद्यार्थियों के लिये समग्र व्यक्तित्व विकास पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर उत्कृष्ट और गुणवत्ता पूर्व शिक्षा प्रदान की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है, जिसे पूरा करने के लिये संयुक्त प्रयासों की जरूरत है। इसे ध्यान में रखकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में प्रदेश में 9 हजार 200 सुविधायुक्त सीएम राइज स्कूल शुरू होंगे। इसके लिये बजट में 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस वित्त वर्ष में 350 शासकीय स्कूलों को सीएम राइज स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। साथ ही 18 से 24 करोड़ रुपये की लागत से स्कूल भवन बनाये जायेंगे। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक 25 से 30 किलोमीटर परिधि में एक सीएम राइज स्कूल की व्यवस्था होगी। अगले 3 साल में इन स्कूलों में एक ही शिक्षण परिसर में केजी से लेकर बारहवीं तक की कक्षाओं के बच्चे पढ़ेंगे। जनजातीय क्षेत्रों में भी 95 सीएम राइज स्कूल खोले जायेंगे। इस योजना के क्रियान्वयन में सभी विभाग मिलकर सहयोग करेंगे। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे, पीसा (छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय आकलन कार्यक्रम) और ओलिंपियाड परीक्षा जैसी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा को देखते हुये इन स्कूलों में विद्यार्थियों को केवल ज्ञान आधारित शिक्षा के स्थान पर समझ, अनुप्रयोग और तार्किक योग्यता आधारित शिक्षा प्रदान की जायेगी। विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिये साहित्यिक, सांस्कृतिक, लोक-कला, पर्यावरण, विज्ञान, यातायात-सुरक्षा, खेल और योग जैसे जीवनोपयोगी विभिन्न विषयों की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। स्कूलों में उत्कृष्टता की संस्कृति विकसित करते हुये विद्यार्थियों के एटीट्यूशनल बदलाव, साक्ष्य आधारित वैज्ञानिक सोच विकसित करने, रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्तायुक्त शिक्षा दी जायेगी। विद्यार्थियों की रुचि और कौशल को ध्यान में रखकर व्यावसायिक शिक्षा की व्यवस्था भी होगी, जिससे शिक्षा के साथ विद्यार्थी जीवन-यापन के गुर सीखने के साथ अपनी आर्थिक समझ विकसित कर सकेंगे।

नई थैरेपी से दिल के दौरे का खतरा आधा

दुनिया में बड़ी संख्या में लोग दिल की बीमारी से पीड़ित हैं। दिल की बीमारी के बेहतर इलाज के लिये दुनियाभर में अनेक शोध चल रहे हैं। कनाडा में इस संबंध में शोधकर्ताओं ने काम किया है। एस्पिरिन, स्टेटिन और रक्त चाप की कम से कम दो दवाओं की निश्चित खुराक को मिलाकर दी जाने से घातक हृदय रोग (सीवीडी) का जोखिम आधे से भी ज्यादा स्तर तक कम हो सकता है। हैमिल्टन के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक हालिया अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में यह बात सामने आई है। चिकित्सा के इस तरीके के हृदय रोगों में प्रभावी बताया गया है। इसे फिक्स डोज कॉम्बीनेशन थैरेपी (एफडीसी) कहा गया है। तीन बड़े नैदानिक परीक्षणों से पूर्व बिना सीवीडी वाले 18,000 से अधिक रोगियों के संयुक्त विश्लेषण में निश्चित खुराक संयोजन (एफडीसी) उपचारों की जांच एस्पिरिन बनाम बिना एस्पिरिन के दोनों तरफ से की गई। एस्पिरिन सहित एफडीसी ने दिल के दौरे के जोखिम को 53 प्रतिशत, स्ट्रोक के जोखिम को 51 प्रतिशत कम किया। साथ ही हृदय संबंधी कारणों से होने वाली मौतों में 49 प्रतिशत की कटौती की। दुनियाभर में लगभग 19 मिलियन लोगों की मौत सीवीडी के कारण होती है और हर साल इससे दुगने लोग दिल के दौरे या स्ट्रोक से गुजरते हैं। अध्ययन के शोधकर्ताओं ने कहा कि ऐसी बीमारी के पूर्व इतिहास के बिना लोगों में 80 प्रतिशत कार्डियो वैस्कुलर घटनाएं होती हैं। इसका अर्थ है कि अगर दुनिया में अधिकांश दिल के दौरे स्ट्रोक और संबंधित मौतों को रोका जाना है, तो लोगों में दवाओं सहित प्रभावी निवारण रणनीतियां आवश्यक हैं। मैक मास्टर विश्वविद्यालय में मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर जनसंख्या स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के अन्वेषक और हैमिल्टन हेल्थ में कार्डियोलॉजिस्ट फिलिप जोसेफ ने कहा कि यह संयोजन या तो अलग से दिया जाता है या पॉलीपिल (एक दवा) के रूप में संयुक्त होता है। इस थैरेपी का सबसे बड़ा प्रभाव उपचार के साथ देखा जाता है, जिसमें रक्तचाप कम करने वाले एजेंट, एक स्टेटिन और एस्पिरिन एक साथ शामिल होते हैं, जो घातक और गैरघातक कार्डियो वैस्कुलर घटनाओं को लगभग आधा कर सकते हैं। विभिन्न रक्तचाप के स्तर, कोलेस्ट्रॉल के स्तर और मधुमेह वाले या बिना मधुमेह वालों में इस थैरेपी के लाभ समान होते हैं। हालांकि वृद्ध लोगों में इसके अधिक बड़े लाभ हो सकते हैं।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व विज्ञान दिवस | **10 नवम्बर**

विश्व शांति और समग्र विकास का संकल्प विज्ञान के संग

विश्व शांति की कामना और विश्व के समग्र विकास के संकल्प के साथ समूचा विश्व प्रतिवर्ष दस नवम्बर को 'विश्व विज्ञान दिवस' मनाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य समाज में विज्ञान की भूमिका को रेखांकित करना और इसके द्वारा जनसामान्य के जीवन में विज्ञान के प्रभाव को प्रदर्शित करना है। विश्व विज्ञान दिवस के आयोजन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा की गई थी। शांति एवं विकास कार्यों में विज्ञान के योगदान को पारिभाषित करने और इस सन्दर्भ में विज्ञान के महत्व को दर्शाने के लिये इस दिन गंभीर विचार-विमर्श होता है। वर्ष 1999 में हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में दस नवम्बर को संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद और यूनेस्को द्वारा विज्ञान पर विश्व सम्मेलन का आयोजन किया गया था। विश्व विज्ञान दिवस उसी सम्मेलन के अनुसरण में मनाया जाता है। यूनेस्को द्वारा इस दिवस की स्थापना वर्ष 2001 में की गई थी और वर्ष 2002 से प्रतिवर्ष विश्व के सभी सदस्य देशों में विज्ञान के लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इसे मनाया जाता है। विश्व में विज्ञान के माध्यम से मानव जाति के कल्याण का सूत्रपात किये जाने के लिये यह यूनेस्को का एक अनूठा प्रयास था, जिसे विश्व के लगभग सभी देशों का समर्थन मिला। इस दिन विज्ञान के सृजनात्मक पक्ष को अपनाने का संकल्प लिया जाता है, जिससे मानव जाति के कल्याण मार्ग प्रशस्त हो।

शांतिपूर्ण और सतत् विकास में विज्ञान की भूमिका सुनिश्चित

विश्व विज्ञान दिवस, विश्व के शांतिपूर्ण और सतत् विकास में विज्ञान की भूमिका की गहन पड़ताल का दिन भी होता है। इस दिन समाज के कल्याण के लिए विज्ञान के उपयोग की प्रतिबद्धता को भी दोहराया जाता है। इस समय विज्ञान के समक्ष जो चुनौतियां हैं उनकी ओर ध्यान आकर्षित करना और विश्व में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास में योगदान पर चर्चा करना भी इस दिवस का एक बड़ा लक्ष्य है। इस दिवस के आयोजन का एक बड़ा उद्देश्य यह भी है कि विश्व में सामान्य नागरिकों तक विज्ञान के विकास की जानकारी पहुंचाई जाये, जिससे वे रोजमर्रा की जिंदगी में विज्ञान के महत्व को समझ सकें। अभी तो हम जिस पृथ्वी पर रहते हैं उसकी भी हमें सीमित जानकारी है। विज्ञान दिवस हमें पृथ्वी की समझ को व्यापक बनाने और सतत् विकास के लिये वैज्ञानिकों की अहम् भूमिका को समझाने का भी यत्न करता है। वस्तुतः सतत् विकास की अवधारणा बिना विज्ञान के सम्भव ही नहीं है। असल में विश्व शांति और सतत् वैश्विक विकास अन्योन्याश्रित लक्ष्य है और विज्ञान के माध्यम से इन दोनों लक्ष्यों को पाना ही आज के समय की सबसे प्रमुख जरूरत है और विश्व विज्ञान दिवस पर इसी प्रक्रिया पर गहन विचार-विमर्श होता है।

दैनिक जीवन में विज्ञान की उपयोगिता रेखांकित होती है

विश्व विज्ञान दिवस पर विज्ञान के महत्व और दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता को रेखांकित किया जाता है। इस आयोजन का लक्ष्य समाज और विज्ञान के बीच की दूरी मिटाने और वैज्ञानिक आविष्कारों के महत्व को स्थापित करना भी होता है। समूचे विश्व में इस दिन को शासकीय और गैर-शासकीय संस्थाएं, वैज्ञानिक शोध संगठन, व्यावसायिक संघ, मीडिया, स्थानीय स्वशासी संस्थाएं यथा नगर निगम-नगर पालिकाएं, विज्ञान के शिक्षक और सभी विद्यालय इस दिन को पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं। यह दिन हर वर्ष हमें हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट

में सम्पन्न विश्व विज्ञान सम्मेलन में दो दस्तावेजों में से एक में घोषित उद्देश्य, विज्ञान संबंधी घोषणा और वैज्ञानिक ज्ञान के उपयोग, को प्राप्त करने तथा सम्मेलन की वैज्ञानिक कार्यसूची में शामिल संस्तुतियों का एक ढाँचा (फ्रेमवर्क) बनाने का अवसर देता है। यूनेस्को हर वर्ष विश्व विज्ञान दिवस पर एक रपट प्रकाशित करता है। विज्ञान को लोकप्रियता दिलाने और विभिन्न समसामयिक समस्याओं जैसे- प्रबंधन, ताजा पानी और जैविक विविधता की सुरक्षा जैसे विषयों पर बात करने के लिए यूनेस्को द्वारा एक त्रैमासिक पत्रिका- 'अ वर्ल्ड ऑफ साइंस' भी प्रकाशित की जाती है।

कोरोना संक्रमण में विज्ञान का नया प्रारूप नजर आया

कोरोना संक्रमण काल में विज्ञान के नये और पुरअसर प्रारूप पर भी गत दिनों एक चर्चा-परिचर्चा श्रृंखला (डिस्कोर्स सीरीज) में एक प्रभावी टिप्पणी की गई। केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी) की स्थापना के पचास वर्ष पूरे होने पर आयोजित उस परिचर्चा में 'महामारी के इतर पहलू' (द अदर साइड ऑफ पेनडेमिक) पर चर्चा करते हुए विभाग के सचिव आशुतोष शर्मा ने बताया कि कोविड-19 महामारी काल में घर से बाहर निकलते समय हम इससे क्या सीख लें रहे हैं, इसे समझना जरूरी है। इसके अलावा, अब हमारे सामने कई चुनौतियां भी हैं। कोरोना वायरस के विभिन्न रूप और इसकी भयावहता से चिकित्सा विज्ञान को नये संकट से रूबरू करवाया। चिकित्सकों के सामने प्रचलित उपचार पद्धति को परिमार्जित करने की जरूरत सामने आई और उन्होंने ऐसा ही किया भी। वैज्ञानिकों ने अथक मेहनत कर वैक्सीन बनाई। जब हम चुनौतियों की बात करते हैं तो हमारे सामने नए अवसर भी आते हैं और ऐसे अवसर विज्ञान से जुड़े हुए अलग-अलग क्षेत्रों में हमारी बेहतरी की मिसाल बन सकते हैं और इस संक्रमण काल से हमने काफी कुछ सीखा है और हम आगे भी विज्ञान के नए और पुरअसर प्रारूप देखने में भी सक्षम होंगे। यह भी कहा कि आगे चलकर विज्ञान के जो नए प्रारूप सामने आयेंगे वे बेहद प्रभावी होंगे। यह भी कहा गया कि साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के लिए 'इनोवेशन चेन' (नवोन्मेष श्रृंखला) की जरूरत होती है, जिसमें इनोवेशन इको-सिस्टम (नवोन्मेष पारिस्थितिक तंत्र) के कई आयाम शामिल होते हैं। विज्ञान को भविष्य के लिए तैयार रहने के साथ-साथ अलग-अलग क्षेत्रों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ बढ़ाने की कोशिश भी करनी होगी। कोरोना से अभी विश्व सौ फीसदी मुक्त नहीं है मगर विज्ञान की सहायता से इस लक्ष्य को भी पाया जा सकेगा।

विज्ञान के बिना जीवन कई बार अपूर्ण लगता है

विज्ञान हमारे जीवन का अहम् अंग है और शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र होगा, जिसमें हमे विज्ञान के आविष्कार या अविष्कारों का फायदा न मिला हो। विज्ञान के बिना हमारा जीवन कई बार अपूर्ण लगता है। वैसे विज्ञान दोधारी तलवार की तरह भी है, जिसका उपयोग विनाश अथवा सृजन दोनों के लिए किया जा सकता है, हम पर निर्भर है हम इसका उपयोग किस तरह करना चाहते हैं।

एक कथन है कि वैज्ञानिक, संसार का अध्ययन, संसार जैसा है उसी रूप में करते हैं, जबकि इंजीनियर वह संसार बनाते हैं जो कभी था ही नहीं। इस सबके बावजूद विज्ञान की सहायता से वैज्ञानिक 'जीवन रक्षा' का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। विज्ञान की बहुत सारी मान्यताएं गलत और भ्रामक प्रतीत होती हैं। विज्ञान में ही यह क्षमता है कि वह बीमारी और दरिद्रता से मनुष्य मात्र को मुक्त रख सकता है और विज्ञान में ही सामाजिक अशांति को भी बदल सकने की क्षमता है। विज्ञान पृथ्वी पर सदा से मौजूद सिद्धांतों की खोज तो करता ही है, मगर वो नवाचार और नवोन्मेष का कारक भी है। विश्व विज्ञान दिवस पर प्रतिवर्ष जो थीम तय की जाती है वो भी विज्ञान के महत्व और उसकी प्रासंगिकता को दर्शाती है।

वर्ष 2013 में विश्व विज्ञान दिवस की थीम साइंस फॉर वाटर कोऑपरेशन : शेयरिंग डेटा, नॉलेज एंड इन्नोवेशंस रखी गई थी। इसके अगले वर्ष 2014 में मानव जीवन के लिए सुनिश्चित भविष्य और वर्ष 2015 में थीम एक सतत् भविष्य के लिये विज्ञान थी। वर्ष 2016 में थीम- विज्ञान केंद्र और विज्ञान संग्रहालय मनाते हैं, विश्व विज्ञान दिवस', वर्ष 2017 में - 'वैश्विक समझ के लिए विज्ञान', वर्ष 2018 में - 'विज्ञान, एक मानव अधिकार', वर्ष 2019 में- 'ओपन साइंस, कोई भी पीछे न रहे' और वर्ष 2020 में - 'वैश्विक महामारी से निपटने के लिए विज्ञान और समाज साथ-साथ है' सुनिश्चित की गई थी।

सामाजिक सरोकार के रूप में विज्ञान का आकलन जरूरी

विश्व के सतत् विकास के साथ-साथ सर्वांगीण विकास की बहुआयामी यात्रा तक विज्ञान ने सामाजिक सरोकारों में भी अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। विज्ञान की इस भूमिका का आकलन भी जरूरी है। विज्ञान ने भौगोलिक दूरियों को नगण्य करके व्यापार और विकास के व्यापक स्वरूप को आकार दिया है। सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से आज अलग-अलग उपमहाद्वीप के बीच मजबूत आर्थिक और व्यापारिक सम्बन्ध स्थापित किए जा चुके हैं। सतत् परिवर्तन की इस यात्रा में विज्ञान ने सोशल मीडिया के द्वारा लोगों को जोड़कर पारिवारिक और सामाजिक निकटता को सहजता से बढ़ा दिया है। आज लगभग हर रोज ही जिस महिला सशक्तिकरण की बात हम करते हैं, उसको अनेक सुरक्षा उपकरणों के साथ महिलाओं के लिए सहूलियत और सुलभता भरे वातावरण का निर्माण करने में भी विज्ञान ने अपना योगदान देकर महिला सशक्तिकरण के प्रति हमारी कटिबद्धता को भी रेखांकित किया है। विज्ञान के मौजूदा अत्याधुनिक स्वरूप ने सूचना प्रौद्योगिकी के एक नये युग की शुरुआत की है, जिसमे ओपन हार्ट सर्जरी और स्टेम सेल थैरेपी ने चिकित्सकीय विज्ञान के क्षेत्र अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं तो मनोरंजन के क्षेत्र को टीवी, रेडियो, इंटरनेट और वीडियो गेम्स जैसे अनेक आविष्कार विज्ञान से ही प्राप्त हुए हैं। थ्री-डी इमेजिंग और आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस को भी विज्ञान की प्रगति के रूप में देखा जा सकता है। इन सबसे विज्ञान की सामाजिक सरोकार के प्रति जो प्रतिबद्धता बढ़ी उससे भी विज्ञान की सतत् विकास के संवाहक वाली भूमिका सुस्पष्ट हुई है।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश, जबलपुर

विज्ञापन

क्रमांक : 120/परीक्षा/21 **दिनांक : 26.10.2021**

मध्यप्रदेश राज्य के जिला एवं सत्र न्यायालयों की स्थापनाओं पर चतुर्थ श्रेणी (वाहन-चालक, भृत्य/चौकीदार/जलवाहक, माली एवं स्वीपर) कलेक्टर रेट/आकस्मिकता निधि से वेतनभोगी कर्मचारी की सीधी भर्ती/नियुक्ति हेतु विज्ञापन-2021

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि : 09.11.2021 (12.00 PM)
आवेदन करने की अंतिम तिथि : 24.11.2021 (11.55 PM)
साक्षात्कार का दिनांक : बाद में अधिसूचित की जावेगी।

महत्वपूर्ण बिन्दु

नोट :- (क) इच्छुक अभ्यर्थी पदवर्ग (1) वाहन चालक (2) भृत्य/चौकीदार/जलवाहक (3) माली एवं (4) स्वीपर में से केवल एक पद के लिये केवल एक ही जिले में भर्ती हेतु एक ही ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। एक से अधिक आवेदन स्वीकार्य नहीं होंगे और निरस्त माने जावेंगे।

(ख) अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।

(ग) अभ्यर्थियों से अपेक्षित है कि वे चयन प्रकिया से संबंधित आगामी प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त करने के अनुक्रम में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट का समय-समय पर अवलोकन करते रहें।

निम्न रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक व योग्य भारतीय नागरिकों से आवेदन पत्र ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते हैं:-

खण्ड "अ"

(एक) रिक्त पदों की संख्या

चतुर्थ श्रेणी कलेक्ट्रेट रेट/आकस्मिकता निधि से वेतनभोगी कर्मचारी (1) वाहन चालक (2) (अ) भृत्य (ब) चौकीदार (स) जलवाहक (3) माली (4) स्वीपर की सीधी भर्ती/नियुक्ति हेतु पदों का आरक्षण रोस्टर निम्नानुसार है:-

(1) पद प्रवर्ग-वाहन चालक

क्र.	न्यायिक जिले का नाम	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या				कुल रिक्तियों में से वर्गवार महिलाओं के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	कुल रिक्तियां
		अना-रक्षित	अ.पि. वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अना-रक्षित	अ.पि. वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति		
1.	अलीराजपुर	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
2.	अनूपपुर	2	-	-	1	-	-	-	-	-	3
3.	भोपाल	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
4.	बुरहानपुर	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
5.	छतरपुर	1	-	1	-	-	-	-	-	-	2
6.	छिन्दवाड़ा	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
7.	दमोह	1	1	1	-	-	-	-	-	-	3
8.	दतिया	1	1	-	-	-	-	-	-	-	2
9.	देवास	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
10.	धार	1	-	-	1	-	-	-	-	-	2
11.	डिण्डौरी	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
12.	ग्वालियर	2	-	1	-	-	-	-	-	-	3
13.	हरदा	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
14.	होशंगाबाद	1	-	-	1	-	-	-	-	-	2
15.	इंदौर	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
16.	जबलपुर	6	-	2	-	2	-	-	-	-	8
17.	झाबुआ	-	-	1	1	-	-	-	-	-	2
18.	खण्डवा	1	-	-	1	-	-	-	-	-	2
19.	कटनी	1	-	-	1	-	-	-	-	-	2
20.	मण्डला	-	-	-	2	-	-	-	-	-	2
21.	मंदसौर	2	-	-	-	-	-	-	-	-	2
22.	मुरैना	2	1	-	-	-	-	-	-	-	3
23.	नरसिंहपुर	-	-	-	3	-	-	-	-	-	3
24.	नीमच	1	-	1	-	-	-	-	-	-	2
25.	रायसेन	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
26.	राजगढ़	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
27.	सागर	1	1	-	-	-	-	-	-	-	2
28.	सतना	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
29.	सीहोर	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
30.	सिवनी	1	-	-	1	-	-	-	-	-	2
31.	शाजापुर	1	1	-	1	-	-	-	-	-	3
32.	श्योपुर	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
33.	शिवपुरी	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
34.	सीधी	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
35.	सिंगरौली-बैढ़न	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
36.	उज्जैन	1	1	1	-	-	-	-	-	-	3
	योग	**36**	**8**	**8**	**17**	**2**	**-**	**-**	**-**	**-**	**69**

(2) पद प्रवर्ग-भृत्य/चौकीदार/जलवाहक

क्र.	न्यायिक जिले का नाम	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या				कुल रिक्तियों में से वर्गवार महिलाओं के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	कुल रिक्तियां
		अना-रक्षित	अ.पि. वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अना-रक्षित	अ.पि. वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति		
1.	अनूपपुर	2	1	-	2	-	-	-	-	-	5
2.	अशोकनगर	4	1	-	1	1	-	-	-	-	6
3.	बालाघाट	3	1	-	-	1	-	-	-	-	4
4.	बड़वानी	1	1	-	6	-	-	-	2	-	8
5.	बैतूल	4	-	-	5	1	-	-	1	-	9
6.	भिण्ड	3	-	-	-	1	-	-	-	-	3
7.	भोपाल	15	7	7	9	4	2	2	2	3	38
8.	बुरहानपुर	-	3	-	5	-	1	-	1	-	8
9.	छतरपुर	6	1	4	1	2	-	1	-	1	12
10.	छिन्दवाड़ा	4	2	-	6	1	-	-	2	1	12
11.	दमोह	3	1	-	1	1	-	-	-	-	5
12.	दतिया	3	1	1	-	1	-	-	-	1	5
13.	देवास	6	2	1	3	2	-	-	1	1	12
14.	धार	6	1	-	21	2	-	-	6	2	28
15.	डिण्डौरी	1	-	-	1	-	-	-	-	-	2
16.	गुना	5	1	1	-	1	-	-	-	1	7
17.	ग्वालियर	6	1	1	-	2	-	-	-	1	8
18.	हरदा	1	-	1	1	-	-	-	-	-	3
19.	होशंगाबाद	9	2	-	-	2	-	-	-	1	11
20.	इंदौर	10	4	-	1	3	1	-	-	1	15
21.	जबलपुर	6	2	2	2	2	-	-	-	2	12
22.	झाबुआ	-	-	-	4	-	-	-	1	-	4
23.	खण्डवा	-	1	2	4	-	-	-	1	1	7
24.	कटनी	6	-	4	2	2	-	1	-	1	12
25.	मण्डला	2	2	-	6	-	-	-	2	1	10
26.	मंदसौर	6	1	3	1	2	-	1	-	1	11
27.	मुरैना	7	2	3	-	2	-	1	-	1	12
28.	मण्डलेश्वर	3	-	-	3	1	-	-	1	-	6
29.	नरसिंहपुर	4	2	1	2	1	-	-	-	1	9
30.	नीमच	7	2	1	2	2	-	-	-	1	12
31.	पन्ना	6	2	-	2	2	-	-	-	1	10
32.	रायसेन	3	-	1	2	1	-	-	-	-	6
33.	राजगढ़	3	1	1	-	1	-	-	-	-	5
34.	रतलाम	9	4	2	7	2	1	-	2	2	22
35.	रीवा	4	-	-	-	1	-	-	-	1	4
36.	सागर	11	5	5	3	3	1	1	1	1	24
37.	सतना	8	2	-	-	2	-	-	-	1	10
38.	सीहोर	6	2	2	3	2	-	-	1	1	13
39.	सिवनी	3	2	1	4	1	-	-	1	1	10
40.	शहडोल	2	1	-	2	-	-	-	-	-	5
41.	शाजापुर	6	2	3	-	2	-	1	-	1	11
42.	श्योपुर	3	2	1	2	1	-	-	-	-	8
43.	शिवपुरी	7	2	3	1	2	-	1	-	1	13
44.	सीधी	-	-	1	-	-	-	-	-	-	1
45.	सिंगरौली-बैढ़न	3	1	-	3	1	-	-	1	-	7
46.	उमरिया	1	1	-	1	-	-	-	-	-	3
47.	उज्जैन	12	3	6	1	3	1	2	-	1	22
48.	विदिशा	3	-	2	-	1	-	-	-	-	5
	योग	**225**	**72**	**60**	**120**	**62**	**7**	**11**	**26**	**33**	**475**

* उपरोक्त पदों में दिव्यांग अभ्यर्थियों का आरक्षण निम्नानुसार है :-

(क) श्रवणबाधित अभ्यर्थियों हेतु - भोपाल, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दतिया, देवास, धार, गुना, ग्वालियर, होशंगाबाद, इंदौर एवं जबलपुर स्थापनाओं पर एक-एक पद अर्थात् कुल ग्यारह पद

(ख) दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों हेतु - भोपाल, धार, जबलपुर, खण्डवा, कटनी, मण्डला, मंदसौर, मुरैना, नरसिंहपुर, नीमच एवं रतलाम स्थापनाओं पर एक-एक पद अर्थात् कुल ग्यारह पद

(ग) अस्थिबाधित अभ्यर्थियों हेतु - भोपाल, पन्ना, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीहोर, सिवनी, शाजापुर, शिवपुरी एवं उज्जैन स्थापनाओं पर एक-एक पद अर्थात कुल ग्यारह पद

(3) पद प्रवर्ग-माली

क्र.	न्यायिक जिले का नाम	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या				कुल रिक्तियों में से वर्गवार महिलाओं के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	कुल रिक्तियां
		अना-रक्षित	अ.पि. वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अना-रक्षित	अ.पि. वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति		
1.	अशोकनगर	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
2.	बड़वानी	-	1	-	1	-	-	-	-	-	2
3.	बैतूल	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
4.	भिण्ड	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
5.	भोपाल	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
6.	बुरहानपुर	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
7.	छतरपुर	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
8.	छिन्दवाड़ा	-	1	-	1	-	-	-	-	-	2
9.	दमोह	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
10.	देवास	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
11.	धार	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
12.	गुना	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
13.	ग्वालियर	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
14.	हरदा	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
15.	होशंगाबाद	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
16.	जबलपुर	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
17.	झाबुआ	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
18.	खण्डवा	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
19.	कटनी	-	1	-	2	-	-	-	-	-	3
20.	मण्डला	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
21.	मंदसौर	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
22.	मुरैना	2	1	-	-	-	-	-	-	1	3
23.	मण्डलेश्वर	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
24.	नरसिंहपुर	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
25.	नीमच	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
26.	रायसेन	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
27.	राजगढ़	3	-	-	1	-	-	-	-	1	4
28.	रीवा	-	1	-	1	-	-	-	-	-	2
29.	सागर	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
30.	सतना	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
31.	सीहोर	1	1	1	1	-	-	-	-	1	4

32.	सिवनी	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
33.	शाजापुर	1	-	-	1	-	-	-	-	-	2
34.	श्योपुर	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
35.	शिवपुरी	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
36.	सीधी	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
37.	सिंगरौली-बैढ़न	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
	योग	**19**	**15**	**1**	**16**	**-**	**-**	**-**	**-**	**3**	**51**

* उपरोक्त पदों में दिव्यांग अभ्यर्थियों का आरक्षण निम्नानुसार है :-

(1) श्रवणबाधित अभ्यर्थियों हेतु - मुरैना स्थापना पर एक पद

(2) दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों हेतु - राजगढ़ स्थापना पर एक पद

(3) अस्थिबाधित अभ्यर्थियों हेतु - सीहोर स्थापना पर एक पद

(4) पद प्रवर्ग-स्वीपर

क्र.	न्यायिक जिले का नाम	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या				कुल रिक्तियों में से वर्गवार महिलाओं के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	कुल रिक्तियां
		अना-रक्षित	अ.पि. वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अना-रक्षित	अ.पि. वर्ग	अनु. जाति	अनु. जनजाति		
1.	अलीराजपुर	-	-	-	2	-	-	-	-	-	2
2.	अनूपपुर	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
3.	अशोकनगर	-	-	2	-	-	-	-	-	-	2
4.	बालाघाट	-	-	-	2	-	-	-	-	-	2
5.	बड़वानी	-	-	1	-	-	-	-	-	-	1
6.	बैतूल	-	-	1	-	-	-	-	-	-	1
7.	भिण्ड	-	-	2	-	-	-	-	-	-	2
8.	भोपाल	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1
9.	बुरहानपुर	-	-	2	-	-	-	-	-	-	2
10.	छतरपुर	1	1	1	-	-	-	-	-	-	3
11.	छिन्दवाड़ा	-	-	2	-	-	-	-	-	-	2
12.	दमोह	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1
13.	दतिया	-	-	1	-	-	-	-	-	-	1
14.	देवास	-	-	1	-	-	-	-	-	-	1
15.	धार	-	3	4	-	-	1	1	-	1	7
16.	ग्वालियर	-	-	3	-	-	-	1	-	-	3
17.	हरदा	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
18.	होशंगाबाद	-	-	3	2	-	-	1	-	-	5
19.	इंदौर	-	-	5	-	-	-	1	-	1	5
20.	जबलपुर	3	-	-	-	1	-	-	-	-	3
21.	झाबुआ	-	-	-	2	-	-	-	-	-	2
22.	कटनी	-	-	1	2	-	-	-	-	-	3
23.	मण्डला	1	1	-	2	-	-	-	-	-	4
24.	मंदसौर	3	1	1	-	1	-	-	-	1	5
25.	मुरैना	2	1	1	-	-	-	-	-	-	4
26.	मण्डलेश्वर	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1
27.	नरसिंहपुर	2	1	-	-	-	-	-	-	1	3
28.	नीमच	2	-	1	-	-	-	-	-	-	3
29.	पन्ना	-	-	3	-	-	-	1	-	-	3
30.	रायसेन	-	-	1	1	-	-	-	-	-	2
31.	रतलाम	-	-	1	-	-	-	-	-	-	1
32.	रीवा	-	-	1	-	-	-	-	-	-	1
33.	सागर	-	-	1	-	-	-	-	-	-	1
34.	सतना	-	1	3	3	-	-	1	1	1	7
35.	सीहोर	1	1	1	1	-	-	-	-	-	4
36.	सिवनी	1	-	1	1	-	-	-	-	-	3
37.	शहडोल	-	-	1	1	-	-	-	-	-	2
38.	शाजापुर	1	-	1	-	-	-	-	-	-	2
39.	श्योपुर	1	1	-	-	-	-	-	-	-	2
40.	शिवपुरी	2	-	2	1	-	-	-	-	1	5
41.	सीधी	1	-	1	1	-	-	-	-	-	3
42.	सिंगरौली-बैढ़न	-	-	1	1	-	-	-	-	-	2
43.	उमरिया	-	-	-	2	-	-	-	-	-	2
44.	विदिशा	1	1	-	-	-	-	-	-	-	2
	योग	**23**	**13**	**50**	**27**	**2**	**1**	**6**	**1**	**6**	**113**

* उपरोक्त पदों में दिव्यांग अभ्यर्थियों का आरक्षण निम्नानुसार है :-

(1) श्रवणबाधित अभ्यर्थियों हेतु - धार एवं इंदौर स्थापनाओं पर एक-एक पद अर्थात कुल **2 पद**

(2) दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों हेतु - मंदसौर एवं नरसिंहपुर स्थापनाओं पर एक-एक पद अर्थात **कुल 2 पद**

(3) अस्थिबाधित अभ्यर्थियों हेतु - सतना एवं शिवपुरी स्थापनाओं पर एक-एक पद अर्थात **कुल 2 पद**

नोट - उपरोक्त पदों की संख्या परिवर्तनीय हो सकती है।

(दो) - पदनाम, वेतनमान तथा अर्हतायें :- *(M.P. District Court Establishment recruitment and conditions of service) Rules, 2016 as published in MP Gazzette on 28.06.2019, Schedule-I* के सरल क्र.-8 एवं 9 के अनुसार

पदनाम	वेतनमान	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता
(1) आकस्मिकता निधि से वेतनभोगी कर्मचारी/ कलेक्टर रेट **वाहन चालक प्रवर्ग**	**कलेक्टर रेट**	1. शासन द्वारा मान्यता प्राप्त प्राप्त बोर्ड/ संस्था से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण 2. लाइट मोटर व्हीकल चलाने का वैध ड्राईविंग लायसेंस। (*)
(2) आकस्मिकता निधि से वेतनभोगी कर्मचारी/ कलेक्टर रेट **भृत्य/चौकीदार/जलवाहक, माली एवं स्वीपर प्रवर्ग**	**कलेक्टर रेट**	आठवीं कक्षा उत्तीर्ण

(*) अभ्यर्थी को सभी प्रकार के L.M.V. चलाना आना चाहिये।

(तीन)-संबंधित पद हेतु टीप :-

1. अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में उनकी अंकसूची/शैक्षणिक प्रमाण-पत्र के अनुसार ही जानकारियाँ दर्ज करना अनिवार्य है, कोई विसंगति स्वीकार्य नहीं होगी।
2. उपरोक्तानुसार दर्शित न्यूनतम अर्हतायें ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि तक उत्तीर्ण होने के साथ-साथ परीक्षा अंक पत्र/प्रमाण पत्र होना आवश्यक है।

(चार)- आरक्षण संबंधी टीप:-

म.प्र. राज्य के बाहर के सभी आवेदक, आवेदन पत्र में अपनी श्रेणी 'अनारक्षित' भरेंगे और अनारक्षित वर्ग की रिक्तियों पर ही आवेदन प्रस्तुत करेंगे। केवल म.प्र. के मूल निवासियों को ही आरक्षण का लाभ दिया जावेगा।

(पांच)- चयन एवं अभ्यर्थिता के संबंध में अन्य आवश्यक अर्हता एवं जानकारी :-

(1) अभ्यर्थी केवल एक पदवर्ग हेतु केवल एक ही जिले में आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। यदि अभ्यर्थी एक से अधिक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करता है तो संज्ञान में आने पर उसकी सभी जिलों/पदों हेतु अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी और उसके किसी भी आवेदन/आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

(2) आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों को मध्यप्रदेश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र ही प्रस्तुत करना अनिवार्य है अन्यथा उनकी अभ्यर्थिता विचार में नहीं ली जावेगी।

(3) मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम, 6 के अनुसार नियुक्ति के लिये वह उम्मीदवार अपात्र होगा/होगी जो निम्न में से कोई हो-
- (क) उम्मीदवार जो नैतिक अधमता से जुड़े अपराध के लिये दोषी ठहराया गया हो।
- (ख) उम्मीदवार जिसके एक से अधिक जीवित पति या पत्नियां (जैसी भी स्थिति हो) है। इसी प्रकार उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसकी पहले से ही एक पत्नी या पति (जैसी भी स्थिति हो) जीवित हो।
- (ग) जो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं पाया जाए।
- (घ) जिसे महिलाओं के विरुद्ध किसी अपराध का दोषसिद्ध ठहराया गया हो।
- (ङ) जिसकी दो से अधिक सन्तान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हुआ है, (परंतु निरर्हित नहीं होगा यदि एक संतान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक संतान का जन्म होता है।)

(4) केन्द्र या राज्य के शासकीय/अर्द्धशासकीय कार्यालयों/संस्था में कार्यरत् कर्मचारियों को नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी का "अनापत्ति प्रमाण पत्र" संलग्न/प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा इसके अभाव में उनकी अभ्यर्थिता किसी भी प्रक्रम पर समाप्त कर दी जावेगी। यदि अपने नियोजित होने के संबंध में जानकारी छिपायी जाती है तो उनके विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की अनुशंसा की जावेगी तथा उनकी अभ्यर्थिता निरस्त कर दी जावेगी।

(5) केन्द्र या राज्य सरकार के या केन्द्र या राज्य सरकार के अधिकारी या भारत के किसी भी न्यायालय द्वारा या स्थानीय प्राधिकारी या सरकारी निगम द्वारा या केन्द्र या राज्य सरकार के स्वामित्व वाले नियंत्रित व्यक्ति द्वारा सेवा से बर्खास्त किया गया अभ्यर्थी पात्र नहीं होगा।

(6) अभ्यर्थी किसी भी पद हेतु किसी भी स्थापना में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा यदि उसके विरुद्ध किसी कार्यालय में विभागीय जाँच लंबित हो।

(7) अभ्यर्थी को केन्द्रीय या संघ या किसी राज्य के लोक सेवा आयोग या उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में भाग लेने से अनर्हरित किया गया हो।

(8) यदि आवेदक के द्वारा किसी क्रियाकलाप या कार्यक्रम में भाग लिया गया है या संबद्धता रही है-
एक- जिसका ध्येय भारत के संविधान को क्षति पहुंचाने का रहा हो,
दो- जिसका ध्येय संगठित होकर विधि की अवज्ञा या भंग कर हिंसा कारित करना हो,
तीन- जो भारत की संप्रभुता व अखण्डता या राज्य की सुरक्षा के हितों पर पूर्वाग्रह कारित करता हो,
चार- जो धर्म, वंश, भाषा, जाति या संप्रदाय के आधार पर विभिन्न वर्गों के मध्य शत्रुता या घृणा की भावना को प्रोत्साहित करता हो।

(9) मध्यप्रदेश सिविल सेवा के (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के प्रावधानों एवं समय-समय पर जारी संशोधनों के अंतर्गत अनर्हता के नियम लागू होंगे।

(10) सभी परीक्षाओं में अभ्यर्थी का प्रवेश पूर्णतः प्रावधिक है। अभ्यर्थी को साक्षात्कार के समय 02 फोटो, जो उसने ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपलोड किया है, ऑनलाइन आवेदन पत्र की स्वप्रमाणित प्रति व मूल फोटो परिचय-पत्र भी लाना आवश्यक है। अंतिम शैक्षणिक संस्था प्रमुख द्वारा जारी फोटो परिचय-पत्र भी मान्य किया जा सकेगा।

(11) चयन प्रक्रिया को संशोधित या निरस्त करने का पूर्ण अधिकार माननीय मुख्य न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय को होगा।

(12) यदि कोई अभ्यर्थी विज्ञापन की शर्तें पूरी न करते हुये भी ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत (Submit) करता है या उसका आवेदन त्रुटिपूर्ण पाया जाता है अथवा उसमें असत्य/अपूर्ण जानकारी दी है अथवा कोई जानकारी नहीं दी है अथवा किसी जानकारी को छिपाया है, तो संज्ञान में आते ही किसी भी स्तर/प्रक्रम पर उसका प्रवेश, चयन और उसकी अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी तथा इस सम्बंध में कोई पत्राचार स्वीकार्य नहीं होगा।

(13) इच्छुक अभ्यर्थी अपना ऑनलाइन फार्म बहुत सावधानी से भरें, आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का कोई प्रावधान नहीं है, इस संबंध में प्राप्त अभ्यावेदनों को नस्तीबद्ध कर दिया जावेगा।

(14) यदि किसी अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई दाण्डिक प्रकरण किसी पुलिस थाने/न्यायालय में विचाराधीन हो अथवा किसी न्यायालय से निराकृत हो चुका हो, तो निर्णय/संबंधित अधिनियम एवं धारा सहित प्रकरण क्रमांक व दिनांक आदि की जानकारी अनिवार्यतः दें। यदि कोई अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन में पंजीबद्ध अपराध या दाण्डिक प्रकरण की जानकारी छिपाता है, तो किसी भी समय संज्ञान में आने पर तत्काल उसकी अभ्यर्थिता बिना कोई कारण बताये निरस्त कर दी जावेगी तथा इस सम्बंध में कोई पत्राचार स्वीकार्य नहीं होगा।

(छः)- अनर्हताएँ -

निम्नलिखित मामलों में, उल्लंघन करने वाले आवेदकों का अभियोजन किया जा सकेगा और/या चयन के लिये उसकी उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी और/या उसे या तो स्थायी रूप से या विशिष्ट अवधि के लिये विवर्जित कर दिया जाएगा :-

(1) जिसने अपनी उम्मीदवारी के लिये साक्षात्कार में किसी भी तरीके से समर्थन प्राप्त किया हो या इसके लिये प्रयास किया हो, या
(2) प्रतिरूपण (इम्परसोनेशन) किया हो या कराया हो, या
(3) कूटरचित दस्तावेज या ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत किये हों, जिनमें फेरबदल किया गया हो, या
(4) चयन के किसी भी स्तर पर दिये गये किसी भी आवेदन/प्रपत्र/अनुप्रमाणन/दस्तावेज में, असत्य जानकारी दी हो या सारभूत जानकारी छिपाई हो, या
(5) साक्षात्कार में प्रवेश पाने के लिये कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाया हो, या
(6) साक्षात्कार में अनुचित साधनों का उपयोग किया हो या करने का प्रयास किया हो, या
(7) साक्षात्कार संचालन में लगे कर्मचारियों/अधिकारियों को परेशान किया हो या धमकाया हो या शारीरिक क्षति पहुँचायी हो या किसी तरीके से दुर्व्यवहार किया हो, या
(8) आवेदकों को प्रवेश पत्र में दिये गये किन्हीं निर्देशों या अन्य अनुदेशों, जिनमें साक्षात्कार संचालन में लगे केन्द्र पर्यवेक्षक या अन्य कर्मचारी द्वारा मौखिक रूप से दी गई हिदायतें भी शामिल हैं, का उल्लंघन किया हो, या
(9) साक्षात्कार भवन में चिल्लाना, बोलना, कानाफूसी करना, इशारे करना व अन्य प्रकार से सम्पर्क साधना, या
(10) यदि वह अनुचित साधनों का उपयोग करता है या उपयोग करने का प्रयास करता है या परिसर के भीतर या साक्षात्कार कक्ष/हॉल में कोई निषिद्ध वस्तु लाता है, या किसी फर्नीचर को कोई नुकसान पहुंचाता है, या
(11) साक्षात्कार में अपने पास किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री रखना। मोबाइल फोन, कैमरा लगा कोई उपकरण या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक और संचार उपकरण प्रतिबंधित हैं और परिसर के मुख्य द्वार के अंदर अनुमति नहीं है जहां साक्षात्कार आयोजित किया जावेगा। इन निर्देशों का कोई भी उल्लंघन अभ्यर्थिता को रद्द कर देगा और अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया से निष्कासित करने की कार्रवाई करेगा, जिसमें भविष्य की भर्तियों से प्रतिबंध शामिल हो सकता है, अथवा
(12) ऑनलाइन फार्म में कोई भी प्रविष्टी अंकसूची/मार्कशीट/प्रमाण-पत्र से भिन्न करना, या
(13) म.प्र. राज्य के बाहर के अभ्यर्थी को आरक्षित श्रेणी में आवेदन करना, या
(14) अन्य कोई ऐसा आचरण किया हो जो आदर्श परीक्षार्थी के लिये वर्जित है।

खण्ड "ब"

(क)- आयु की गणना-

दिनांक 01.01.2021 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होना आवश्यक है, आयु सीमा की गणना निम्नानुसार होगी :-

1.	पुरुष आवेदक (अनारक्षित वर्ग)	40 वर्ष
2.	पुरुष आवेदक (शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक)	45 वर्ष
3.	पुरुष आवेदक (आरक्षित वर्ग-अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांगजन)	45 वर्ष
4.	पुरुष आवेदक (आरक्षित वर्ग-शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक)	45 वर्ष
5.	महिला आवेदक (अनारक्षित वर्ग)	45 वर्ष
6.	महिला आवेदक (शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक) (विधवा/परित्यक्ता/तलाकशुदा)	45 वर्ष
7.	महिला आवेदक (आरक्षित वर्ग-अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांगजन)	45 वर्ष

म.प्र. राज्य के बाहर के सभी अभ्यर्थियों हेतु अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

JAN SHIKSHAN SANSTHAN, INDORE (MP)
(Sponsored by Ministry of Skill Development & Entrepreneurship, Govt. of India)
Address: 47/7, Nanda Nagar, Near Nanda Nagar Post Office, Indore-452011
Phone: 0731-4007418, E-mail: jssind_mp@yahoo.co.in

REQUIRED DIRECTOR

Applications are invited for appointment to the post of Director of Jan Shikshan Sansthan, Indore. We are a leading voluntary agency working in the field of literacy-linked vocational skill development training to non-literate, neo-literate, rudimentary level, school dropouts. We are looking for a dynamic person to head the organization as its Director. He/She would also be fully in- charge of all day-to-day activities. He/ She should have good management skills and be a team -builder.

Essential Qualification and Experience:
- Graduation from a recognized University, Institution or equivalent.
- Working knowledge of the local languages both written and spoken.

Desirable:
- Vocational Degree/ Diploma with 7 years experience in leading a team or heading an organization.
- Experience in guiding/ conducting of research.

Age: Maximum 55 years as on 01/11/2021.

Emoluments: Consolidated emolument of ₹ 30,000 to 40,000/- per month (all inclusive).

Terms and conditions:
- The position shall be filled purely on a contractual basis for a period of ordinarily not exceeding five years out of which the first year of the first term will be the probation period.
- The BOM may consider renewal of the contract/ extension of the contract period of the Director for a further period of five years on expiry of each five year tenure or termination of the scheme, whichever is earlier.
- Outstation candidate called for interview will be reimbursed to and fro II AC rail fare. In case of persons employed in organization, he/she would be required to have applications sent from their employer at the time of interview.
- Interested individuals may apply with a detailed resume, passport size photo, and self-attested documents. The complete application, along with the enclosures may be delivered to the office address as mentioned above, or they can be sent by registered/ Speed Post. The applications should reach within 30 days from the date of publication of the advertisement.

deepak

Chairman,
Jan Shikshan Sansthan, Indore (MP)

R-46131/2021

महिला नव आरक्षकों के शौर्य और कठिन अभ्यास को देखकर भावुक हुए राज्यपाल

इंदौर, पुलिस प्रशिक्षण में मानवीय मूल्यों का बीजारोपण होना चाहिए। प्रशिक्षण के उपरांत पुलिस कर्मियों पर समाज की सुरक्षा के साथ मानवीय मूल्यों की स्थापना का संकल्प भी होना चाहिए। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने इंदौर में पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में कार्यक्रम में कही। राज्यपाल ने कहा कि महिला नव-आरक्षकों के चमकते चेहरे और तेज देखकर उन्हें प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है साथ ही, खुशी और गर्व के भावों के साथ अश्रु भी बह रहे हैं। उन्होंने नव-आरक्षकों के साहसपूर्ण और हैरतअंगेज करतबों को भी देखा।

राज्यपाल ने कहा कि प्रशिक्षण महाविद्यालय में बहुत बेहतर ढंग से पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुझे मध्यप्रदेश पुलिस का उज्ज्वल भविष्य भी दिख रहा है। उन्होंने कहा कि समाज की सुरक्षा में पुलिस का महती दायित्व है और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि पुलिसकर्मी इस दायित्व का पूर्ण ईमानदारी और कर्तव्य भावना से पालन करते रहेंगे। कार्यक्रम में महिला आरक्षकों ने साहस और शौर्य से परिपूर्ण हैरतअंगेज प्रदर्शन भी किए। उन्होंने सुरक्षा के लिए विभिन्न तरह का मोर्चा बनाकर दिखाया और विभिन्न तरह के हथियारों के संचालन संबंधी कौशल का प्रदर्शन भी किया। महिला आरक्षकों द्वारा बिना हथियारों की लड़ाई और सुरक्षा संबंधी दांव-पेच का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में मौजूद दर्शक उस समय हतप्रभ रह गए जब आग के गोलों के बीच में से छलांग लगायी गई। यही नहीं मार्शल आर्ट द्वारा पत्थर तोड़ने का करतब भी प्रदर्शित किया गया।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P. – 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 164/MTN/2021

(Flood Damage)

No./15840/22/D-12/NIT-Maint./2021 Bhopal, Dated : 25.10.2021

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

1. **Table No. 1 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna & other Schemes.
   - **Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Ashoknagar	8	13187000.00
2	Guna	16	16211000.00
3	Morena	3	13762000.00
4	Sheopur	21	75153000.00
5	Shivpuri	19	64912000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **02.11.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/102418/46128/2021 **(T & e-G)**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

(ख)- आवेदन-शुल्क :-

श्रेणी	परीक्षा शुल्क (अ)	सेवा प्रदाता को देय पोर्टल व अन्य शुल्क (ब)	योग (अ) + (ब)
अनारक्षित एवं/अथवा मध्यप्रदेश राज्य से बाहर के सभी आवेदकों हेतु	रु. 100/-	रु. 116.70/-	रु. 216.70/- (दो सौ सोलह रुपये सत्तर पैसे)
आरक्षित वर्ग (केवल म.प्र. के मूल निवासी आवेदकों हेतु)	रु. 0/-	रु. 116.70/-	रु. 116.70/- (एक सौ सोलह रुपये सत्तर पैसे)

नोट :- (1) उपरोक्त शुल्क परिवर्तन के अधीन है और परिस्थितियों में परिवर्तन होने पर अभ्यर्थी को परिवर्तित शुल्क का भुगतान करना होगा। आवेदन शुल्क वापस किए जाने अथवा समायोजन किए जाने का कोई प्रावधान नहीं है तथा शुल्क परिवर्तन के संबंध में आपत्ति(यों) पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

(2) अभ्यर्थी का आवेदन पूर्ण तभी माना जायेगा जब निर्धारित शुल्क का ट्रांजेक्सन नियत समय के भीतर सेवा प्रदाता के पक्ष पर सफलतापूर्वक हो चुका हो।

यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पूर्णतः अभ्यर्थी की होगी कि साक्षात्कार हेतु आवेदन और शुल्क निर्धारित तिथि व समय के पूर्व जमा हो चुका है। बैंकिंग, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन व अन्य किसी कारणवश यदि अभ्यर्थी का आवेदन व शुल्क यदि निर्धारित अवधि के पूर्व जमा नहीं हो पाते हैं, तो इससे संबंधित अभ्यावेदनों पर कोई विचार न करते हुए उन्हें स्वतः निरस्त माना जावेगा।

(ग)- ऑनलाइन आवेदन भरने सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी :-

1. आवेदक स्वयं अपना ऑनलाइन फार्म भर सकते हैं।

आवेदन पत्र म.प्र. उच्च न्यायालय की वेबसाइट **www.mphc.gov.in** पर ऑनलाइन उपलब्ध है, अभ्यर्थी को उक्त वेबसाइट में जाकर "Recruitment/Result" की बटन में क्लिक करना होगा, तत्पश्चात् "Click on-Online Application Forms/Admit Cards" पर Click करें जिसमें उक्त पदों की भर्ती का ऑनलाइन आवेदन उपलब्ध होगा, जिसे क्लिक करने पर 03 निम्न लिंक उपलब्ध होंगी :-

1. Advertisement
2. Registrartion
3. Application

Advertisement लिंक पर क्लिक कर विज्ञापन के पूरे निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें, तत्पश्चात् Registration लिंक पर क्लिक कर चाही गई जानकारी को दर्ज करें, जिससे अभ्यर्थी द्वारा दिये गये मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आई.डी. में User-ID & Password भेजा जायेगा, जिसके द्वारा अभ्यर्थी Application लिंक में क्लिक कर अपना आवेदन फार्म पूरा भरकर अपनी फोटो एवं हस्ताक्षर अपलोड कर सकेंगे। पूरे फार्म को भरने के उपरांत अभ्यर्थी फार्म को Preview कर Submit बटन पर क्लिक कर निर्धारित शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। आवेदक यह सुनिश्चित कर लें कि आवेदन में उनके द्वारा दी गई जानकारी व विवरण सही व सत्य है, बाद में त्रुटि-सुधार के लिये पृथक से कोई अभ्यावेदन पोषणीय नहीं होगा।

2. उक्त प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थी दिये गये ऑनलाइन पेमेंट मोड के माध्यम से आवेदन शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। निर्धारित शुल्क का भुगतान होने के पश्चात् अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र का प्रिंट आऊट/पावती, प्रिंट बटन पर क्लिक कर प्राप्त कर लें। **आवेदन पत्र का प्रिंट/रसीद को भर्ती की अन्य प्रक्रियाओं के लिये हेतु अपने पास सुरक्षित रखें।**

नोट :- कृपया विज्ञापन को सावधानीपूर्वक पढ़ लें और यदि आपको ऑनलाइन फार्म भरने में कोई समस्या आती है, तो **दूरभाष नम्बर (022-6130627) पर** तत्काल सम्पर्क करें।

नोटः- यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी कि, वे अपने आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को पूरा करते हैं। अतः आवेदन करने के पहले अभ्यर्थी अपनी अर्हता की जांच स्वयं कर लें और अर्हता की समस्त शर्तों को पूरा करने पर ही आवेदन पत्र भरें। प्रवेश पत्र जारी करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि अभ्यर्थी को अर्ह/योग्यताधारी मान लिया गया है। चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह/अयोग्य पाए जाने पर उसका आवेदन पत्र निरस्त कर उसकी अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।

खण्ड "स"

(क)- भर्ती की योजना :-

उक्त पदों की भर्ती केवल साक्षात्कार के माध्यम से संपन्न होगी, साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि व समय पर साक्षात्कार समिति के समक्ष उपस्थित होना अनिवार्य होगा, साक्षात्कार 30 अंकों का होगा। साक्षात्कार दिवस में अभ्यर्थियों को अपने साथ निम्नलिखित दस्तावेज लेकर आना अनिवार्य होगा :-

1. अर्हकारी व समस्त प्रमाण पत्रों (जिसका उल्लेख अपने ऑनलाइन आवेदन में किया है) की मूल Original प्रतियाँ एवं एक सेट स्व प्रमाणित छायाप्रतियां Photocopy
2. मूल Original पहचान पत्र व स्वप्रमाणित प्रति
3. ऑनलाइन फार्म की पावती, प्रवेश पत्र व उनकी स्वप्रमाणित प्रति
4. स्वयं के 02 पासपोर्ट साइज फोटो (जिसे ऑनलाइन फार्म भरते समय अपलोड किया था)

(*) आरक्षित वर्ग के समस्त अभ्यर्थियों को सक्षम अधिकारी, जो अनुविभागीय अधिकारी से निचले स्तर का न हो द्वारा प्रदत्त स्थायी जाति प्रमाण पत्र मूलतः होना आवश्यक होगा। अन्य किसी राज्य में जारी किया गया प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।

साक्षात्कार केन्द्र में उपरोक्त दस्तावेजों को लेकर आना अति आवश्यक है, यदि कोई अभ्यर्थी मूल दस्तावेज लेकर नहीं आता है/दस्तावेजों की छायाप्रति लेकर नहीं आता है तो इसके लिये अतिरिक्त समय नहीं दिया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थियों को साक्षात्कार बोर्ड के समक्ष नहीं भेजा जावेगा एवं अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता निरस्त कर दी जायेगी, जिस पर कोई पत्राचार मान्य नहीं होगा।

अभ्यर्थी इस तथ्य का विशेष ध्यान दें, साक्षात्कार पश्चात् अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की पुनः जांच की जावेगी, परिणामस्वरूप यदि कोई अभ्यर्थी दस्तावेजों के आधार पर पात्र नहीं पाया जावेगा तो अपात्र घोषित कर दिया जावेगा, उक्त संबंध में किसी भी प्रकार का अभ्यावेदन स्वीकार्य नहीं होगा तथा नस्तीबद्ध कर दिया जावेगा, भले ही अभ्यर्थी मेरिट के आधार पर चयनित क्यों न हो रहा हो। यदि अभ्यर्थी किसी त्रुटि के चलते साक्षात्कार देने में सफल हो जाता है, तब भी उसकी अभ्यर्थिता चयन पूर्व व पश्चात् निरस्त कर दिया जावेगा।

(ख)- प्रवेश पत्र :-

प्रवेश पत्र साक्षात्कार के पूर्व म.प्र. उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर जारी किये जावेंगे, जिसका प्रिंट अभ्यर्थी को स्वयं निकालना होगा जिसके लिए अभ्यर्थी को अपना रजिस्ट्रेशन क्रमांक व पासवर्ड दर्ज करना होगा। प्रवेश पत्र में वर्णित निर्देशों का पालन करना अभ्यर्थी के लिये अनिवार्य होगा अन्यथा उसे आगामी भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने से निरर्हित कर दिया जायेगा।

(ग)- साक्षात्कार केन्द्र :-

अभ्यर्थी का साक्षात्कार केन्द्र वही जिला होगा जहां के लिये उसने आवेदन किया है। अभ्यर्थियों का साक्षात्कार एक तिथि अथवा एक से अधिक तिथियों का निर्धारण अभ्यर्थियों की संख्या और साक्षात्कार केन्द्र की क्षमता को देखते हुए किया जावेगा। अभ्यर्थी को अपने प्रवेश पत्र में अंकित तिथि को ही साक्षात्कार केन्द्र/जिले में उपस्थित होना होगा, उक्त संबंध में किसी भी अभ्यर्थी को कोई आपत्ति करने का अधिकार नहीं होगा एवं अभ्यर्थियों से प्राप्त अभ्यावेदनों को संक्षिप्ततः नस्तीबद्ध कर दिया जावेगा।

यदि किसी आपात स्थिति अथवा अपरिहार्य कारणों से साक्षात्कार तिथि को परिवर्तित करने की आवश्यकता होती है, तो इसकी सूचना म.प्र. उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट **www.mphc.gov.in** एवं संबंधित जिले के सूचना पटल पर प्रकाशित की जावेगी।

(सात)- आवश्यक सूचना :-

(1) आवेदक को अपने साक्षात्कार केन्द्र पर निर्धारित समय से 1 घंटा पूर्व अनिवार्य रूप से उपस्थित होना आवश्यक है।

(2) आवेदक द्वारा निर्धारित तिथि व समय पर साक्षात्कार केन्द्र पर उपस्थित न होने/देर से उपस्थित होने पर आवेदक की अभ्यर्थिता निरस्त हो जाएगी तथा अन्य तिथि अथवा अन्य बोर्ड में साक्षात्कार देने की अनुमति नहीं दी जावेगी।

(आठ)- अंतिम चयन सूची/परिणाम :-

जिलेवार साक्षात्कार समाप्त होने के पश्चात् श्रेणीवार मेरिट के आधार पर अंतिम चयन व प्रतीक्षा सूची तैयार की जावेगी जिसे उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर एवं संबंधित जिला न्यायालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित किया जावेगा। समान अंक होने की दशा में अधिक उम्र के अभ्यर्थी को वरीयता दी जावेगी।

अंतिम परिणाम पर पुनर्विचार एवं परिवर्तन करने हेतु आवेदन करने का कोई प्रावधान नहीं है अतः इस विषय में प्राप्त आवेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी तथा संक्षिप्ततः निरस्त कर दिये जायेंगे।

नोट- चयनित अभ्यर्थी की नियुक्ति के लिये अर्हता उसके दस्तावेजों व पृष्ठभूमि के सत्यापन उपरांत नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी की संतुष्टि के अध्याधीन होगी।

चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि या अन्य कोई सारवान् चूक प्रकट होती है तो चयन परिणाम को सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

(नौ)- प्राप्तांक/स्कोर कार्ड :-

अंतिम परिणाम/सूची प्रकाशित होने के बाद साक्षात्कार में सम्मिलित हुए समस्त अभ्यर्थियों के प्राप्तांक म.प्र. उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर प्रकाशित किये जावेंगे, जिसके लिए अभ्यर्थी को अपना आवेदन क्रमांक व पासवर्ड दर्ज करना होगा।

(दस)- सूचना के अधिकार के तहत जानकारी :-

सूचना के अधिकार के तहत जानकारी संबंधित जिला एवं सत्र न्यायालय के सूचना अधिकारी से निर्धारित शुल्क जमा करके प्राप्त की जा सकेगी।

(ग्यारह)- विनष्टीकरण :-

आवेदन-पत्रों (अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों के आवेदन व दस्तावेजों को छोड़कर) व अन्य सामग्री को चयन सूची/अंतिम परिणाम घोषित होने के एक वर्ष बाद नष्ट कर दिया जावेगा।

(बारह)- यात्रा व्यय का भुगतान :-

साक्षात्कार हेतु आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों से कोई परीक्षा शुल्क न लेते हुए केवल सेवा प्रदाता का शुल्क लिया जा रहा है, इस कारण साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले किसी भी अभ्यर्थी को किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

(तेरह)- शुद्धिपत्र :-

आवश्यकता होने पर शुद्धिपत्र प्रकाशित किया जायेगा, जो कि इस विज्ञापन का भाग माना जायेगा। उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर प्रकाशित "शुद्धिपत्र" को अभ्यर्थियों के लिये उचित एवं पर्याप्त सूचना के रूप में समझा जावेगा। "शुद्धिपत्र" की जानकारी प्राप्त नहीं होने के आधार पर प्राप्त अभ्यावेदनों को संक्षिप्ततः निरस्त कर दिया जावेगा।

(चौदह)- कोविड-19 महामारी से संबंधित निर्देश :-

साक्षात्कार इत्यादि के पूर्व अथवा साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी को तत्समय प्रभावशील सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा, इसके अलावा प्रवेश पत्र पर वर्णित अथवा नोटिस के माध्यम से परीक्षा सेल द्वारा कोविड-19 महामारी से संबंधित विशेष निर्देश जारी किये जा सकते हैं, जिनका पालन करना अभ्यर्थी के लिए अनिवार्य होगा अन्यथा अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी।

(पंद्रह)- अभ्यावेदन/पत्राचार :-

ई-मेल के माध्यम से कोई भी अभ्यावेदन पोषणीय नहीं होगा और स्वतः निरस्त माना जाएगा। विज्ञापन की शर्तों में परिवर्तन, अर्हता, आयु-सीमा एवं साक्षात्कार तिथियों आदि में परिवर्तन या छूट के संबंध में कोई भी पत्राचार मान्य नहीं होगा।

आर-46123/2021 **रजिस्ट्रार जनरल**

अब किस बात का इंतजार, टीके से करो कोरोना पर वार

लोकल सामग्री क्रय कर हुनरमंदों के त्योहार भी करें रोशन - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देश एवं प्रदेश के विकास और आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए लोकल उत्पादों को बढ़ावा देना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को पूरा करने में मध्यप्रदेश अपनी भागीदारी सतत् रूप से सुनिश्चित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात को सुनकर उक्त आशय के ट्वीट कर प्रदेशवासियों को 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

श्री चौहान ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया है कि त्योहारों के अवसर पर जरूरी सामान खरीदने के लिए अपने स्थानीय दुकानदार और स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों को प्राथमिकता दें। इससे न केवल आपका देश-प्रदेश के विकास में योगदान रहेगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोज़गार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता लोकल सामग्री की होना चाहिए। लोकल खरीदेंगे तो हमारे गरीब कारीगर, बुनकर और अन्य स्थानीय सामग्री बनाने वाले भाई-बहनों के त्योहार भी रोशन होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में स्थानीय स्तर पर निर्मित होने वाली सामग्रियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना भी शुरू की जा चुकी है। प्रदेश के सभी जिलों की विशेषताओं और वहां की सामग्रियों को जिले की पहचान बनाने एवं उनकी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांडिंग भी की जा रही है।

श्री चौहान ने कहा कि हमने प्रदेश में उन हुनरमंद महिलाओं को चिन्हित कर स्व-सहायता समूहों का गठन भी किया है, जो अनेक प्रकार की उपयोगी सामग्री स्थानीय स्तर पर ही तैयार करती हैं। ऐसी सभी महिलाओं को बैंकों के माध्यम से आर्थिक मदद उपलब्ध करवा कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्री की ब्रांडिंग और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए हाल ही में महिला स्व-सहायता समूहों का राज्य स्तरीय सम्मेलन भी आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में महिलाओं ने अपने हुनर के साथ स्व-रोज़गार की पहल को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया।

किसानों को समय पर उपलब्ध करायी जायेगी खाद - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने खाद की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के दिये निर्देश

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश में खाद की स्थिति की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश की आवश्यकता के अनुसार डी.ए.पी., यूरिया, एन.पी.के. की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी, किसान भाई परेशान न हों। खाद की कमी की मानसिकता छोड़ें, चिंता न करें, समय-समय पर आवश्यक मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश के विभिन्न स्थान पर खाद के अतिरिक्त रैक पहुंचेंगे। यह यूरिया किसानों को उपलब्ध करायी जाएगी। नवम्बर में खाद की आपूर्ति के लिए भारत सरकार से चर्चा की है। प्रदेश की आवश्यकता के अनुसार हमें खाद निश्चित रूप से मिलेगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में खाद की स्थिति की समीक्षा करते हुये कहीं। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री शैलेन्द्र सिंह, अपर मुख्य सचिव कृषि श्री अजीत केसरी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष अक्टूबर के अंत तक 3 लाख 48 हजार मीट्रिक टन यूरिया किसान भाई-बहनों द्वारा उठायी गयी थी। इस साल 3 लाख 18 हजार मीट्रिक टन उठा ली गयी है। बाकी शेष बची मात्रा भी इस माह के अंत तक उपलब्ध करा दी जाएगी। गत वर्ष अक्टूबर माह के अंत तक 2 लाख 78 हजार मीट्रिक टन डीएपी किसान द्वारा खरीदी गयी थी। इस साल 2 लाख 31 हजार मीट्रिक टन डीएपी किसान भाई-बहन खरीद चुके हैं और बची हुई शेष मात्रा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

श्री चौहान ने कहा कि एन.पी.के. भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसान भाइयों से आवश्यकता पड़ने पर एन.पी.के. और सुपर फास्फेट का उपयोग करने की अपील भी की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिलों में किसी भी स्थिति में खाद की कालाबाजारी न हो तथा न्यायपूर्ण वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

श्री चौहान ने प्रदेश में खाद की आपूर्ति के संबंध में केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री मनसुख मांडविया से फोन पर चर्चा की।

जीएसपी को दिलायी जाये अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान - तकनीकी शिक्षा मंत्री

भोपाल, ग्लोबल स्किल पार्क प्रदेश का एक अनूठा प्रोजेक्ट है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना जाना चाहिये। जीएसपी एक टूरिस्ट स्पॉट बन कर उभरना चाहिये। इसके निर्माण में कोई भी कमी नहीं आनी चाहिये। 645 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा जीएसपी अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट है और यह दूसरों के लिये एक मॉडल बनना चाहिये। ये बातें तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने भोपाल के नरेला संकरी स्थित निर्माणाधीन ग्लोबल स्किल पार्क के कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुये कहीं।

कौशल विकास मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि निर्माण कार्यों की गति को बढ़ायें। आने वाले तीन महीनों का लक्ष्य तय करें। टाइम लिमिट तय कर कार्यों को गुणवत्तापूर्ण सम्पन्न करें। श्रीमती सिंधिया ने कहा कि जीएसपी परिसर में बॉयो डायवर्सिटी पार्क निर्मित करें। ऐसे पौधों को अभी से लगाकर नर्सरी तैयार करें, जो मध्यप्रदेश की पहचान हैं। देशज पौधों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि परिसर में स्पाइरल पार्किंग की व्यवस्था करें। मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि दिवाली के पूर्व हाई मास्क लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिससे रात्रि के समय भी कार्य किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने लगातार 250 दिन पौधरोपण कर बनाया रिकॉर्ड

भोपाल, पर्यावरण संरक्षण के लिए 250 दिन पहले नर्मदा जयंती पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने एक संकल्प लिया था कि वे प्रतिदिन एक पौधा लगाएंगे। मुख्यमंत्री का यह संकल्प न केवल प्रदेशवासियों के लिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश था, अपितु पर्यावरण के लिए जनभागीदारी जुटाने का सफल प्रयास भी था, जो अब फलीभूत भी हो रहा है।

मुख्यमंत्री प्रतिदिन अपने संकल्प की पूर्ति के लिए पूर्णता प्रतिबद्ध हैं। उनकी हर सुबह पौधरोपण के साथ होती है। वे चाहे भोपाल में हों या दिल्ली में या किसी संभाग, जिला, तहसील या गांव में, जहां भी उनकी सुबह होती है वे पौधा रोपने से नहीं चूकते। यह सिलसिला लगातार 250 दिन से चला आ रहा है। मुख्यमंत्री ने गत 19 फरवरी को नर्मदा जयंती के अवसर पर अमरकंटक के शंभुधारा क्षेत्र में रुद्राक्ष और साल का पौधा लगाकर प्रतिदिन एक पौधा लगाने की शुरुआत की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि पौधरोपण पवित्र कार्य है, सभी नागरिकों को प्राथमिकता के साथ पर्यावरण-संरक्षण के लिए पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा भी करना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील भी की थी कि पेड़ों की सुरक्षा कर प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन में सभी अपना योगदान दें।

पर्यावरण के प्रति मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान शुरू से ही संवेदनशील रहे हैं। मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए नमामि देवी नर्मदे यात्रा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पौधरोपण करते हुये।

कर मुख्यमंत्री ने न केवल नर्मदा जल को स्वच्छ बनाए रखने, बल्कि नर्मदा मैया के दोनों तटों पर व्यापक रूप से वृक्षारोपण कर प्रकृति एवं पर्यावरण के लिए व्यापक जनभागीदारी भी जुटाई। नर्मदा यात्रा से विकास के साथ जलवायु परिवर्तन में समाज को सरकार के साथ खड़ा करने में भी उन्हें सफलता मिली। नर्मदा किनारे लगाए गए पौधों को संरक्षण देने का दायित्व स्थानीय लोगों ने उठाया।

श्री चौहान ने प्रदेश के विकास के साथ अन्य महाअभियानों में समाज को साथ लेकर चलने की जो शुरुआत की थी, वह अब चरम पर पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री की पहल पर पर्यावरण के क्षेत्र में जन-भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए राज्यव्यापी 'अंकुर अभियान' चलाया गया। अभियान में 4 लाख से अधिक लोगों ने ऑनलाइन पंजीयन कराकर पौधे रोपे और लगाए गए पौधे के साथ सेल्फी लेकर अंकुर अभियान के एप पर अपनी और पौधे की फोटो अपलोड की। साथ ही पौधों के संरक्षण का दायित्व भी संभाला है।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी हरियाली को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने जनहित में निर्णय लेकर अधिक से अधिक पौध-रोपण की योजना बनाई है। नगरीय निकाय द्वारा नये घरों के निर्माण की परमिशन देते समय आवास परिसर में वृक्षारोपण की कंडीशन भी डाली जा रही है। इसी प्रकार ग्रामीणों को भी पौध-रोपण के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है।

प्राथमिकता से हो रहे आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश रोडमैप के कार्य

भोपाल, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश रोडमैप-2023 के अंतर्गत ऊर्जा विभाग द्वारा तय प्राथमिकताओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। पारेषण प्रणाली के विस्तार कार्यक्रम में ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर योजना एवं टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के माध्यम से अति उच्च दाब उप केंद्रों एवं उनसे संबंधित लाइनों के निर्माण कार्य किये जा रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी कि ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के लगभग 97 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गये हैं। शेष कार्य माह मार्च, 2022 तक पूर्ण कर लिये जायेंगे। टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धात्मक बोली के माध्यम से पहली परियोजना का कार्य प्रगतिरत है जो वर्ष 2023 तक पूर्ण हो जाएगा।

प्रदेश के सभी बिजली उपभोक्ताओं के घर में मीटरीकरण की महत्वाकांक्षी योजना में लगभग 23 लाख स्मार्ट मीटर भी लगाये जाने हैं। इन्दौर शहर में एक लाख 20 हजार स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं।

प्रदेश के स्थानीय निर्माताओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से विभाग द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि भविष्य में कुल सामग्री खरीदी में न्यूनतम 10 प्रतिशत राशि की सामग्री स्थानीय निर्माताओं से क्रय की जाए।

ट्रांसफार्मर, मीटर, केबल और कंडक्टर जैसी मुख्य सामग्री के परीक्षण के लिए सभी वितरण कंपनियों द्वारा अपनी स्वयं की परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना की जा रही है। इसमें से 3 स्थानों- भोपाल, इंदौर एवं जबलपुर की प्रयोशालाओं में परीक्षण कार्य प्रारंभ हो चुका है। सात अन्य प्रयोगशालाओं की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। इन सभी प्रयोगशालाओं को एनएबीएल से भी प्रमाणित कराया जाएगा।

रबी सीजन के लिए पर्याप्त वितरण ट्रांसफार्मर उपलब्ध - ऊर्जा मंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश की तीनों विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा रबी सीजन में विद्युत प्रदाय हेतु वितरण ट्रांसफार्मर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की कार्य योजना पर अमल प्रारम्भ कर दिया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि तीनों वितरण कम्पनियों में स्थापित एनएबीएल प्रमाणित परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से नवीन एवं रिपेयर्ड वितरण ट्रांसफार्मर के शत-प्रतिशत परीक्षण से गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। वर्तमान में तीनों वितरण कम्पनियों के पास कुल 33 हजार 151 नवीन और रिपेयर्ड ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध हैं। इस वित्तीय वर्ष में सितम्बर 2021 तक कुल 36 हजार 400 खराब वितरण ट्रांसफार्मरों को बदला गया है। आगामी तीन माहों में 39 हजार 500 नवीन एवं रिपेयर्ड वितरण ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध होंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

दीक्षांत समारोह

उच्च आदर्शों के प्रति निष्ठा है जीवन का आधार - राज्यपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल भोपाल में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधि वितरित करते हुये।

भोपाल, संकल्प से सब संभव है। जरूरत विचारों और भावनाओं में सकारात्मकता की है। अच्छे भाव से किये गये काम का फल भी सदैव सुखद और आनन्ददायी होता है। जीवन में उच्च आदर्शों के प्रति निष्ठा बनाये रखते हुए, विकास पथ पर चलना चाहिए। हर व्यक्ति में अपार संभावनाएं होती हैं। जरूरत संकल्प के साथ प्रयासों की है। उन्होंने छात्र-छात्राओं का आव्हान किया कि दीक्षांत समारोह में जो शपथ उन सबने ली है उसका सम्पूर्ण जीवन में पालन करें। यही जीवन की सार्थकता का मार्ग है। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा भोपाल में आयोजित दीक्षांत कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं। कार्यक्रम में 22 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, 66 को पीएच.डी. और 50 छात्र-छात्राओं को स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। दीक्षांत कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि बढ़ते बाजारवाद के प्रभाव से समाज भौतिकतावादी हो रहा है। सोच और सम्पर्क का आभासी दायरा बढ़ रहा है, लेकिन व्यवहार व्यक्तिवादी होता जा रहा है। समाज को, जीवन शैली में भाईचारा, सहयोग, दूसरों की खुशियां और आत्म-संतोष के महत्व में कमी के कारणों पर विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने सारी दुनिया में तकनीक और उन्नति को असहाय कर दिया था। इससे सबक लेना होगा। शिक्षा केवल तकनीक का ज्ञान नहीं है। केवल वैज्ञानिकता और आधुनिकता से व्यक्ति का समग्र विकास नहीं होता है। जीवन में आदर्शों, संस्कारों और विवेक का होना जरूरी है। संस्कृति और परम्पराओं के साथ जुड़ाव ही समग्र विकास है।

श्री पटेल ने कहा कि शिक्षा से व्यक्ति में ज्ञान, संस्कार, कौशल, समाजबोध और व्यक्तित्व में विनयशीलता आती है। उन्होंने कहा कि समाज के हर सदस्य के लिए आदर, समन्वय और सहयोग की भावना का विकास शिक्षा से होना चाहिए। विद्यार्थियों से अपेक्षा की है कि जीवन में जो ज्ञान, जीवन मूल्यों के संस्कार प्राप्त किए गए हैं, उनसे जिस क्षेत्र में भी वे जायें, वहां अपने परिवार और समाज की विशिष्ट पहचान बनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा प्राप्त कर रही छात्राओं की संख्या अधिक होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। छात्रों को बालिकाओं के समान बेहतर प्रदर्शन के लिए राज्यपाल ने प्रोत्साहित किया।

भारतीय विश्वविद्यालय महासंघ की महासचिव प्रोफेसर श्रीमती पंकज मित्तल ने कहा कि भविष्य, ज्ञान आधारित शिक्षा का है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में वर्तमान पीढ़ी को अभूतपूर्व और सर्वश्रेष्ठ अवसर उपलब्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि जीवन में निरंतर प्रगति के लिए सतत् सीखते रहना जरूरी है। नई शिक्षा नीति इसका सुलभ सुअवसर है।

श्रीमती मित्तल ने कहा कि वर्तमान युग तेजी से परिवर्तनशील है। जरूरी है कि शिक्षा और शिक्षण को निरंतर अद्यतन किया जाए। उन्होंने कहा कि नई नीति में विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम निर्माण में स्वायत्तता दी गई है। इसका सार्थक उपयोग किया जाए। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि उन्हें शिक्षण के लिए पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गई है। शिक्षा में नये प्रयोगों के अवसर दिए गए हैं।

जनभागीदारी से अभियान को मिलते हैं अद्भुत परिणाम

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसी भी अभियान में जब सभी नागरिक सम्मिलित होकर प्रयास करते हैं तो परिणाम अद्भुत होते हैं। प्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन में हुई जनभागीदारी से अब तक 4 करोड़ 97 लाख 87 हजार 412 नागरिकों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज और एक करोड़ 91 लाख 42 हजार 331 नागरिकों को वैक्सीन की दूसरी डोज लग चुकी है। सभी के मिले-जुले प्रयासों ने कोरोना की तीसरी लहर को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। कोरोना संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण बनाये रखने के लिये वैक्सीन की दूसरी डोज भी शत-प्रतिशत नागरिकों को लगाए जाने का क्रम जारी है। दिसम्बर 2021 तक प्रदेश के सभी लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगाने का लक्ष्य रखा है। हम सब मिलकर प्रयास करेंगे प्रदेशवासियों को जल्द ही कोरोना से बचाव का सुरक्षित कवच प्राप्त हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि जिन लोगों ने अभी तक वैक्सीन की दूसरी डोज नहीं लगवाई है, प्राथमिकता और जिम्मेदारी से वैक्सीन लगवाएं। श्री चौहान ने कहा कि कोरोना से हम सभी को सावधान रहने की जरूरत है। कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लगवाने से शरीर में सुदृढ़ सुरक्षा कवच विकसित होता है। सुरक्षा की गारन्टी मिलती है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन की डोज लगाने में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी रहा है। वैक्सीनेशन का यह अभियान 'सबका साथ-सबका विकास' और सबके प्रयास का एक जीवन्त उदाहरण है।

श्री चौहान ने कहा कि पिछले साल नवरात्रि, दशहरा, ईद और दीपावली त्योहारों के समय प्रत्येक व्यक्ति के मन में कोरोना का भयंकर भय था। प्रदेश में कोरोना वैक्सीन की पहली डोज 90 प्रतिशत से अधिक नागरिकों को लग जाने से ही कोरोना संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सका। इस वर्ष इन त्योहारों के समय लोगों में आत्मविश्वास रहा, भय समाप्त हो गया। नागरिकों में जागरुकता आयी। लोगों ने कोरोना से बचाव के लिये सभी आवश्यक उपाय लगातार अपनाएं। उन्होंने कहा कि कोरोना अभी गया नहीं है। इसका संक्रमण फिर से नहीं बढ़े इसके लिए कोरोना से बचाव के उपाय अपनाते हुये सभी को दूसरी डोज लगवाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगाने से छोटे दुकानदारों, उद्यमियों, श्रमिकों, सड़क किनारे व्यवसाय करने वाले लोगों में आशा की किरण का संचार हुआ। वे निर्भय होकर अपना व्यवसाय कर पाए। उन्होंने आह्वान किया कि कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लगवा कर त्योहारों को और भव्य तथा भयमुक्त बनाएं। उन्होंने प्रदेशवासियों से कोरोना के प्रति अभी भी सजग रहने और बचाव के लिए अनुकूल व्यवहार अपनाने की अपील की।

अब तक 6.89 करोड़ से अधिक डोज लगे

प्रदेश में 25 अक्टूबर तक 6 करोड़ 89 लाख 29 हजार 743 कोरोना वैक्सीन के डोज लगाए जा चुके हैं। इनमें से 4 करोड़ 97 लाख 87 हजार 412 को प्रथम डोज और एक करोड़ 91 लाख 42 हजार 331 नागरिकों को वैक्सीन की द्वितीय डोज लगाए जा चुके हैं।

बेहतर परिणाम के लिये संस्थानों का सुदृढ़ीकरण और बेहतर क्रियान्वयन जरूरी

भोपाल, बेहतर परिणाम के लिये संस्थानों का सुदृढ़ीकरण और योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन जरूरी है। डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू के कुलपति डॉ. एन.आर. भानुमूर्ति ने यह बात अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में व्याख्यान माला 'असरदार परिवर्तन- टिकाऊ परिणाम' में 'प्रशासन तथा सार्वजनिक व्यय के दक्षतापूर्वक उपयोग में संबंध' विषय पर व्याख्यान देते हुए कही।

डॉ. भानुमूर्ति ने कहा कि सिर्फ सामाजिक क्षेत्र में बजट बढ़ाने से यह जरूरी नहीं है कि वांछित उद्देश्य प्राप्त हो जाएं। उन्होंने कहा कि मां की शिक्षा का सकारात्मक संबंध सामाजिक क्षेत्र के बेहतर परिणामों से है।

डॉ. भानुमूर्ति ने कहा कि यदि सार्वजनिक व्यय का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाये तो मध्यप्रदेश के पास सस्टेनेबल डेव्हलपमेंट गोल (SDG) प्राप्त करने का पर्याप्त अवसर है।

पर्याप्त मात्रा में यूरिया, डीएपी और एनपीके खाद उपलब्ध - कृषि मंत्री

भोपाल, किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने बताया है कि वर्तमान में 3 लाख 18 हजार 263 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि एक लाख 31 हजार 454 मीट्रिक टन डीएपी और एक लाख 4 हजार 590 मीट्रिक टन एनपीके भी उपलब्ध है। श्री पटेल ने बताया कि विगत दिनों में ही यूरिया, एनपीके और डीएपी के 26 रैक लग चुके हैं।

कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उर्वरकों की काला-बाजारी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही कर एफआईआर भी दर्ज करावें। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि खाद की आपूर्ति निचले स्तर तक करें, जिससे सभी को पर्याप्त मात्रा में खाद मिल सके। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार डीएपी के 9 रैक आ चुके हैं, जबकि आगामी दिनों में 5 रैक और पहुंचने वाले हैं। एनपीके के भी 8 रैक आ चुके हैं, जबकि 10 रैक और आने वाले हैं। उपलब्धता के अनुसार नियमित रूप से जिलों को यूरिया, डीएपी और एनपीके पहुंचायी जा रही है, जो कि सहकारी संस्थाओं के साथ ही निजी संस्थानों के माध्यम से वितरित की जा रही है।

श्री पटेल ने बताया कि वर्तमान में कुल 3 लाख 18 हजार 263 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। इसमें रिटेलर के पास एक लाख 56 हजार 117 मीट्रिक टन, होल सेलर के पास एक लाख 13 हजार 106 मीट्रिक टन, कम्पनी, वेयरहाउस एवं कम्पनी जीआईटी के पास 30 हजार 580 मीट्रिक टन और होल सेलर जीआईटी के पास 18 हजार 460 मीट्रिक टन यूरिया है। इसी प्रकार डीएपी भी एक लाख 31 हजार 454 मीट्रिक टन उपलब्ध है, जिसमें रिटेलर के पास 53 हजार 249 मीट्रिक टन, होल सेलर के पास 42 हजार 644 मीट्रिक टन, कम्पनी, वेयरहाउस एवं कम्पनी जीआईटी के पास 24 हजार 700 मीट्रिक टन और होल सेलर जीआईटी के पास 10 हजार 860 मीट्रिक टन डीएपी है। श्री पटेल ने बताया कि वर्तमान में एनपीके खाद भी एक लाख 4 हजार 590 मीट्रिक टन उपलब्ध है। इसमें रिटेलर के पास 35 हजार 875 मीट्रिक टन, होल सेलर के पास 30 हजार 345 मीट्रिक टन, कम्पनी, वेयरहाउस एवं कम्पनी जीआईटी के पास 32 हजार 610 मीट्रिक टन और होल सेलर जीआईटी के पास 5 हजार 760 मीट्रिक टन एनपीके है।

कृषि मंत्री ने बताया कि पिछले माह लगभग 2 लाख 79 हजार मीट्रिक टन यूरिया, 2 लाख 3 हजार मीट्रिक टन डीएपी और 86 हजार मीट्रिक टन एनपीके वितरित किया जा चुका है।

एक जिला-एक उत्पाद

देवास जिले के बांस उत्पादों की पहचान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची

बांस उत्पादन में स्थानीय लोगों को मिल रहे हैं रोज़गार के अवसर

देवास, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में शामिल 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना में मध्यप्रदेश के सभी जिले लोकल फॉर वोकल की दिशा में तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। हर जिले में स्थानीय तौर पर तैयार की जा रही सामग्रियों और उत्पादित विशेष फसलों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने और रोज़गार के अवसर बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इसी क्रम में देवास जिले में बांस उत्पादन का चयन किया गया है। जिले में बांस से बनने वाले उत्पाद देवास में ही नहीं बल्कि देश और विदेश तक पहुंच रहे हैं। बांस के उत्पादों से जिले को एक अलग ही पहचान तो मिल ही रही है स्थानीय लोगों को रोज़गार भी मिल रहा है।

अनूठा नवाचार

नवरात्रि पर्व में देवास जिला प्रशासन ने 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना में एक अनूठा नवाचार किया। यहां के प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक मां चामुंडा मंदिर में दर्शन के लिए आए भक्तों को बांस से बने डिब्बों में प्रसाद वितरित किया गया, जिसकी भक्तों ने खुले मन से सराहना की। माता की टेकरी पर अब बांस के डिब्बों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। बांस से बने अन्य उत्पाद का प्रयोग घरेलू उपयोग के साथ ही सौंदर्य प्रसाधनों में भी हो रहा है। बाजार में अच्छी मांग से रोज़गार भी बढ़ रहा है।

भोपाल रोड स्थित जामगोद के पास आर्टिजन कंपनी बांस के विभिन्न उत्पाद बना रही है। कम्पनी के सीईओ श्री देवोपम मुखर्जी बताते हैं कि भारत ही नहीं दुनिया का पहला प्रोसेस इंजीनियरिंग डेबू बोर्ड देवास में तीन वर्ष पहले स्थापित हुआ। इमारती लकड़ियों में सबसे अच्छा प्रोडक्ट डेबू कटंग बांस है, जो मुख्य रूप से मध्यप्रदेश में ही पाई जाने वाली बांस की प्रजाति है। इस वजह से ही कंपनी ने अपना मुख्य सेंटर देवास में रखा है। यहां तैयार हो रहे बांस उत्पादों से बांस उत्पादक किसानों को भी लाभ पहुंच रहा है। कंपनी मध्यप्रदेश सहित अन्य प्रांतों में बांस का काम कर रही है। जिला प्रशासन की पहल पर कंपनी को नवरात्रि में प्रसाद वितरण के लिए बांस पैकेट बनाने का आर्डर मिला, जिसे काफी सराहा गया है। अब कंपनी कटंग बांस की पौध तैयार कर उन किसानों को भी उपलब्ध करा रही है, जो बांस की खेती में रुचि रख अपनी आय बढ़ाना चाहते हैं। बांस की खेती कम पानी और कम लागत की है।

यह उत्पाद हो रहे हैं तैयार

स्थानीय कटंग बांस से वर्तमान में लिविंग रूम, शयन कक्ष, भोजन कक्ष और बाथरूम फर्नीचर, रसोई उत्पाद, फ्लैश और पैनल दरवाजे, रंग विकल्प सहित प्रमुख उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। यहां तैयार फर्नीचर भारत के अलावा कई देशों में भी निर्यात किया जा रहा है। सामग्री तैयार होने के बाद अंत में शेष बचे बांस के कचरे से बायो डीजल भी बनाया जा रहा है। स्थानीय महिलाएं बताती हैं कि आधुनिक मशीनों के माध्यम से बांस के डिब्बे सहित अन्य फर्नीचर का काम कर वे प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपये मासिक प्राप्त कर रही हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

समावेशी विकास का आधार है लघु और कुटीर उद्योग - राज्यपाल

ग्रामीण समुदाय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास

भोपाल, समावेशी विकास में हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसमें बहुत कम निवेश के साथ बड़ी संख्या में रोज़गार के अवसर सृजित होते हैं। लोगों की आय बढ़ाने के साथ ही ग्रामीण समुदायों का जीवन स्तर बेहतर बनाने और समृद्धि पहुंचाने का प्रभावी तरीका है। कलाकृति का सृजन दिल, दिमाग और शरीर संचालन के अद्‌भुत समन्वय से ही होता है। कलाकारों की कला का सम्मान दिल खोलकर किया जाना चाहिए। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल हाट में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित स्वयं सिद्धा दीपोत्सव प्रदर्शनी कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं। उन्होंने प्रदर्शनी में रखे गये स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहयोग का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री ने दिया वोकल फॉर लोकल का मंत्र

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने समर्थ और समृद्ध भारत निर्माण के लिए वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया है। इसकी सफलता के लिए समाज को कुटीर, लघु उद्यमियों के उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करना होगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि आत्म-निर्भर भारत के लिए स्वदेशी उत्पादों का स्वयं उपयोग करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। उन्होंने उद्योग संगठनों से पारम्परिक उत्पादों को विशिष्ट पहचान दिलाने और उनके विपणन में टेक्नोलॉजी के उपयोग में सहयोग के लिए आगे आने को कहा और दीपोत्सव की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

स्वदेशी उत्पादों के निर्माण और विक्रय के लिये है स्वयं सिद्धा श्रृंखला

राष्ट्रीय सचिव उद्योग भारती श्री समीर मुदड़ा ने बताया कि स्वयं सिद्धा श्रृंखला में भोपाल से पहले जयपुर और बेंगलुरु में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा महिलाओं को राखी, होली और दीपावली जैसे पर्वों के अवसर पर उपयोग में लाये जाने वाले स्वदेशी उत्पादों के निर्माण और विक्रय में सहयोग किया जाता है। संस्कार भारती की अध्यक्ष सुश्री अरुणा शर्मा ने बताया कि संस्था साहित्य, रंगमंच, विविध कलाओं के माध्यम से समाज में संस्कारों का प्रसार कर रही है।

स्वागत उद्‌बोधन में कार्यक्रम की संयोजिका सुश्री उमा शर्मा ने बताया की स्वयं सिद्धा 5 दिवसीय प्रदर्शनी विशिष्ट है। ग्राम हस्त शिल्पी कुटीर उद्योगों को निःशुल्क स्टाल उपलब्ध कराये गये हैं। बालिका गृह और दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित उत्पादों को भी बिक्री का अवसर दिया गया है।

पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन

स्वास्थ्य संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण में साबित होगा मील का पत्थर - मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुये।

भोपाल, 'प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन' प्राथमिक, माध्यमिक और उप स्वास्थ्य केंद्रों के स्वास्थ्य ढांचे और मौजूदा राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर जिले से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिरकत करते हुये कही।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 'पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन' शुरू करने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार व्यक्त किया है। श्री चौहान ने कहा है कि 'पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन' से स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ ही जन-जन को सरल, सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी से 64 हजार करोड़ रुपये के प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भारत वह है जहां आभाव से बढ़कर हर आकांक्षा की आपूर्ति के लिये कार्य किया जाये। इसी दिशा में सम्पूर्ण देश के स्वास्थ्य ढांचे को एकरूपता प्रदान करने के लिये प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन शुरू किया जा रहा है। मिशन में सम्पूर्ण देश के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को उच्च स्तर बनाया जा सकेगा। साथ ही समाज के सभी वर्ग के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा सकेंगी। श्री मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में बढ़ रही सुविधाओं के साथ मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ की सीटों में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। यह योजना न केवल देश का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर बनाएगी, बल्कि रोज़गार के अवसर भी सृजित होंगे।

खिलाड़ियों को प्रदेश में ही नौकरी दिलाने के होंगे प्रयास - खेल मंत्री

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ग्वालियर में छात्रावास एवं हॉकी पवेलियन का भूमिपूजन करती हुई।

ग्वालियर, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश में ही सम्मानजनक नौकरी दिलाने के लिए विभागों की भर्ती नीति में प्रावधान कराएं, जिससे प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिले और खेलों के प्रति लोगों का रुझान भी बढ़े। इस आशय के निर्देश प्रदेश की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने दिए। उन्होंने कहा कि रेलवे एवं अन्य राज्यों की भर्ती नीति की तर्ज पर उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दिलाने के लिये प्रस्ताव तैयार किए जायें। श्रीमती यशोधरा राजे ग्वालियर कम्पू स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर के सभाकक्ष में खेल गतिविधियों तथा सुविधाओं की समीक्षा कर रही थीं।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अपने ही राज्य में नौकरी दिलाने के लिये विभिन्न राज्यों और रेलवे की भर्ती नीति का अध्ययन कर प्रस्ताव तैयार कराएं। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को सरकार से मंजूरी दिलाने के लिये हरसंभव प्रयास किए जायेंगे।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने बैठक में कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर से बेहतर सुविधायें मुहैया कराएं। साथ ही सभी तकनीकी बाधाओं को दूर कर ऐसी व्यवस्था बनाएं, जिससे प्रदेश की खेल अकादमियों में प्रशिक्षणरत बच्चों को स्कूली स्तर की नेशनल चैम्पियनशिप में प्रतिनिधित्व मिले। उन्होंने कहा कि स्कूली खेल प्रतियोगिताओं के लिये जिले की टीमों में खेल अकादमी के बच्चों को भी शामिल कराएं।

अकादमी से बाहर के बच्चों को भी खेल सुविधायें मुहैया कराएं

समीक्षा बैठक में श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित खेल अकादमियों में प्रशिक्षणरत बच्चों को तो उत्कृष्ट सुविधायें मिलें ही, साथ ही अकादमी से बाहर की खेल प्रतिभाओं को निखारने में भी अकादमी मदद करे। हमारा उद्देश्य यह हो कि खेल के क्षेत्र में प्रदेश देशभर में अग्रणी राज्य बने।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिताओं के कैलेण्डर पर भी नजर रखें। प्रयास ऐसे हों कि प्रदेश की हॉकी अकादमी में अध्ययनरत खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में उचित स्थान मिले। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिये अकादमी की टीम भेजें। साथ ही बाहर के खिलाड़ियों को भी हॉकी अकादमी में खेलने के लिये बुलाएं।

साथ ही ध्यान रहे कि खिलाड़ियों को इस दौरान खान-पान और आवास सहित उत्कृष्ट खेल सुविधायें मिलें। खेल मंत्री ने प्रदेश में छिपी खेल प्रतिभाओं को ढूंढ़कर अकादमी में भर्ती कराने अर्थात टैलेंट सर्च पर विशेष बल दिया।

हॉकी अकादमी सहित खेल परिसर की सुविधाओं की विस्तार से की समीक्षा

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर में संचालित महिला हॉकी अकादमी सहित खेल परिसर की समस्त सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। साथ ही सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा इस काम में प्रदेश के पुराने हॉकी सितारों की भी मदद ली जाए।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि खेल अकादमी में प्रशिक्षणरत बच्चों से अधिकारी प्रतिदिन संपर्क में रहकर उनकी कठिनाईयां और समस्यायें दूर करें। साथ ही कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कोच, मेडीकल सेवायें, गुणवत्तायुक्त पौष्टिक भोजन, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधायें मुहैया कराने में प्रदेश सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

मुद्रा योजना में अधिकाधिक युवाओं को लाभान्वित करें

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की युवाओं को रोज़गार देने के लिए मुद्रा योजना का दायरा व्यापक किए जाने की मंशा अनुरूप प्रदेश में जिला स्तर पर क्रेडिट आउटरीच अभियान में अधिक से अधिक हितग्राहियों को मुद्रा लोन दिए जाने के निर्देश सभी जिला उद्योग कार्यालयों को उद्योग आयुक्त श्री पी. नरहरि ने दिए हैं।

उद्योग आयुक्त श्री नरहरि ने बताया कि इसमें युवा वर्ग को स्वरोज़गार के लिये प्रेरित करना मुख्य उद्देश्य है। युवा वर्ग ऋण लेकर सूक्ष्म उद्योगों के माध्यम से न केवल आजीविका कमाता है वरन् रोज़गार प्रदाता बनता है, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलती है और क्षेत्र का विकास होता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना केन्द्र सरकार की लोकप्रिय और व्यापक स्वरोज़गार योजना है। जिसमें गैर कार्पोरेट कारोबार से आय के लिये लोगों को विनिर्माण, व्यापार और सेवा गतिविधियों के लिये 50 हजार से 10 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है। इस योजना में बाणिज्यिक बैंक, आरआरबी, एमएफआई, एनबीएफसी और लघु वित्त बैंकों द्वारा मुद्रा ऋण दिये जाते हैं।

अधिकाधिक प्रचार-प्रसार कर दायरा बढ़ाएं

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर जिला, ब्लॉक स्तर पर बैंकों द्वारा 16 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रमों में मुद्रा ऋण के प्रकरण बनाए जाएंगे। सभी प्रमुख जिला, ब्लॉक स्तर के कार्यालयों में योजना की जानकारी का बैनर, होर्डिंग प्रदर्शित किये जाएंगे। योजना के प्रचार-प्रसार के लिये अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा बैंकों के समन्वय से जिला, ब्लॉक स्तर पर प्रतिमाह कम में कम एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। परम्परागत मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। सोशल मीडिया पर लाभांवित हितग्राहियों की सफलता की कहानियों का प्रसारण कर अन्य हितग्राहियों को स्व-रोज़गार के लिये प्रेरित किया जाएगा।

जिला स्तर के विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों, समारोह आदि में मुद्रा योजना का विशेष रूप से प्रचार-प्रसार किया जाएगा और मुख्य अतिथि, जनप्रतिनिधि से हितग्राहियों को ऋण वितरण कराया जाएगा। योजना की संपूर्ण मॉनीटरिंग जिला कलेक्टर द्वारा की जाएगी।

जल जीवन मिशन में 35 हजार ग्रामों में जल्द मिलेगा नल से जल

भोपाल, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रदेश में जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य मई 2020 से प्रारम्भ किए गये थे और अब तक 3528 ग्रामों के शत-प्रतिशत घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है। अब तक 42 लाख 59 हजार 350 ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से जल मुहैया कराया जा रहा है। समूची ग्रामीण आबादी को शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था किए जाने के लिए जल जीवन मिशन में राज्य सरकार के प्रयास तेजी से जारी हैं। मिशन में हो रहे कार्यों की प्रगति के अनुसार ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन से जल पहुंचाने के लिए 2118 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं में 90 से 100 प्रतिशत, 1763 ग्रामों में 80 से 90 प्रतिशत, 1496 ग्रामों में 70 से 80 प्रतिशत और 29804 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं में 70 प्रतिशत तक कार्य पूर्णता की ओर हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में संचालित आंगनवाडी केंद्रों और शालाओं में भी नल कनेक्शन के माध्यम से जल उपलब्ध करवाने का काम तेजी से किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र की करीब 94 हजार 800 शालाओं में से 61 हजार 500 शालाओं में तथा करीब 66 हजार आंगनवाड़ियों में से 37 हजार आंगनवाड़ी केंद्रों में नल कनेक्शन से पेयजल पहुंचाया जा चुका है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

गीता गोपीनाथ

आईएमएफ छोड़कर फिर हार्वर्ड से जुड़ेंगी

आईएमएफ की प्रमुख इकोनॉमिस्ट और रिसर्च डिपार्टमेंट की डायरेक्टर गीता गोपीनाथ अपना पद छोड़ रही हैं। आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टलीना जॉर्जिएवा ने बताया कि जनवरी 2022 में गीता पद त्याग कर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में अध्यापन के लिए लौटेंगी। भारतवंशी अमेरिकी अर्थशास्त्री गोपीनाथ जनवरी 2019 में आईएमएफ से जुड़ी थीं।

टर्डीग्रेड बाइक

चांद पर दौड़ेगी इलेक्ट्रिक बाइक

बर्लिन की ऑटो डिजाइन कंपनी हूकी ने ऐसी इलेक्ट्रिक मोटर साइकिल डिजाइन की है, जिसे चांद पर अंतरिक्ष यात्री चला सकेंगे। टर्डीग्रेड नामक इस बाइक से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा की जा सकेगी। चांद पर करीब 50 साल पहले इंसान के कदम रखने के बाद यह एक और मील का पत्थर साबित होगा।

अर्जेंटीना में

नई प्रजाति के डायनासोर का अंडा मिला

अर्जेंटीना के पैटागोनिया क्षेत्र में पिछले दिनों जुरासिक काल के डायनासोर का अंडा (जीवाश्म) पाया गया है। यह मुसारस प्रजाति का बताया जा रहा है। इस प्रजाति का डायनासोर पौधों आदि को खा कर पेट भरता था। आने वाले समय में इस प्रजाति के डायनासोर को लेकर और जानकारी भी प्राप्त हो सकती है।

दक्षिण कोरिया

स्वदेशी अंतरिक्ष रॉकेट का परीक्षण विफल

दक्षिण कोरिया के नारो अंतरिक्ष केंद्र से छोड़ा गया स्वदेशी निर्मित तीन चरणों वाला अंतरिक्ष रॉकेट नूरी (दुनिया), 1.5 टन वजनी डमी पेलोड को पृथ्वी से करीब 700 किलोमीटर ऊपर कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा। राष्ट्रपति मून जे इन ने नारो अंतरिक्ष केंद्र में प्रेस वार्ता के दौरान विफलता को स्वीकारा है। साथ ही घोषणा की नूरी अपने प्रक्षेपण में असफल रहा है। लेकिन हमने उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

सेंट्रल रेलवे ने

रेल के पुराने कोच को रेस्टोरेंट में बदला

सेंट्रल रेलवे ने मुंबई में रेल के पुराने कोच को रेस्टोरेंट में बदल दिया है। सेंट्रल रेलवे जीएम अनिल कुमार लाहोटी ने बताया कि जो कोच रेलवे के लिए उपयोगी नहीं रह गये थे, उन्हें रेस्टोरेंट में बदल दिया गया है। टेंडर के जरिये कॉन्ट्रेक्ट दिया गया था। ये रेस्टोरेंट 24/7 खुला रहेगा।

जाल्मे खलीलजाद

तालिबान से समझौता कराने वाले अमेरिकी डिप्लोमैट का इस्तीफा

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य वापसी की रणनीति और तालिबान से कतर में समझौता वार्ता करने वाले अमेरिकी डिप्लोमैट जाल्मे खलीलजाद ने इस्तीफा दे दिया है। अफगानिस्तान में अमेरिकी एम्बेसेडर जाल्मे पर अफगानिस्तान मुद्दे पर अमेरिकी नाकामी का इल्जाम लगाया गया था। तभी से जाल्मे के पद छोड़ने की संभावना बन गई थी। लगातार दो माह तक चली अटकलों के बीच जाल्मे ने खुद ही पद से त्यागपत्र दे दिया है।

चार्ल्स डार्विन

नीलाम होगा माइक्रोस्कोप

क्रमिक विकास सिद्धांत के प्रतिपादक महान वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन का पारिवारिक माइक्रोस्कोप नीलाम होगा। लंदन का नीलामीघर क्रिस्टी इसकी नीलामी करेगा। नीलामी से पहले इसे प्रदर्शन के लिए रखा गया है। डार्विन के पृथ्वी और मानव विकास के सिद्धांत के प्रतिपादन में इस माइक्रोस्कोप का भी इस्तेमाल किया गया था।

ईशानी षणमुगम

भारतवंशी छात्रा ने बनाया पाई अंकों का रिकॉर्ड

भारतवंशी ईशानी षणमुगम ने पाई के सर्वाधिक 1,560 अंकों को याद रखने का सिंगापुर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। 6 साल की ईशानी ने 13 अक्टूबर को लगभग 10 मिनट में अंकों का पाठ किया। इसकी सिंगापुर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने भी पुष्टि की है। ईशानी पिछले साल पीरियोडिक टेबिल के 118 केमिकल तत्वों के नाम याद करके भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुकी हैं।

रवि चौधरी

पेंटागन में अहम पद पर नामित

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय मूल के रवि चौधरी को रक्षा विभाग पेंटागन में अहम पद पर नामित करने की घोषणा की। पूर्व वायुसेना अधिकारी चौधरी को वायुसेना के प्रतिष्ठान ऊर्जा एवं पर्यावरण के लिए सहायक मंत्री के रूप में नामित किया गया है। इस पद की शपथ से पहले नामांकन पर अमेरिकी सीनेट की मुहर जरूरी है। व्हाइट हाउस के अनुसार चौधरी अमेरिकी परिवहन में वरिष्ठ कार्यकारी के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

फिल्म 'चैलेंज'

अंतरिक्ष में शूट कर वापस लौटे क्रू मेंबर

अंतरिक्ष में पहली बार किसी फिल्म की शूटिंग करने का रिकॉर्ड बनाने के बाद रूसी फिल्म क्रू वापस धरती पर आ गये हैं। फिल्म 'चैलेंज' की शूटिंग के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर अभिनेत्री यूलिया पेरेसिल्ड और निर्देशक क्लिम शिपेंको ने 12 दिन बिताए। उनके साथ सोयुज एमएस-18 अंतरिक्ष कैप्सूल से अंतरिक्ष यात्री ओल्वे नॉवेत्सकी भी लौटे हैं, जो आईएसएस में 191 दिन से थे।

युसाकू मेजावा

जापान के अरबपति रूसी यान से जायेंगे अंतरिक्ष

रूसी अंतरिक्ष यान सोएज 8 दिसंबर को जापान के अरबपति युसाकू मेजावा को अंतरिक्ष की सैर कराने ले जायेगा। इस अंतरिक्ष की सैर को बाकी की दुनिया ऑनलाइन देख सकेगी। युसाकू इसका फिल्मांकन भी करवायेंगे। युसाकू के साथ फिल्म निर्माता योजो हिरानो और रूसी अंतरिक्ष यात्री एलेक्जेंडर मियुर्किन भी रवाना होंगे।

रोबोटिक स्मार्टकेन

दृष्टिबाधितों को दिखाएगी रास्ता

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के इंजीनियरों ने रोबोटिक स्मार्टकेन बनाई है। यह दृष्टिबाधित लोगों को रास्ता दिखाने का काम करेगी। इसमें उसी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिसका इस्तेमाल ड्राइवरलेस कार में होता है। इसमें स्मार्टफोन की तरह जीपीएस, एक्सेलेरोमीटर, मैग्नेटोमीटर और गायरोस्कोप जैसे सिस्टम लगे हैं। यह अल्ट्रासाउंड सिस्टम से रास्ते की बाधाओं की जानकारी व्यक्ति को देती है।

विराट कोहली

तुसाद म्यूजियम में लगा मोम का पुतला

दुबई के मैडम तुसाद म्यूजियम में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली का मोम का पुतला लगाया गया है। म्यूजियम में लगाये गये स्टैच्यू में कोहली भारतीय टीम की जर्सी पहने हुये हैं और हाथ में बल्ला है। ज्ञात रहे कि दुबई के मैडम तुसाद म्यूजियम में विराट के अलावा सचिन तेंदुलकर के भी स्टैच्यू लगाये गये हैं। दुबई के मैडम तुसाद म्यूजियम से पहले कोहली के मोम के पुतले को लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड के म्यूजियम में भी लगाया गया है।

क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय

ओल्डी ऑफ द ईयर अवॉर्ड ठुकराया

ब्रिटेन की 95 वर्षीय महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने एक पत्रिका के 'ओल्डी ऑफ द ईयर' पुरस्कार को अस्वीकार कर दिया। उनके सहायक निजी सचिव टॉम लैंग बेकर ने कहा कि महारानी का मानना है कि आप उतने ही बूढ़े होते हैं, जितना महसूस करते हैं। महारानी नहीं मानती कि वह मानदंडों पर खरी उतरती हैं। बतौर लैंग बेकर उन्हें उम्मीद है कि पुरस्कार देने वालों ने सही हकदार मिल जाये।

सऊदी अरब में

तैयार हो रहा तैरता हुआ थीम पार्क

सऊदी अरब द रिंग नाम की एक वृहद परियोजना शुरू करने जा रहा है। इसके तहत समुद्र में 10.60 लाख वर्ग फीट इलाके में थीम पार्क बनाया जायेगा। पर्सिया की खाड़ी में शुरू हुये प्रोजेक्ट में 3 होटल, 11 रेस्टोरेंट, स्विमिंगपूल्स, फेरीज व्हील एवं रोलरकोस्टर झूले भी लगाये जायेंगे। पर्यटकों को क्रूजशिप, कंसर्ट वेन्यू, समुद्र के ऊपर से गुजरती हुई केवल कार तथा अंडरवाटर रेस्टोरेंट का भी लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा।

न्यूजीलैंड ने

पारित किया अपनी तरह का पहला कानून

बैंकों, बीमा कंपनियों तथा निवेश प्रबंधकों को अपने व्यवसाय से जलवायु परिवर्तन पर पड़ने वाले प्रभावों की रिपोर्ट देने के लिए बाध्य करने वाला न्यूजीलैंड पहला देश बन गया है। इस संबंध में कानून पारित कर दिया गया है। एक अरब न्यूजीलैंड डॉलर से अधिक की संपत्ति वाले वित्तीय संस्थान इसके दायरे में आयेंगे। नये कानून के तहत वित्तीय फर्मों को यह बताना होगा कि वे अपने व्यवसायों में जलवायु संबंधी जोखिमों और अवसरों का प्रबंधन कैसे करेंगे।

स्मृति शेष

अमेरिका के पहले अश्वेत विदेश मंत्री कोलिन पावेल का निधन

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री और ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष कोलिन पावेल का निधन हो गया। वह पहले अश्वेत अमेरिकी विदेश मंत्री भी थे। रिपब्लिकन प्रशासनों में 20वीं सदी के आखिर और 21वीं सदी की शुरुआत में उनके नेतृत्व ने विदेश नीति को आकार देने में मदद की।

न्यूजीलैंड के क्रिकेट अंपायर फ्रेड गुडाल का निधन

न्यूजीलैंड के क्रिकेट अंपायर फ्रेड गुडाल का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। गुडाल ने 1965 से 1988 के बीच 24 टेस्ट और 15 एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग की है। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ फरवरी 1980 में क्राइस्टचर्च के लेंकास्टर पार्क में विवादित दूसरे टेस्ट के लिये जाना जाता है।

अभिनेत्री फर्रुख जफर का निधन

फिल्म इंडस्ट्री की दिग्गज अभिनेत्री फर्रुख जफर का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1981 में आयी फिल्म 'उमराव जान' से अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। उन्होंने पीपली लाइव, गुलाबो सिताबो, चक्रव्यू, सुल्तान, सीक्रेट सुपरस्टार और तनु वेड्स मनु जैसी फिल्मों में अभिनय किया था।

पूर्व अफगान प्रधानमंत्री अहमदजई का निधन

अफगानिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री अहमद शाह अहमदजई का 78 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। अहमदजई 1995 से 1996 तक अफगानिस्तान के प्रधानमंत्री रहे थे। उनके कार्यकाल में ही तालिबान ने अफगानिस्तान पर पहली बार कब्जा किया था। पिछले महीने ही वह भारत से अटारी चेकपोस्ट के रास्ते पाकिस्तान होकर अफगानिस्तान लौटे थे।

जागरण समूह के चेयरमैन योगेंद्र मोहन का निधन

जागरण समूह के चेयरमैन योगेन्द्र मोहन गुप्त का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन पर राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। आपको बता दें, हिंदी समाचार पत्रों के प्रसार के साथ शैक्षिक प्रकल्पों में भी उनका विशिष्ट योगदान रहा है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय मण्डला (म.प्र.)

क्रमांक/शापामं/स्था-राज./2021/ मण्डला, दिनांक :.....

अतिथि व्याख्याता हेतु आमंत्रण पत्र

म.प्र. शासन तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के पत्र क्रमांक/1-2/04/42/1/भोपाल दिनांक 09.06.2004 म.प्र. एवं शासन तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के पत्र क्रमांक 1070/2168/2018/बयालीस/दिनांक 30 जून 2018 में दिये गये निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2021-22 के अध्यापन कार्य हेतु रिक्त नियमित व्याख्याता पदों के विरुद्ध अतिथि व्याख्याताओं का पैनल बनाया जाना है। इच्छुक उम्मीदवार जो संबंधित पद के लिए ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा निर्धारित अर्हता रखते हों, वे अपने आवेदन तथा मूल दस्तावेज के साथ इलेक्ट्रिकल इंजी. हेतु दिनांक 10.11.2021, कम्प्यूटर साइंस इंजी. हेतु **दिनांक 11.11.2021** एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेली कम्यूनिकेशन इंजी. एवं रसायनशास्त्र हेतु **दिनांक 12.11.2021** को वॉक-इन-इंटरव्यू (walk in interview) के लिए निर्धारित समय प्रातः 11.00 बजे के पूर्व अपनी उपस्थिति दर्ज करावें, समय पर उपस्थित अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार में सम्मिलित किया जावेगा। पदों का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	ब्रांच/विषय	अनुमानित पदों की संख्या					शैक्षणिक अर्हता
		UR		OBC		TOTAL	
		O	F	O	F		
1.	इलेक्ट्रीकल इंजी.	01	-	-	-	01	मान्यता प्राप्त वि.वि./संस्था से इलेक्ट्रीकल इंजी. में प्रथम श्रेणी में स्नातक उपाधि (बी.ई.)
2.	कम्प्यूटर साइंस इंजी.	01	-	-	-	01	मान्यता प्राप्त वि.वि./संस्था से कम्प्यूटर साइंस एवं इंजी./कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी/सूचना प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी में स्नातक उपाधि (बी.ई.)
3.	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेली कम्यूनिकेशन इंजी.	01	-	-	-	01	मान्यता प्राप्त वि.वि./संस्था से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी/ इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेली इंजी. में प्रथम श्रेणी में स्नातक उपाधि (बी.ई.)
4.	रसायनशास्त्र	01	-	-	-	01	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एस.सी. रसायनशास्त्र)

टीप :-

1. शासन के निर्देशानुसार अनु.जाति/अनु.जनजाति के उम्मीदवारों को न्यूनतम अर्हक अंकों में 10 प्रतिशत अंकों की छूट रहेगी।
2. उम्मीदवारों का चयन अर्हकारी परीक्षा में प्राप्तांक प्रतिशत का 80 प्रतिशत अंक विषय से संबंधित तथा शैक्षणिक अनुभव के लिए शासन के नियमानुसार अधिकतम 06 अंक एवं उच्च शैक्षणिक अर्हता के लिए 04 अंक (एम.ई./एम.टेक. पी.एच.डी.) एवं 10 अंक साक्षात्कार में से प्राप्त अंकों को जोड़कर मेरिट बनाकर संबंधित विषय का पैनल बनाया जावेगा।
3. वर्तमान में निर्धारित मानदेय रु. 400/- प्रति पीरियड के दर से देय होगा एवं 01 दिन में अधिकतम 03 पीरियड से ज्यादा की पात्रता नहीं होगी।
4. आवेदन पत्र के साथ हाईस्कूल तथा अन्य संबंधित शैक्षणिक अर्हता की मार्कशीट (इन्टीग्रेटेड फाइनल) शैक्षणिक अनुभव म.प्र. का मूल निवासी स्थायी जाति प्रमाण पत्र इत्यादि स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करें। आवेदन पत्र में अपना फोन नं. तथा ई-मेल एड्रेस जरूर लिखें।
5. अतिरिक्त योग्यता जैसे एम.ई., एम.टेक., पी.एच.डी. का अधिभार अंक पूर्ण डिग्री प्राप्त होने पर ही दिया जावेगा।
6. साक्षात्कार निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 11.00 बजे से प्रारंभ होगा तथा साक्षात्कार में उपस्थित होने के लिए यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
7. उपरोक्त संबंध में सर्वाधिकार प्राचार्य के पास सुरक्षित होगा तथा प्राचार्य का निर्णय अंतिम होगा।
8. साक्षात्कार में उपस्थित न होने वाले उम्मीदवारों के आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

प्राचार्य
शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय मण्डला (म.प्र.)
फोन नं. 07642-260541

जी-18663/46125/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (भ./स.) संभाग क्र.1 सागर

फोन नं. - 07582-222296, ईमेल आईडी - eepwdsagar@nic.in

एनआईटी नं. - 08/2021-22/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **सागर, दिनांक : 21.10.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग वण्डा के गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. डिपॉजिट कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमा. राशि (पीएसी) (रु. में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	रिमार्क
2021_PWDRB_164681_1	सागर	4000000	50000	5000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग वण्डा के आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. डिपॉजिट कार्य।

2021_PWDRB_164691_1	सागर	4000000	50000	5000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग वण्डा के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई कार्य।

2021_PWDRB_164699_1	सागर	2500000	50000	5000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. उपसंभाग वण्डा के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच एवं हेलीपेड मरम्मत कार्य।

2021_PWDRB_164710_1	सागर	4000000	50000	5000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग वण्डा के अंतर्गत वर्षाऋतु के दौरान विभिन्न मार्गों, पुल-पुलियों पर आपदा/बाढ़ आदि से हुई क्षति में रेस्टोरेशन का आकस्मिक कार्य एवं वार्षिक संधारण विशेष मरम्मत कार्य।

2021_PWDRB_164725_1	सागर	3000000	50000	5000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. उपसंभाग वण्डा के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेच मरम्मत/क्षतिग्रस्त मार्गों हेतु मुरुम डस्ट एवं मेटल का प्रदाय।

2021_PWDRB_164736_1	सागर	1500000	30000	2000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग देवरी के गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. डिपॉजिट कार्य।

2021_PWDRB_164743_1	सागर	3000000	50000	5000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 8. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग देवरी के आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. डिपॉजिट कार्य।

2021_PWDRB_164748_1	सागर	3000000	50000	5000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 9. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग देवरी के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई कार्य।

2021_PWDRB_164750_1	सागर	1500000	30000	2000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 10. उपसंभाग देवरी के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच एवं हेलीपेड मरम्मत कार्य।

2021_PWDRB_164757_1	सागर	3000000	50000	5000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 11. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग देवरी के अंतर्गत वर्षाऋतु के दौरान विभिन्न मार्गों, पुल-पुलियों पर आपदा/बाढ़ आदि से हुई क्षति में रेस्टोरेशन का आकस्मिक कार्य एवं वार्षिक संधारण विशेष मरम्मत कार्य।

2021_PWDRB_164760_1	सागर	4000000	50000	5000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 12. उपसंभाग देवरी के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेच मरम्मत/क्षतिग्रस्त मार्गों हेतु मुरुम डस्ट एवं मेटर का प्रदाय।

2021_PWDRB_164762_1	सागर	1500000	30000	2000	04 माह	-

योग **35000000**

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 23.10.2021 समय 10.00 से दिनांक 03.11.2021 समय 05.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जावेंगे, पृथक के समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (भ./स.) संभाग क्र.1 सागर

जी-18576/46121/2021

कार्यालय प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, सिरोंजा सागर
सागर संभाग सागर

ई-मेल-principalpetcsgr@gmail.com

क्र./76/प्रशि./पीईटीसी/2021-22 सागर, दिनांक : 25.10.2021

नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2021-22 में सम्मिलित होने वाले अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिये ऑफलाइन निःशुल्क कोचिंग दिये जाने हेतु संशोधित विज्ञापन

आवेदन की अंतिम तिथि - 08.11.2021
प्रशिक्षण प्रारंभ होने की संभावित तिथि - 15.11.2021

आयुक्त अनुसूचित जाति विकास भोपाल के पत्र क्र./शिक्षा/3/133/2020-21/2752 भोपाल दिनांक 25.08.2021 के द्वारा नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने वाले मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला अभ्यार्थियों के लिये 03 माह का ऑफलाइन निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र सिरोंजा जिला सागर में निम्न शर्तों के अधीन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं -

1. आवेदिका म.प्र. राज्य की अनु.जाति/जनजाति वर्ग की सदस्य होना अनिवार्य है।
2. आवेदिका के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रुपये 6.00 लाख से अधिक न हो। राजस्व/सक्षम अधिकारी द्वारा दिया गया प्रमाण-पत्र अनिवार्य है।
3. आवेदिका म.प्र. प्रवेश परीक्षा (GNTST & PNST) 2022 की परीक्षा में आवेदन करने की इच्छुक हो।
4. केन्द्र में प्रवेश हेतु 01 जुलाई 2021 की स्थिति में न्यूनतम आयु सीमा 17 वर्ष व अधिकतम 33 वर्ष हो।
5. आवेदिका ने विज्ञान संकाय, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान (PCB) तथा अंग्रेजी विषयों से 12वीं कक्षा की परीक्षा न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।
6. प्रशिक्षण का माध्यम हिंदी होगा।
7. प्रशिक्षण की अवधि अधिकतम 03 माह अथवा नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2021 प्रारंभ होने तक होगी।
8. आवेदिका का जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र राजस्व/सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही स्वीकार किया जावेगा।
9. ऑफलाइन प्रशिक्षण हेतु प्रवेश के लिए चयन उपरान्त सभी प्रमाण पत्रों की स्वयं द्वारा सत्यापित छायाप्रति जमा करना अनिवार्य है।
10. यह प्रशिक्षण पूर्ण कालिक है इसके चलते किसी अन्य पाठ्यक्रम प्रवेश नहीं ले सकेंगे।
11. आई.डी. प्रमाणीकरण हेतु आधार कार्ड/ड्राईविंग लाईसेंस/पेनकार्ड की प्रति संलग्न करें।
12. केन्द्र में पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण की पात्रता नहीं होगी।
13. अपूर्ण एवं नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
14. कोविड 19 टीकाकरण प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा।
15. आवेदन पत्र कार्यालय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र सिरोंजा सागर से कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकेंगे।

संपर्क हेतु मो.नं. 9407541795, 9981948782

प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र सिरोंजा, सागर

आवेदन पत्र का प्रारूप

प्रति,
प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र
सिरोंजा सागर

पासपोर्ट फोटो

विषय :- नर्सिंग प्रवेश परीक्षा तैयारी हेतु आवेदन पत्र।

1. नाम - .....
2. पिता का नाम - .....
3. माता का नाम - .....
4. जाति (अनुसूचित जाति/जनजाति) - .....
5. स्थायी पता - .....
6. मोबाइल नं. - .....
7. जन्मतिथि अंकों में - .....
8. कुल वार्षिक आय - .....
9. आधार नं. - .....समग्र आईडी.....ई-मेल.....
10. मेरे द्वारा पूर्व में इस केन्द्र में या अन्य किसी प्रशिक्षण केन्द्र में म.प्र. लोक सेवा आयोग या संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में/एस.एस.सी./बैंकिंग/रेलवे परीक्षा मंडल/व्यवसायिक परीक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा के लिये प्रशिक्षण प्राप्त किया है तो विवरण दें।
    1. संस्था का नाम..... 2. प्रशिक्षण वर्ष .....
    3. अवधि..... 4. प्रशिक्षण का परिणाम.....
11. स्वयं के बैंक खाते का विवरण (स्वयं द्वारा सत्यापित छायाप्रति संलग्न करें)
    राष्ट्रीयकृत बैंक का नाम..... खाता क्रमांक.....
    आई.एफ.एस.सी. कोड ..... ब्रान्च कोड.....
12. शैक्षणिक योग्यता - (सत्यापित अंक सूचियां संलग्न करें)

क्र.	परीक्षा का नाम	विषय	श्रेणी	प्रतिशत	बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम	उत्तीर्ण वर्ष
1.	हाईस्कूल					
2.	हायर सेकेण्डरी					

अभ्यर्थी का घोषणा पत्र

मैं एतद् द्वारा घोषणा करती हूं कि आवेदन में मेरे द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः सत्य है तथा मैं नर्सिंग पद के लिये शैक्षणिक अर्हता पूर्ण करती हूं। मुझे ज्ञात है कि जानकारी असत्य पाये जाने पर या प्रशिक्षण केन्द्र के नियमों का पालन नहीं करने पर मुझे प्रशिक्षण से बाहर किया जाकर वैधानिक कार्यवाही की जा सकेगी।

स्थान - **आवेदिका के हस्ताक्षर**.....
दिनांक - **अभिभावक के हस्ताक्षर**.....
जी-18665/46124/2021 **पता**.....

कार्यालय प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, सिरोंजा सागर
सागर संभाग सागर

ई-मेल - principalpetcsgr@gmail.com

विज्ञप्ति

अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को संभागीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र सिरोंजा सागर में म.प्र. लोक सेवा आयोग की आगामी राज्य सेवा प्रारंभिक/मुख्य परीक्षा 2021-22 की तैयारी हेतु निःशुल्क परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आगामी राज्य सेवा प्रारंभिक/मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने वाले संभाग/प्रदेश के अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों हेतु निःशुल्क परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण आयोजित किया जाना है। उम्मीदवारों का चयन स्नातक स्तर पर प्राप्त अंकों की मैरिट सूची के आधार पर किया जावेगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवार संलग्न प्रपत्र में आवेदन पत्र भरकर प्रमाण पत्रों की स्वयं द्वारा सत्यापित प्रतियों के साथ परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र सिरोंजा सागर में स्वयं/डाक द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि - 30.11.2021 तक

प्रशिक्षण प्रारंभ करने की संभावित तिथि - 10.12.2021

प्रशिक्षण हेतु प्रवेश की शर्तें :-

1. आवेदक म.प्र. का मूल निवासी होकर वह अनुसूचित जाति/जनजाति का सदस्य हो। 2. आवेदक की शैक्षणिक योग्यता स्नातक 55 प्रतिशत या उससे अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो एवं आयु 18 से 35 वर्ष निर्धारित मापदण्ड के अनुसार होना चाहिए। 3. आवेदक प्रतियोगी परीक्षा हेतु निर्धारित शर्तों को पूर्ण करता हो। 4. उक्त परीक्षा हेतु उसने इस प्रशिक्षण में संबंधित पूर्व में किसी भी विभागीय केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो। 5. प्रशिक्षणार्थी म.प्र. लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित आगामी राज्य सेवा प्रारंभिक/मुख्य परीक्षा का आवेदन पत्र भरना तथा प्रतियोगी परीक्षा में बैठना अनिवार्य होगा। 6. प्रशिक्षण पूर्णकालिक है, अतः प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षणार्थी अन्य किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं ले सकेगा। 7. निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र के साथ सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रतियां - जैसे - मूल निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता की अंक सूची सहित संलग्न करें। 8. आईडी प्रमाणीकरण हेतु आधार कार्ड/ड्राईविंग लाईसेंस/पेन कार्ड की छायाप्रति संलग्न करें। 9. आवेदक के माता-पिता/अभिभावक तथा स्वयं के सारे श्रोतों सहित कुल वार्षिक आय 6.00 लाख से कम हो, म.प्र. शासन/विभाग द्वारा निर्धारित उच्चतम सीमा से अधिक न हो। 10. आय प्रमाण पत्र समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष का हो। 11. प्रशिक्षण अवधि में शासन/विभाग द्वारा निर्धारित दर पर पात्रतानुसार शिष्यवृत्ति देय होगी। 12. किसी भी प्रकार की गलत सूचना देने एवं अनुशासनहीनता करने पर प्रवेश किसी भी समय निरस्त किया जा सकता है, ऐसी स्थिति में किसी भी क्षति के लिए प्रशिक्षण केन्द्र उत्तरदायी नहीं होगा। 13. म.प्र. लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित आगामी राज्य सेवा प्रारंभिक/मुख्य परीक्षा प्रशिक्षण अवधि अधिकतम 12 माह रहेगी। 14. प्रवेश के समय कॉशनमनी 500/- जमा करना अनिवार्य है जो प्रशिक्षण समाप्त होने पर वापिस कर दी जावेगी। 15. अपूर्ण एवं नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। 16. कोविड-19 टीकाकारण प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। 17. आवेदन पत्र कार्यालयीन समय में कार्यालय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र सिरोंजा सागर में जमा किये जा सकेंगे।

संपर्क हेतु मो.नं. 9407541795, 9881948782

प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र सिरोंजा, सागर

आवेदन पत्र का प्रारूप
केवल अनुसूचित जाति/जनजाति अभ्यर्थियों के लिये

प्रति,
प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र
सिरोंजा सागर (म.प्र.)

विषय :- परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र के अंतर्गत प्रवेश हेतु आवेदन पत्र

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण हेतु केन्द्र में प्रवेश के लिये अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत करता/करती हूं। आवश्यक विवरण निम्नानुसार है :-

1. नाम हिन्दी में :- .....
2. नाम अंग्रेजी में :- .....
3. पिता/पति/अभिभावक का नाम :- .....
4. स्थाई पता :- .....
   (मूल निवासी प्रमाण पत्र संलग्न) जिला.....पिन कोड.....
5. पत्र व्यवहार का पता :- .....
   जिला.....पिन कोड.....
   मोबाइल नं. .....
6. जन्मतिथि अंकों में.....शब्दों में.....
   परीक्षा में बैठने के समय आयु :- .....वर्ष.....माह.....दिन.....
7. अनुसूचित जाति/जनजाति :- .....
   (सक्षम अधिकारी का जाति प्रमाण पत्र संलग्न)
8. कुल वार्षिक आय रु. .....
   (आय प्रमाण पत्र संलग्न करें)
9. **शैक्षणिक योग्यता (अंकसूची संलग्न)**

क्र.	परीक्षा का नाम	श्रेणी	प्रतिशत	विषय
1.	हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी			
2.	स्नातक			
3.	स्नातकोत्तर			
4.	अन्य			

10. क्या आप पूर्व में म.प्र. लोक सेवा आयोग की परीक्षा/एम.एस.सी./बैंकिंग/रेलवे/व्यवसायिक परीक्षा मण्डल परीक्षा में बैठे हैं यदि हां तो विवरण दें -
    (अ) वर्ष..... (ब) परीक्षा परिणाम.....
11. क्या आपने पूर्व में इस केन्द्र में या अन्य किसी केन्द्र में म.प्र. लोक सेवा आयोग या संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में/एस.एस.सी./बैंकिंग/रेलवे सेवा परीक्षा मण्डल/व्यवसायिक परीक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा के लिये प्रशिक्षण प्राप्त किया है, यदि हां तो विवरण दें।
    (अ) संस्था का नाम.....(आ) प्रशिक्षण का वर्ष.....
    (इ) अवधि.....(ई) प्रशिक्षण का परिणाम.....
12. स्वयं के खाते का विवरण राष्ट्रीयकृत बैंक का नाम.....खाता क्र. .....
    आईएफसी कोड.....(ब्रांच कोड).....
13. आई.डी. प्रूफ प्रमाणीकरण विवरण - आधार कार्ड/पेन कार्ड/ड्राईविंग लाइसेंस - क्रमांक.....

आवेदक का घोषणा पत्र

मैं शपथपूर्वक घोषणा करता हूं कि -

1. मैं म.प्र. का निवासी हूं।
2. मैं अनुसूचित जाति/जनजाति का सदस्य हूं।
3. मेरे माता-पिता/अभिभावक तथा स्वयं की समस्त स्रोतों से कुल वार्षिक आय .....रु. है।
4. मैंने चाहे गये समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटोप्रतियां आवेदन-पत्र के साथ संलग्न कर दी है।
5. मेरे विरुद्ध किसी भी न्यायालय में किसी भी प्रकार का आपराधिक प्रकरण नहीं चल रहा है।
6. मैं केन्द्र के नियमों और निर्देशों का निष्ठापूर्वक पालन करूंगा।
7. मेरे द्वारा कोविड-19 टीकाकरण प्रमाण पत्र संलग्न किया गया है।

दिनांक..... हस्ता. आवेदक.....

माता-पिता/अभिभावक का घोषणा-पत्र

आवेदक श्री.....मेरा पुत्र/पुत्री पाल्य है। आवेदन पत्र में उसने जो भी जानकारी भरी है, सत्य है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि वह प्रशिक्षण अवधि में सारे नियमों का पालन करेगा तथा अनुशासन में रहेगा। मैं प्रशिक्षण अवधि के सारे दायित्वों को स्वीकार करूंगा।

अभिभावक के हस्ताक्षर .....
पिता/अभिभावक .....
नाम.....
पता.....

जी- 18660/46126/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-23
59 अरेरा हिल्स, नर्मदा भवन, भोपाल (म.प्र.)

Phone No. :0755-2761257, E-mail : eenvda23@gmail.com

पत्र क्रमांक 4323/ब.ले.लि./का.यं.-23/2021-22 भोपाल, दिनांक : 26.10.2021

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 08/2021-22 दिनांक 26.10.2021

नई दिल्ली, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन स्थित ऑकारेश्वर/पुनासा लाजपत नगर स्थित अतिथिगृह में निम्न कर्मियों को एक वर्ष के लिये वाह्य स्रोत के माध्यम से सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु नीचे दिये गये विवरण के अनुसार प्राधिकरण की शर्तों के अधीन निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर आमंत्रित की जा रही हैं :

स. क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	संख्या	अनुमानित लागत	कर्मी की शैक्षणिक योग्यता	एजेन्सी का अनुभव
1.	नई दिल्ली स्थित ऑकारेश्वर अतिथिगृह हेतु एक वर्ष के लिये कम्प्यूटर ऑपरेटर।	01	रु. 22.90 लाख	कम से कम (10+2) स्नातक, डीसीए अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण। हिन्दी, अंग्रेजी टाइपिंग, एमएस ऑफिस, इंटरनेट तथा ई-मेल आदि का ज्ञान आवश्यक है।	मध्यप्रदेश शासन, दिल्ली सरकार, निगम/मंडल में कम से कम 1 वर्ष का कार्य अनुभव होना अनिवार्य है।
2.	नई दिल्ली स्थित ऑकारेश्वर अतिथिगृह हेतु एक वर्ष के लिये सिक्योरिटी गार्ड। (12 घंटे की पाली में)	02		कम से कम आठवीं परीक्षा पास एवं सुरक्षा कर्मी कार्य का अनुभव।	मध्यप्रदेश शासन, दिल्ली सरकार, निगम/मंडल में कम से कम 1 वर्ष का कार्य अनुभव होना अनिवार्य है।
	नई दिल्ली स्थित पुनासा अतिथिगृह हेतु एक वर्ष के लिये सिक्योरिटी गार्ड। (12 घंटे की पाली में)	01			
3.	नई दिल्ली स्थित पुनासा लाजपत नगर स्थित अतिथिगृह हेतु एक वर्ष के लिये स्वीपर।	01		कम से कम आठवीं परीक्षा पास एवं स्वीपर कार्य का अनुभव।	-तदैव-
4.	नई दिल्ली स्थित पुनासा लाजपत नगर स्थित अतिथिगृह हेतु एक वर्ष के लिये वेटर।	02		कम से कम आठवीं परीक्षा पास एवं वेटर कार्य का अनुभव।	-तदैव-

1. निविदा का प्राक्कलित मूल्य : रु. 22,90,000/- (रुपये बाईस लाख नब्बे हजार) मात्र
2. धरोहर राशि : रु. 45,800/- (एफ.डी.आर. के रूप में)
3. निविदा प्रपत्र का मूल्य : रु. 2,000/-
4. निविदा विक्रय का अंतिम दिनांक : **दिनांक 10.11.2021, 17:30** बजे तक।

निविदा प्रपत्र प्रस्तुत किये जाने हेतु एजेन्सी की वांछित अर्हतायें संबंधी जानकारी एवं निविदा की शर्तों संबंधी जानकारी नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की वेबसाइट **http://www.mpeproc.gov.in** पर देखी जा सकती है एवं कार्यालयीन समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है। कार्यालय समय में नई दिल्ली, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन स्थित ऑकारेश्वर अतिथिगृह से निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
नर्मदा विकास संभाग क्रमांकः-23
59, अरेरा हिल्स, नर्मदा भवन, भोपाल

जी-18690/46134/2021

कार्यालय प्राचार्य
पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नौगांव जिला छतरपुर (म.प्र.) 471201

क्रमांक/कार्या./स्था/1265/2021 **नौगांव, दिनांक : 21.10.2021**

वॉक-इन-इन्टरव्यू

शैक्षणिक सत्र 2021-22 में महाविद्यालय में व्याख्याता मैकेनिकल इंजी. (01 पद अनारक्षित एवं 01 पद अ.जनजाति) हेतु दिनांक 10.11.2021 को वॉक-इन-इन्टरव्यू आयोजित किया जाना है। जिसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता मैकेनिकल इंजी. में प्रथम श्रेणी बी.ई./बी.टेक. है। निर्धारित आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत विवरण/शर्तें तकनीकी शिक्षा के पोर्टल www.mptechedu.org के Institue tab में पॉलीटेक्निक नौगांव के Webpage पर उपलब्ध है। अतः इच्छुक उम्मीदवार **दिनांक 10.11.2021 को पूर्वान्ह 10.30 बजे से अपरांह 12.30 तक** आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त तिथि को ही प्राप्त आवेदनों पत्रों का निरीक्षण करने के उपरांत 10.30 से 12.30 बजे तक प्राप्त आवेदन की सूची सूचना पटल पर प्रदर्शित की जावेगी तथा उन्हीं उम्मीदवारों का साक्षात्कार अपरांह 01.00 बजे से आयोजित किया जावेगा।

प्राचार्य
जी-18570/46120/2021 **पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नौगांव जिला छतरपुर (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड सिंगरौली (म.प्र.)

पता - विजय बंधु पेट्रोल पम्प के पास, ई-मेल - eephedsin@rediffmail.com

नि.आ.सू.क्र. 08/ब.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/सिंगरौली/2021 **दिनांक : 25.10.2021**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्यों हेतु निविदा का ऑनलाइन वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 03.11.2021** सायं 17.30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 05.11.2021 सायं 17.30 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

Name of Work :- Drinking Water Arrangement At Govt. Tribal Girls Navoday School And Hostal village Gaderiya Block Waidhan Distt. Singrauli (M.P.) based on Tube Well including of electric submersible Motor Pump, sump well, Pump House, House and connection cost of all material & labour with successful testing and Commissioning and there after Successful trial run 90 days.

S. N.	NIT No.	Tender ID	Block	Village	PAC (Rs. In Lakhs)	E-EMD in Rs.	Cost of Tender in Rs.	No. of Calls
1.	08	2021_PHED_165071_1	Waidhan	Gaderiya	23.96	47920	5000/-	1 call

कार्यपालन यंत्री
जी-18586/46122/2021 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सिंगरौली (म.प्र.)**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. **आईसीसी ने सितम्बर माह के लिए किस खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है?**
(अ) ग्लेन मैक्सवेल
(ब) संदीप लामिछाने
(स) जसकरन मल्होत्रा
(द) जसप्रीत बुमराह

2. **टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने अब तक कितने ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीते हैं?**
(अ) 15 (ब) 18
(स) 20 (द) 24

3. **वर्ष 2010 में एशियन गेम्स किस शहर में आयोजित किए गए थे?**
(अ) टोक्यो (ब) ग्वांगझाउ
(स) सियोल (द) दुबई

4. **रग्बी वर्ल्डकप का पहला संस्करण किस देश ने जीता था?**
(अ) न्यूजीलैंड (ब) द. अफ्रीका
(स) फ्रांस (द) इंग्लैंड

5. **ह्यूगो लॉरिस किस देश के दिग्गज फुटबॉलर हैं?**
(अ) नीदरलैंड (ब) कोलंबिया
(स) वेल्स (द) फ्रांस

6. **इनमें से किस खिलाड़ी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार क्रिकेट वर्ल्डकप जीता था?**
(अ) एलेन बॉर्डर (ब) स्टीव वॉ
(स) डेविड बून (द) रिकी पोंटिंग

7. **टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं?**
(अ) युवराज सिंह (ब) रोहित शर्मा
(स) के.एल. राहुल (द) सुरेश रैना

8. **टोक्यो ओलिंपिक में अमेरिका ने बास्केटबॉल स्पर्धा में कितने स्वर्ण पदक जीते हैं?**
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार

9. **इनमें से किस देश ने सबसे ज्यादा बार होपमैन कप टेनिस टूर्नामेंट जीता है?**
(अ) स्विट्जरलैंड (ब) अमेरिका
(स) स्पेन (द) ऑस्ट्रेलिया

10. **जोहानास वेटर किस देश के दिग्गज भाला फेंक एथलीट हैं?**
(अ) मैक्सिको (ब) रूस
(स) जमैका (द) जर्मनी

11. **न्यूजीलैंड से पहले मार्क चैपमेन किस देश के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं?**
(अ) हांग कांग (ब) नीदरलैंड
(स) यूएई (द) मलेशिया

12. **वर्ष 2019 में किस देश ने जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट जीता था?**
(अ) भारत (ब) ग्रेट ब्रिटेन
(स) पाकिस्तान (द) दक्षिण कोरिया

13. **भारत ने टोक्यो पैरालिंपिक में कितने खिलाड़ियों का दल भेजा था?**
(अ) 42 (ब) 47
(स) 54 (द) 58

14. **इस वर्ष तुर्किश ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस के विजेता बने हैं?**
(अ) वाल्टेरी बोटास
(ब) मैक्स वर्स्टापेन
(स) लुईस हैमिल्टन
(द) इनमें से कोई नहीं

15. **टोक्यो ओलिंपिक में रवि दाहिया ने किस खेल में रजत पदक जीता है?**
(अ) एथेलेटिक्स (ब) कुश्ती
(स) भारोत्तोलन
(द) इनमें से कोई नहीं

16. **वेस्टइंडीज ने वर्ष 2016 में किस देश को हराकर टी-20 वर्ल्डकप का खिताब जीता था?**
(अ) भारत (ब) पाकिस्तान
(स) इंग्लैंड (द) श्रीलंका

17. **वर्ष 2015 में वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप किस शहर में आयोजित हुई थी?**
(अ) दोहा (ब) लंदन
(स) बुडापेस्ट (द) बीजिंग

18. **ओलिंपिक चैम्पियन तैराक काइली मैक्कोएन किस देश का प्रतिनिधित्व करती हैं?**
(अ) अमेरिका (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) कनाडा (द) इटली

19. **वर्ष 2016 में किस देश ने एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्डकप जीता है?**
(अ) भारत (ब) बेल्जियम
(स) जर्मनी (द) ऑस्ट्रेलिया

20. **गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में इनमें से किस भारतीय महिला भारत्तोलक ने स्वर्ण पदक जीता है?**
(अ) मीराबाई चानू
(ब) पूनम यादव
(स) संजीता चानू
(द) उपरोक्त सभी ने

21. **महिला टेनिस खिलाड़ी मोनिका सेलेस ने कितनी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन में एकल खिताब जीता है?**
(अ) चार (ब) पांच
(स) सात (द) आठ

22. **द हंड्रेड क्रिकेट लीग का आयोजन किस देश में किया जाता है?**
(अ) अमेरिका (ब) वेस्टइंडीज
(स) न्यूजीलैंड (द) इंग्लैंड

23. **निक किर्गियोस किस देश के टेनिस खिलाड़ी हैं?**
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) जर्मनी
(स) चेक रिपब्लिक
(द) बुल्गारिया

24. **इस वर्ष सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप का आयोजन किस देश में किया गया था?**
(अ) भारत (ब) बांग्लादेश
(स) मालदीव (द) श्रीलंका

25. **वर्ष 2019 किस महिला खिलाड़ी को डब्ल्यूटीए प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से नवाजा गया था?**
(अ) सोफिया केनिन
(ब) एश्ले बार्टी
(स) सेरेना विलियम्स
(द) नाओमी ओसाका

उत्तर

1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (द), 6. (अ), 7. (द), 8. (स), 9. (ब), 10. (द), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (अ), 15. (ब), 16. (स), 17. (द), 18. (ब), 19. (अ), 20. (द), 21. (अ), 22. (द), 23. (अ), 24. (स), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, रीवा (म.प्र.)
फोन नं. : 9425601523/8871571988

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा में मुख्यमंत्री आवास योजना तृतीय चरण के अंतर्गत जिला सिंगरौली में 24+96 आवास गृह सिंगरौली हेतु (100 KLD) सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण हेतु निविदा क्रमांक 12/2021-22 टेण्डर नं. 2021_MPPHC_165531_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 13.11.2021 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/102426/46129/2021 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./840/तशा/प.यं./2021 दिनांक : 26.10.2021

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा आर.एफ.एस.एल. भवन, भोपाल के टेरेस का शेड निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक 2021_MPPHC_165433_1 आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र **दिनांक 02.11.2021 समय 15.00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/102439/46130/2021 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास
कार्यालय परियोजना यंत्री, निगम, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-03
भोपाल-462003, Mobile No. : 9425601545
ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/619/पयं/भोपाल-03/तशा/21 भोपाल, दि. : 22.10.21

निविदा आमंत्रण सूचना

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत ब्रिटिशकालीन भवन घाटे विला बैरंक का जीर्णोद्धार/मरम्मत कार्य पीटीएस पचमढ़ी जिला होशंगाबाद हेतु निविदा क्र.-05/2021-22 (टेण्डर क्र.-165093) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक - 01.11.2021 सायं 5:00 बजे तक** खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/102401/46127/2021 **परियोजना यंत्री**

JYOTI COLLEGE OF EDUCATION
(Afiliated to Barkalullah University, Bhopal)

B.Ed. Faculty Required
(Under College Code 28)
Qualification as per NCTE/UGC norms.
Applications are invited for B.Ed. course as follows:

S.No.	Post	Pedagogy Subject	No. of Post
01	Assistant Professor	English	01

Salary as per UGC norms. Apply with all necessary documents before 10/11/2021 at Jyoti College of Education, Khasra No. 190/7, PH. No.45, Village Dodi, Distt. Sehore (M.P.) Email – jyotiocollege1@gmail.com. Mob. 9009304303
Principal

R-46132/2021

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर
पानी की टंकी के नीचे, मुरार, ग्वालियर
ई-मेल : sepheprocgwl@gmail.com, दूरभाष क्रमांक : 0751-2365438, 4031502
क्रमांक 5104 नि.प्र./मु.अ./लो.स्वा.यां./21-22 ग्वालियर, दिनांक : 27.10.2021

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 28.10.2021 से दिनांक 10.11.2021 सायं 05:30 बजे तक क्रय तथा **दिनांक 28.10.2021 से दिनांक 10.11.2021 सायं 05:30 बजे तक** ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। बिड खोलने का दिनांक 12.11.2021 है।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकता है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कार्य का संक्षिप्त विवरण :- विकासखण्ड भिण्ड जिला भिण्ड के ग्राम कनावर की रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना अंतर्गत 325, 250 कि.ली. 15 स्टेजिंग आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी एवं 30 कि.ली. आर.सी.सी. सम्प वैल कम पंप हाउस, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन सहित अन्य विभिन्न सहायक कार्य।

स. क्र.	नि.आ.सू. क्र./दि.	टेण्डर आई.डी.	जिला	अनु. लागत (PAC) (रु. लाख में)	धरोहर राशि (EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	आमंत्रण की संख्या	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01	30/ 27.10.21	2021_ PHED_ 165366_1	भिण्ड	515.32 लाख	रु. 5,15,320/-	रु. 20,000/-	प्रथम	09 माह वर्षाकाल सहित

कार्य का संक्षिप्त विवरण :- विकासखण्ड अम्वाह जिला मुरैना के ग्राम थरा की रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना अंतर्गत 325, कि.ली. 15 स्टेजिंग आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी एवं 150 कि.ली. आर.सी.सी. सम्प वैल कम पंप हाउस, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन सहित अन्य विभिन्न सहायक कार्य।

02	31/ 27.10.21	2021_ PHED_ 165367_1	मुरैना	565.52 लाख	रु. 5,65,520/-	रु. 20,000/-	प्रथम	09 माह वर्षाकाल सहित

अधीक्षण यंत्री (प्रोक्योरमेंट), कार्यालय मुख्य अभियंता
जी-18689/46133/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की कमी नहीं आने देंगे - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश की हरियाली और खुशहाली के लिए जो दिन-रात काम करता है, ऐसे किसानों को मैं शीश झुकाकर प्रणाम करता हूं। भगवान के बाद मेरे लिए श्रद्धा के केंद्र हैं किसान। किसानों के श्रम से अन्न के भंडार भरे पड़े हैं। किसान अन्नदाता भी हैं और प्रदेश के भाग्य विधाता भी। देश आपका ऋणी है। मैं किसानों की जिंदगी में सुख, शांति, सुकून और समृद्धि लाने और आपकी जिंदगी बदलने के लिए मुख्यमंत्री बना हूं। किसानों के लिए सरकार के खजाने में पैसों की कभी कमी नहीं होगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मिंटो हॉल में मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में प्रदेश के 44 जिलों के किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि की राशि अंतरित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जिलों के किसान, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने 77 लाख किसानों के खातों में 1540 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित किए। राज्य शासन द्वारा दी जा रही यह राशि वित्तीय वर्ष 2021-22 की है। इस कार्यक्रम में आदर्श आचरण संहिता वाले जिलों को शामिल नहीं किया गया है।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी किसानों के कल्याण और उनकी आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी के परिणामस्वरूप साल में तीन बार दो-दो हजार रुपये की तीन किस्त कुल छह हजार रुपये प्रधानमंत्री की ओर से किसानों के खाते में जारी किए जाते हैं। इसी को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार द्वारा चार हजार रुपये प्रतिवर्ष मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के अंतर्गत किसानों के लिए जारी करने का निर्णय कोरोना काल में लिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2003 से पहले तक प्रदेश का कुल कृषि उत्पादन केवल दो करोड़ 14 लाख मीट्रिक टन था। अब प्रदेश के अन्नदता 6 करोड़ मीट्रिक टन अनाज का उत्पादन कर रहे हैं। अन्न उत्पादन में तीन गुना की वृद्धि हुई है। कृषि विकास दर की औसत दर 2003 से पहले लगभग 2 से 3 प्रतिशत हुआ करती थी। किसानों की मेहनत और राज्य सरकार की योजनाओं से कृषि विकास की दर बढ़कर अब 18 प्रतिशत हो गई है। किसानों के प्रयासों और सिंचाई क्षमता में हुई वृद्धि से प्रदेश को 7 सात बार कृषि कर्मण पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

श्री चौहान ने कहा कि यह उपलब्धियां सिंचाई बढ़ने से संभव हुई हैं। पूर्व में सिंचाई की कोई पुख्ता योजना नहीं होने से प्रदेश का सिंचित रकवा केवल 7 लाख 50 हजार हेक्टेयर हुआ करता था, जो पिछले 17 सालों में बढ़कर 42 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा है। यह छह गुना वृद्धि दिन-रात काम करने के परिणामस्वरूप संभव हुई है। नदी जोड़ो योजना में प्रदेश में ऐतिहासिक काम हुआ है। असंभव को संभव बनाकर प्रदेश के कई क्षेत्रों में किसानों के खेत तक नर्मदा मैया का पानी पहुंचाया गया। इसके लिए नर्मदा मैया का पानी क्षिप्रा जी में पाइप से लाया गया। गंभीर नदी, कालीसिंध और पार्वती नदी को भी जोड़ा गया है। बरगी का पानी सतना तक टनल के माध्यम से पहुंचाने के लिए भी सरकार प्रोजेक्ट मोड में काम कर रही है। हाल ही में राज्य सरकार ने 1387 करोड़ रुपये की झिरन्या माइक्रो उद्वहन सिंचाई योजना को स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के निर्माण से खरगोन जिले के झिरन्या तहसील के 86 ग्रामों के लिए 39 हजार 520 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता निर्मित होगी। इसी प्रकार देवास जिले में हाटपिपल्या माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना स्वीकृत की गई है, इससे 462 गांव लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सम्पूर्ण कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा देने के लिए हरसंभव कोशिश जारी है। हमारा प्रयास है कि 2025 तक 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो।

पर्यटन और आतिथ्य उद्योग

कॅरियर और क्षमता विकास के उपलब्ध हैं अनेक अवसर

पर्यटन और आतिथ्य दुनिया भर में आर्थिक विकास के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक हैं। हाल के वर्षों में, पर्यटन एक ऐसे उद्योग के रूप में विकसित हुआ है जो बड़ी संख्या में लोगों को रोज़गार देता है। क्योंकि 'पर्यटन और आतिथ्य उद्योग' अधिकांश देशों के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, इसलिए यह किसी भी देश के आर्थिक विकास का एक प्रमुख कारक हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न देशों के बीच एक तीव्र प्रतियोगिता है। पर्यटकों की दृष्टि में सेवाओं की गुणवत्ता भी स्थान चयन का एक प्रमुख कारक है।

इग्नू के विभिन्न पर्यटन संबंधी पाठ्यक्रम

आज की स्थिति में इग्नू सर्टिफिकेट से लेकर पीएचडी स्तर तक के विविध शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है। इग्नू ने 'स्कूल ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज मैनेजमेंट' की शुरुआत 2007 में की थी। यह इग्नू में अध्ययन के प्रमुख स्कूलों में से एक है जो भारत में सामाजिक और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए विविध कार्यक्रम चलाता है। इसके अलावा स्कूल में विभिन्न स्तरों पर अनुसंधान, अल्पकालिक क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, उद्यमिता विकास कार्यक्रम और प्रबंधन विकास कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके अलावा स्कूल ने विभिन्न समूहों के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ सहयोगात्मक प्रयास भी शुरू किए हैं। स्कूल ने 'नेशनल काउंसिल ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी' के सहयोग से एक प्रमुख योजना शुरू की है, जिसमें 2002 से एमएससी और बीएससी कार्यक्रम दोहरे मोड के माध्यम से संचालित किए जाते हैं। आज इग्नू में पर्यटन और आतिथ्य दोनों कार्यक्रमों में 20,000 से अधिक छात्र नामांकित हैं। इन कार्यक्रमों को पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के विशेषज्ञों और शिक्षाविदों के परामर्श से विकसित किया गया है। यही कारण है कि इन कार्यक्रमों में रोज़गार की अपार संभावनाएं हैं। ये कार्यक्रम मुख्य रूप से निम्नलिखित श्रेणियों के लोगों के लिए उपयोगी हैं।

- जो लोग पर्यटन उद्योग जैसे - ट्रैवल एजेंसी, होटल, टूर ऑपरेटर आदि में कॅरियर बनाने के इच्छुक हैं।
- जो लोग पर्यटन जागरूकता कार्यक्रमों और अनुसंधान में शामिल हैं।
- जो लोग पर्यटन के क्षेत्र में काम करने के लिए कौशल और ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं।
- जो पहले से ही पर्यटन उद्योग की किसी भी शाखा में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से काम कर रहे हैं और पर्यटन उद्योग की पेचीदगियों बारीकियों या तकनीक को समझना चाहते हैं।

इग्नू द्वारा शुरू किए गए कुछ अकादमिक कार्यक्रम इस प्रकार है :

मास्टर ऑफ साइंस : आतिथ्य प्रशासन (Master of Science : Hospitality Administration)

यह कार्यक्रम नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (NCHMCT), नोएडा के सहयोग से संचालित है, जो दूरस्थ शिक्षा के घटक के साथ एक नियमित कार्यक्रम चला रहा है। यह कार्यक्रम होटल और आतिथ्य सेवाओं के प्रबंधन के क्षेत्रों में तकनीकी और पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। एनसीएचएमसीटी द्वारा प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश कराए जाते हैं। यह कार्यक्रम दो साल का डिग्री कार्यक्रम है। निर्धारित संस्थानों में नियमित कक्षाएं होती हैं। इसके अलावा ओपन लर्निंग सिस्टम के जरिए कुछ कोर्स ऑफर किए जाते हैं। सत्र जुलाई में शुरू होता है। इच्छुक छात्र निदेशक, NCHMCT से संपर्क कर सकते हैं या इस वेब लिंक पर जा सकते हैं : www.nchmct.org इस कार्यक्रम के लिए पात्रता इस प्रकार है :

B.SC. NCHMCT और इग्नू से आतिथ्य और होटल प्रशासन में डिग्री; एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित संस्थानों से होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी में या स्नातक की डिग्री और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से संबद्ध;

या

एनसीएचएमसीटी से होटल मैनेजमेंट में 3 वर्षीय डिप्लोमा और किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन;

या

होटल प्रबंधन संस्थानों के लिए संकाय जो शिक्षण/उद्योग के न्यूनतम दो वर्षों के अनुभव के साथ उपरोक्त योग्यताओं में से किसी को पूरा करते हैं।

बैचलर इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन (Bachelor in Hospitality and Hotel Administration)

इग्नू ने भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी (एनसीएचएमसीटी) के सहयोग से बैचलर इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन की शुरुआत की है। यह एनसीएचएमसीटी के साथ एक सहयोगी मॉडल पर आधारित तीन वर्षीय डिग्री कार्यक्रम है। यह एक पेशेवर कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य होटल उद्योग और आतिथ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन विकसित करना है। यह होटल और आतिथ्य उद्योग और अन्य सेवा क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के तहत, होटल प्रबंधन के सभी संस्थानों में शिक्षार्थियों के लिए नियमित कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा सभी शिक्षार्थियों को इग्नू द्वारा दिए जाने वाले 40 क्रेडिट के कोर्स डिस्टेंस मोड के जरिए पूरे करने होंगे। इस कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार इस कार्यक्रम के लिए पात्रता 10+2 या इसके समकक्ष है और शिक्षा का माध्यम केवल अंग्रेजी है। इस कार्यक्रम में प्रवेश के लिए एनसीएचएमसीटी पूरे देश में होटल मैनेजमेंट के विभिन्न संस्थानों में प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है।

पर्यटन और यात्रा प्रबंधन में मास्टर डिग्री (Master of Tourism and Travel Management)

यह कार्यक्रम उन छात्रों के लिए बनाया गया है जो प्रबंधकीय स्तर पर पर्यटन क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने में रुचि रखते हैं। यह इच्छुक उद्यमियों या अपनी पर्यटन एजेंसियों को चलाने वालों के लिए है। कार्यक्रम में चार सेमेस्टर होते हैं :

पात्रता : श्रेणी 1 : बीटीएस, बीए (पर्यटन); बीएससी आतिथ्य और होटल प्रशासन (बीएचएम); होटल प्रबंधन में स्नातक (एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित) और वे छात्र जिन्होंने पर्यटन में डिप्लोमा के साथ किसी भी क्षेत्र में स्नातक किया है, जो विश्वविद्यालय प्रणाली या एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

श्रेणी 2 : किसी भी क्षेत्र में स्नातक की डिग्री। (हालांकि, श्रेणी 2 के सभी छात्रों को अपने अध्ययन की अवधि के दौरान चार अतिरिक्त पर्यटन फाउंडेशन पाठ्यक्रम पास करने होंगे।)

कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 2 वर्ष है, हालांकि छात्रों को अधिकतम 4 साल की अवधि के भीतर इसे पूरा करने की छूट है। विश्वविद्यालय छात्रों को वर्ष में दो बार यानी जनवरी और जुलाई से शुरू होने वाले अकादमिक सत्रों में प्रवेश प्रदान करता है। श्रेणी एक और श्रेणी दो के तहत प्रवेश देने वाले छात्रों के लिए निर्धारित शुल्क अलग-अलग हैं। शुल्क का विवरण इस प्रकार है :

श्रेणी-I : रु. 12,600/- शुल्क पूर्ण कार्यक्रम के लिए, वर्ष-वार @ रु. 6300/- प्रति वर्ष।

श्रेणी-II : रुपये 15,600/- पूरे कार्यक्रम के लिए @ रु. 9300/- प्रथम वर्ष के लिए और रु. 6300/- दूसरे वर्ष के लिए।

पर्यटन अध्ययन में स्नातक डिग्री (Bachelor Degree in Tourism Studies)

'पर्यटन अध्ययन में स्नातक कार्यक्रम' 3 वर्ष का डिग्री प्रोग्राम है। यह कार्यक्रम उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जो विभिन्न स्तरों पर यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने में रुचि रखते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यटन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना, पर्यटन के बारे में जागरुकता पैदा करना, पर्यटन सेवाओं के आयोजन में बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करना और कॅरियर के अवसरों से परिचित कराना है। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए उपयोगी होगा, जो पर्यटन उद्योग में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोज़गार में रुचि रखते हैं या पर्यटन उद्योग में कॅरियर बनाने का इरादा रखते हैं या अपने उद्यमों के माध्यम से पर्यटन संबंधी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं या ऐसे पर्यटन से संबंधित उद्यमी बनने की योजना बना रहे हैं। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए भी उपयोगी है जो पर्यटन जागरुकता कार्यक्रमों/अनुसंधान से जुड़े हैं और यात्रा और पर्यटन के क्षेत्र में अपने ज्ञान और कौशल को अद्यतन करना चाहते हैं।

कार्यक्रम 96 क्रेडिट का है। एक क्रेडिट का मतलब होता है करीब 30 घंटे का स्टडी लोड। इग्नू में इस शब्द का प्रयोग काफी समय से होता आ रहा है। क्रेडिट के पीछे का विचार मुख्य रूप से आपको अपने कार्यक्रम के अपेक्षित कार्यभार से अवगत कराना है। इग्नू के हर पाठ्यक्रम और कार्यक्रम के लिए क्रेडिट आवंटित किया गया है।

पर्यटन अध्ययन में स्नातक कार्यक्रम के लिए मूल पात्रता 10+2 या समकक्ष है। बहुत कम विश्वविद्यालय/कॉलेज 10+2 योग्यता के बाद इस तरह के रोज़गारोन्मुखी शैक्षिक अवसर प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में संचालित किया जाता है। कार्यक्रम न्यूनतम तीन वर्ष की अवधि का है लेकिन आप इसे अधिकतम छह वर्ष की अवधि के भीतर पूरा कर सकते हैं। इस तरह का लचीलापन इग्नू के कार्यक्रम की एक अनूठी विशेषता है, जो आपको लगभग सभी कार्यक्रमों में मिलेगी। आप उन्हें अपने समय की उपलब्धता के अनुसार कर सकते हैं। यदि आप न्यूनतम निर्धारित समय के भीतर पूरा करने में सक्षम नहीं हैं तो विश्वविद्यालय कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेता है। इस कार्यक्रम के लिए प्रवेश की घोषणा साल में दो बार की जाती है यानी जनवरी और जुलाई दोनों से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र में। पूरे कार्यक्रम के लिए शुल्क 10,800/- रु. है, जिसका भुगतान वर्षवार यानि रु. 3,600/- प्रति वर्ष किया जा सकता है।

कला स्नातक (व्यावसायिक अध्ययन) पर्यटन प्रबंधन (Bachelor of Arts (Vocational Studies) Tourism Management)

विश्वविद्यालय पर्यटन प्रबंधन में व्यावसायिक अध्ययन में स्नातक डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है। यह कार्यक्रम पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंधन के स्कूल द्वारा विकसित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य मुख्य रूप से पर्यटन प्रबंधन के क्षेत्र में मानव संसाधन आवश्यकताओं को पूरा करना है।

यह शैक्षिक कार्यक्रम आबादी के बड़े हिस्से को, विशेष रूप से वे लोग जो अपनी विभिन्न सामाजिक-आर्थिक प्रतिबद्धताओं के कारण शिक्षा लेने के लिए नियमित महाविद्यालयों में नहीं आ सकते हैं, पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना चाहता है। यह कार्यक्रम पर्यटन प्रबंधन में एक समर्पित और कुशल कार्यबल बनाने के लिए है। पर्यटन क्षेत्र में काम करने वाले लोग, स्वरोज़गार करने वाले, अन्य वयस्क जो पर्यटन के क्षेत्र में अपनी शैक्षिक योग्यता और ज्ञान को उन्नत करना चाहते हैं, इस कार्यक्रम से लाभान्वित होंगे। यह कार्यक्रम ज्ञान के नए क्षेत्रों और देश की रोज़गार और अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने वाले विशिष्ट क्षेत्रों में विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम के लिए भी मूल पात्रता 10+2 है और कार्यक्रम हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। कार्यक्रम तीन साल की अवधि का है और इसे अधिकतम छह साल की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। आप हर साल जनवरी और जुलाई से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र में से किसी में भी प्रवेश ले सकते हैं। पूरे कार्यक्रम के लिए शुल्क 12,600/- रु. है, जिसका भुगतान वर्षवार यानी रु. 4,200/- प्रति वर्ष किया जा सकता है। बीए (व्यावसायिक अध्ययन)-पर्यटन प्रबंधन, कार्यक्रम छह सेमेस्टर (तीन वर्ष) में फैले 132 क्रेडिट का है, जिसमें प्रत्येक सेमेस्टर में 22 क्रेडिट का अध्ययन भार है। प्रत्येक सेमेस्टर में छात्रों को विभिन्न श्रेणियों के पाठ्यक्रमों में से 4 पाठ्यक्रमों का चयन करना होता है।

पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा (Diploma in Tourism Studies)

कार्यक्रम का उद्देश्य आपको पर्यटन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना, पर्यटन के बारे में जागरुकता पैदा करना, पर्यटन सेवाओं के आयोजन में बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करना और कॅरियर के अवसरों से परिचित कराना है। यह कार्यक्रम शिक्षार्थियों को पर्यटन अध्ययन में चुने हुए क्षेत्रों में विशेषज्ञता की सुविधा प्रदान करता है और उन्हें संबंधित कौशल हासिल करने में मदद करता है। इस 36-क्रेडिट कार्यक्रम में तीन (3) अनिवार्य मुख्य पाठ्यक्रम, एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम और वैकल्पिक पाठ्यक्रम से संबंधित एक परियोजना है। इस कार्यक्रम के लिए बुनियादी पात्रता 10+2 या समकक्ष है। यह कार्यक्रम एक वर्ष की अवधि का है लेकिन इसे अधिकतम तीन वर्ष की अवधि में पूरा किया जा सकता है। निर्देश का माध्यम अंग्रेजी और हिंदी है पूरे कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क रु. 4,500/- है और प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध हैं।

पर्यटन अध्ययन में प्रमाण पत्र (Certificate in Tourism Studies)

कार्यक्रम का उद्देश्य आपको पर्यटन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना, पर्यटन के बारे में जागरुकता पैदा करना, पर्यटन सेवाओं के आयोजन में बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करना और कॅरियर के अवसरों से परिचित कराना है। इसमें आठ-आठ क्रेडिट के दो पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस कार्यक्रम के लिए बुनियादी पात्रता 10+2 या समकक्ष है। यह कार्यक्रम 6 महीने की अवधि का है लेकिन इसे अधिकतम 2 वर्ष की अवधि में पूरा किया जा सकता है। निर्देश का माध्यम अंग्रेजी और हिंदी है पूरे कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क रु. 2,000/- है और प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध हैं।

होटल प्रबंधन की विभिन्न विशिष्ट शाखाओं में कुछ अल्पकालिक कार्यक्रम

इग्नू ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ एक संयुक्त कार्यक्रम संचालित किया है, जिसके तहत होटल प्रबंधन की विभिन्न विशिष्ट शाखाओं में कुछ अल्पकालिक कार्यक्रम चलाने के लिए इग्नू क्षेत्रीय केंद्र भोपाल में एक विशेष सेल खोला गया है। यह कार्यक्रम इस प्रकार हैं :

- हाउस कीपिंग ऑपरेशन में सर्टिफिकेट,
- फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन में सर्टिफिकेट,
- खाद्य और पेय सेवा संचालन में प्रमाणपत्र,
- पीजी डिप्लोमा,
- होटल संचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

ये शॉर्ट टर्म प्रोग्राम छात्रों के प्लेसमेंट के लिए बेहद उपयोगी साबित हुए हैं। इन कार्यक्रमों में सीमित सीटें हैं। प्रवेश इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र भोपाल में विशेष प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के माध्यम से किए जाते हैं।

पाठ्यक्रम पर निर्णय कैसे लें?

उपरोक्त कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम और अन्य नियमों और विनियमों के बारे में विस्तृत विवरण इग्नू की वेबसाइट पर निम्नलिखित वेब लिंक पर दिया गया है: www.ignou.ac.in/ignou/aboutignou/school/sothssm/programmes. इसके साथ-साथ, इन सभी पाठ्यक्रमों के लिए अध्ययन सामग्री इग्नू द्वारा अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। यह अध्ययन सामग्री निःशुल्क डाउनलोड के लिए है। आप इन सामग्रियों को इग्नू ई-कंटेंट एप के माध्यम से भी एक्सेस कर सकते हैं जो आपको प्लेस्टोर में मिल जाएगी। आप अपने डेस्क टॉप या मोबाइल पर सभी अध्ययन सामग्री को डाउनलोड कर सकते हैं और देख सकते हैं कि कौन-सा कोर्स आपकी पेशेवर आवश्यकताओं के अनुरूप है। यदि आप अकादमिक कार्यक्रम के केवल एक छोटे से हिस्से को आगे बढ़ाने में रुचि रखते हैं तो आप उस कार्यक्रम का केवल कुछ हिस्सा ही ले सकते हैं। ऐसा प्रावधान विश्वविद्यालय के नियमों के तहत मौजूद है। आपको केवल पाठ्यक्रम के उस भाग के लिए प्रमाण पत्र मिलेगा। कृपया हमारी विवरणिका में इस योजना के नियम और विनियम देखें। हमने विभिन्न ऑडियो और वीडियो कार्यक्रम भी अपलोड किए हैं, जिन्हें हमने कार्यक्रम के एक भाग के रूप में विकसित किया है। इतना ही नहीं आपको कार्यक्रमों के सभी पुराने प्रश्न पत्र भी मिल जाएंगे। ये पुराने प्रश्न पत्र आपको कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को समझने में मदद करेंगे। विश्वविद्यालय कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए बहुत लचीलापन और खुलापन प्रदान करता है। आपको इस लचीलेपन का पूरा फायदा उठाना चाहिए। आप अपनी सुविधा के अनुसार और तय समय-सीमा के भीतर इस कार्यक्रम को खत्म कर सकते हैं। हालांकि आपको अपनी पढ़ाई की सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी और हमारे सहायता सेवा केंद्रों से सक्रिय रूप से संपर्क करना होगा। देश भर में विकसित इग्नू का स्टूडेंट सपोर्ट सर्विसेज नेटवर्क आपकी पढ़ाई में आपकी मदद करता है।

- उमेशचंद्र पाण्डेय
वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल

खेल चर्चा

भवानी देवी ने फ्रांस में जीता खिताब

पेरिस, भारतीय महिला तलवारबाज भवानी देवी ने फ्रांस में खिताब जीता है। भवानी ने फ्रांस में आयोजित चार्लेलविले राष्ट्रीय प्रतियोगिता में महिलाओं की सावरे व्यक्तिगत स्पर्धा में जीत दर्ज की। भवानी देवी ने ट्वीट के जरिये खिताब जीतने की जानकारी दी। भवानी देवी ओलिंपिक खेलों में क्वालिफाई करने वाली पहली भारतीय महिला तलवारबाज हैं। भवानी देवी ने टोक्यो ओलिंपिक में राउंड 64 में जीत दर्ज की, लेकिन राउंड 32 में उन्हें विश्व की नंबर तीन महिला तलवारबाज मेनन ब्रूनेट के हाथों 15-7 से हार झेलनी पड़ी थी। भवानी देवी ने कहा कि इस जीत से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उनका अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में पदक जीतना है।

जूनियर हॉकी विश्वकप में दर्शकों को नहीं मिलेगा प्रवेश

भुवनेश्वर, भारत में आयोजित होने वाले जूनियर हॉकी विश्वकप में दर्शकों को मैदान में आकर मैच देखने की अनुमति नहीं होगी। हॉकी इंडिया ने कहा कि कोरोना महामारी के खतरे को ध्यान में रखते हुये यह फैसला लिया गया है। दर्शक टी.वी. और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिये विश्वकप के मैचों का लुत्फ उठा सकेंगे। हॉकी इंडिया ने कहा कि विश्वकप में मैचों के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखना जरूरी है। साथ ही खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। हॉकी इंडिया ने कहा कि हम ऐसे माहौल में टूर्नामेंट का आयोजन करना चाहते हैं, जिसमें खिलाड़ियों और दर्शकों को किसी तरह का खतरा न हो। यह टूर्नामेंट इस वर्ष 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक आयोजित किया जायेगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में

वैक्सीन नहीं लगवाने वाले खिलाड़ी भी खेल सकेंगे

मेलबर्न, वर्ष 2022 में जनवरी में आयोजित होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन में वे खिलाड़ी भी हिस्सा ले सकेंगे, जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई है। डब्ल्यूटीए प्लेयर्स काउंसिल ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिये सभी खिलाड़ी मेलबर्न जा सकेंगे। काउंसिल ने कहा कि जिन खिलाड़ियों ने कोरोना रोधी वैक्सीन नहीं लगवाई होगी, उन खिलाड़ियों को दो सप्ताह के कठिन क्वारेंटाइन में रहना होगा। ऐसे खिलाड़ियों की रोज कोरोना जांच की जायेगी। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने कुछ दिन पहले कहा था कि जो खिलाड़ी वैक्सीन नहीं लगवाएंगे उन्हें देश में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

जेम्स पेटिनसन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेम्स पेटिनसन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। पेटिनसन ने कहा कि वे फिटनेस संबंधी समस्याओं से परेशान हैं, ऐसे में वह एशेज सीरीज में नहीं खेल पायेंगे। पेटिनसन हाल ही में विक्टोरिया के ट्रायल मैच के दौरान चोटिल हो गये थे। उन्होंने कहा कि मैं एशेज सीरीज के लिये दावा पेश करना चाहता था, लेकिन आगामी सत्र के लिये पूरी तैयारियां नहीं कर पा रहा हूं। पेटिनसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिये 21 टेस्ट मैचों में 81, 15 वन-डे मैचों में 16 तथा 4 ट्वेंटी-20 मैचों में 3 विकेट लिये हैं।

जूनियर बालक इंटर अकादमी नेशनल हॉकी चैंपियनशिप

मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने जीता लगातार दूसरा राष्ट्रीय खिताब

चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में राजा करण हॉकी अकादमी को 3-1 से दी शिकस्त

भोपाल, मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम हॉकी इंडिया जूनियर बालक इंटर अकादमी नेशनल हॉकी चैंपियनशिप-2021 के खिताब पर कब्जा जमा लिया है। मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने फाइनल मुकाबले में राजा करण हॉकी अकादमी को 3-1 से हराकर लगातार दूसरा खिताब जीत लिया। इससे पहले मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने प्रथम हॉकी इंडिया सब जूनियर बालक इंटर अकादमी नेशनल हॉकी चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था।

● खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया और पद्मश्री श्री पुलेला गोपीचंद ने पुरस्कार वितरित किए।

हॉकी इंडिया एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चैंपियनशिप के मुकाबले मेजर ध्यानचंद स्टेडियम की नवनिर्मित टर्फ पर खेले गए। फाइनल मुकाबले के पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने सधे हुए खेल का प्रदर्शन किया। हालांकि, दोनों ही टीमें गोल नहीं कर पाई। दूसरे क्वार्टर में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी के कोच ओलिंपियन श्री समीर दाद ने टीम को कुछ बदली हुई रणनीति के साथ उतारा। इसका फायदा टीम को मिला। मैच के 19वें मिनट में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी को पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर श्री सौरभ पशीने ने गोल कर टीम को

1-0 की बढ़त दिला दी। अगले ही मिनट में श्री अख्तर अली को मौका मिला और उन्होंने टीम को 2-0 की बढ़त पर ला दिया। मैच के 39वें मिनट में श्री श्रेयस धुपे ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल करते हुए टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। मैच के चौथे क्वार्टर में राजा करण हॉकी अकादमी को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला और श्री अज्ञपाल ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 1-3 कर दिया। मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने 3-1 से मुकाबला और खिताब अपने नाम कर लिया। चैंपियनशिप में तीसरे स्थान के मुकाबले में नामधारी इलेवन ने राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी को 6-4 से पराजित किया।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा यह जीत कड़ी मेहनत बेहतर प्रशिक्षण और दृढ़ निश्चय का ही नतीजा है कि हमने जूनियर और सब जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया है कि भोपाल पुनः हॉकी की नर्सरी के रूप में उभर कर आ रहा है। हमें अपने प्रशिक्षकों पर गर्व है, जिन्होंने 6 माह में ही टैलेंट सर्च के माध्यम से बच्चों का चयन कर उन्हें चुनकर इस स्तर का प्रशिक्षण दिया कि वे आज विजेता घोषित हुए हैं।

पद्मश्री पुलेला गोपीचन्द ने मध्यप्रदेश में खेलों के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने विजेता एवं उप विजेता टीमों को बधाई दी और फायनल मैच को बहुत ही उच्च स्तर का बताया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक टीम की सफलता में सिर्फ खिलाड़ियों का ही योगदान नहीं रहता, बल्कि सपोर्टिंग स्टॉफ की भी अहम भूमिका होती है।

मैक्स वर्स्टापेन ने जीती यूएस ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस

ऑस्टिन, रेडबुल होंडा के फ्रांसीसी कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने अमेरिकी (यूएस) ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस में जीत दर्ज की। वर्स्टापेन ने 56 लैप की इस रेस को एक घंटा 34 मिनट 36.552 सेकेंड में पूरी की। रेस में वर्स्टापेन के नजदीकी प्रतिद्वंद्वी लुईस हैमिल्टन रहे। रेस में सर्जियो पेरेज तीसरे, चार्ल्स लेकलर्क चौथे तथा डेनियल रिकियार्डो पांचवें स्थान पर रहे। जीत के साथ वर्स्टापेन ने इस सत्र में ड्राइवर स्टैंडिंग में लुईस हैमिल्टन पर 12 अंकों की बढ़त बना ली है। ड्राइवर स्टैंडिंग में वर्स्टापेन के 287.5 अंक हैं, जबकि हैमिल्टन 275.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सत्र में अब पांच रेस शेष हैं, ऐसे में वर्स्टापेन और हैमिल्टन के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है।

मात्सुयामा ने जीती पीजीए टूर जोजो गोल्फ चैंपियनशिप

टोक्यो, जापान के गोल्फर हिदेकी मात्सुयामा ने पीजीए टूर जोजो गोल्फ चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। मात्सुयामा ने चैंपियनशिप के चौथे दोर में ईगल लगाकर पांच शॉट के अंतर से जीत दर्ज की। मात्सुयामा का कुल स्कोर 15 अंडर 265 रहा। टूर्नामेंट में अमेरिकी गोल्फर ब्रैंडन स्टील और कैमरन ट्रिंगले संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। यह जापान में मात्सुयामा का पहला पीजीए टूर खिताब है। मात्सुयामा जोजो गोल्फ चैंपियनशिप जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। मात्सुयामा से पहले टाइगर वुड्स (2019) और पैट्रिक कैंटले (2020) भी यह टूर्नामेंट जीत चुके हैं।

जुलाई में खेला जायेगा भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट मैच

लंदन, भारतीय क्रिकेट टीम के इंग्लैंड दौरे पर कोरोना के कारण स्थगित किया गया टेस्ट सीरीज का पांचवां मैच अब अगले साल एक जुलाई से खेला जायेगा। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बताया कि इस टेस्ट मैच को पुनर्निर्धारित किया गया है। यह मैच अब एक से पांच जुलाई तक मैनचेस्टर की जगह एजबेस्टन में खेला जायेगा।

ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरिसन ने बताया कि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड तथा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच एक समझौते के बाद टेस्ट सीरीज के पांचवें मैच को पुनर्निर्धारित किया गया है।

हैरिसन ने कहा कि इस टेस्ट मैच को उपलब्ध विंडो में रखने से सुनिश्चित हो गया है कि इस दौरे पर वन-डे और ट्वेंटी-20 सीरीज अपनी पूर्व योजनानुसार शुरू होगी। टेस्ट मैच के चलते दोनों टीमों के बीच वन-डे और ट्वेंटी-20 सीरीज में मैचों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

बीसीसीआई के सचिव श्री जय शाह ने ईसीबी के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि बीसीसीआई और ईसीबी दोनों इस मैच के लिये उपयुक्त विंडो की तलाश में थे। अब इस टेस्ट सीरीज का नतीजा निकलेगा। इस सीरीज के चार मैच बेहद रोमांचक थे।

उल्लेखनीय है कि टेस्ट सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ के सदस्य कोरोना पॉजीटिव पाये गये थे, जिसके बाद मैच से कुछ मिनट पहले मैच स्थगित कर दिया गया था। इस टेस्ट सीरीज में भारत 2-1 से आगे है।

एक्सेलसन और यामागुची बने डेनमार्क ओपन के चैंपियन

ओडेंसे, डेनमार्क के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी और टोक्यो ओलिंपिक के चैंपियन विक्टर एक्सेलसन डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग में चैंपियन बने हैं। इस टूर्नामेंट में जापान की अकाने यामागुची महिला एकल वर्ग में चैंपियन बनी हैं।

एक्सेलसन ने मोमोटा को हराया

टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में एक्सेलसन ने जापानी स्टार शटलर केंटो मोमोटा को कड़े मुकाबले में 20-22, 21-18, 21-12 से हराया। फाइनल मैच में मोमोटा को जीत का दावेदार माना जा रहा था। मोमोटा ने पहला गेम 22-20 से जीतकर खिताब की तरफ कदम बढ़ाये। इसके बाद एक्सेलसन ने जबरदस्त वापसी करते हुये दूसरे गेम में 21-18 से जीत दर्ज की। तीसरे और निर्णायक गेम में एक्सेलसन मोमोटा पर पूरी तरह हावी रहे।

यामागुची ने यंग को हराया

डेनमार्क ओपन में महिला एकल वर्ग में अकाने यामागुची ने खिताब अपने नाम किया। स्पर्धा के फाइनल में यामागुची ने दक्षिण कोरिया की युवा खिलाड़ी आनसे यंग को हराया। मैच में पहला गेम यंग ने 2-18 से तथा दूसरा गेम यामागुची ने 25-23 से जीता। तीसरे गेम में यंग चोटिल होकर गेम से हट गईं और यामागुची को विजेता घोषित किया गया। यामागुची वर्ष 2016 में भी यह टूर्नामेंट जीत चुकी हैं।

आईपीएल में दो नई टीमें हुईं शामिल

दुबई, इंडियन प्रीमियर लीग का रोमांच अब और बढ़ने वाला है। आईपीएल में दो नई टीमों का ऐलान हो गया है। अहमदाबाद और लखनऊ दो नई फ्रैंचाइजी के रूप में अगले सीजन में शामिल होंगी। इसके साथ ही 2022 के आईपीएल में कुल 10 टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हुई दिखाई देंगी।

नई टीमों की मेजबानी के लिये 6 शहर भी दावेदारी में शामिल थे। सबसे ज्यादा मजबूत दावेदार अहमदाबाद और लखनऊ थे। इन दो शहरों को ही मेजबानी मिली है। इन दो शहरों के अलावा कटक, गुवाहाटी, इंदौर और धर्मशाला भी फ्रैंचाइजी हासिल करने की दौड़ में थे।

आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप ने लखनऊ की टीम को 7 हजार 90 करोड़ रुपये में खरीदा है और पांच साल बाद दोबारा लीग में वापसी कर ली है। इससे पहले गोयनका ग्रुप के पास दो साल 2016 तथा 2017 में राइजिंग पुणे सुपर जाइंट्स की टीम रही थी। वहीं सीवीसी कैपिटल ने 5 हजार

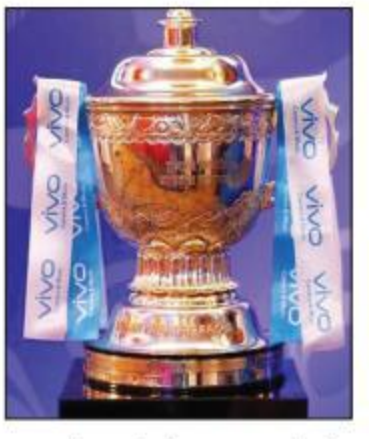

600 करोड़ रुपये में अहमदाबाद की टीम खरीदी है।

मैचों की संख्या बढ़ेगी

दर्शकों के लिहाज से बात करें तो आपको ज्यादा मैच देखने को मिलेंगे। दो टीमें बढ़ने से आईपीएल में मैचों की संख्या 60 से बढ़कर 74 हो जायेगी। साथ ही दो टीमें बढ़ने से कम से कम 45 से 50 नये खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने का मौका मिलेगा। इनमें भी 30 से 35 भारतीय खिलाड़ी होंगे। ज्यादा मैच होने के कारण ब्रॉडकास्टर की भी ज्यादा कमाई होगी। इसी वजह से बीसीसीआई को आने वाले 5 साल के लिये आईपीएल के ब्रॉडकास्ट राइट्स के लिये रिकॉर्ड डील की उम्मीद है।

आईपीएल में पहले भी बढ़ी है टीमें

वर्ष 2011 में पहली बार आईपीएल में दो टीमें जोड़ी गई थीं। जब कोच्चि टस्कर्स केरला और पुणे वॉरियर्स आईपीएल का हिस्सा बनी थीं। अगले ही साल ये टूर्नामेंट 10 से घटकर नौ टीमों का हो गया। जब कोच्चि टीम आईपीएल से अलग हो गई। वर्ष 2012 और 2013 के आईपीएल 9 टीमों के हुये। इसके बाद वर्ष 2014 में पुणे वॉरियर्स भी आईपीएल से हट गई और टूर्नामेंट दोबारा 8 टीमों का हो गया। वर्ष 2016 में जब मैच फिक्सिंग के चलते चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स पर बैन लगा तो आईपीएल में नई टीमें शामिल की गईं।

एशेज सीरीज के लिये स्टोक्स की इंग्लिश टीम में वापसी

लंदन, ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम में वापसी हुई है। स्टोक्स को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाने वाली एशेज सीरीज के लिये टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बताया कि स्टोक्स टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जायेंगे। इससे पहले ईसीबी ने अक्टूबर महीने की शुरुआत में एशेज सीरीज के लिये जो टीम घोषित की थी, उसमें बेन स्टोक्स शामिल नहीं थे। स्टोक्स चोट की वजह से काफी समय से क्रिकेट से दूर थे।

स्टोक्स भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भी नहीं खेले थे। स्टोक्स ने कहा कि मैंने अपनी मानसिक सेहत को प्राथमिकता देते हुये क्रिकेट से ब्रेक लिया था। इसी वजह में ईसीबी ने स्टोक्स को ट्वेंटी-20 विश्वकप के लिये इंग्लैंड की टीम में भी नहीं चुना था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

● भारत सहित चार देश ●

संयुक्त आर्थिक मंच करेंगे स्थापित

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और इजराइल, अमेरिका एवं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उनके समकक्ष एक बैठक में आर्थिक सहयोग के लिए एक मंच बनाने पर सहमत हुए हैं। बैठक के दौरान उन्होंने परिवहन, प्रौद्योगिकी, समुद्री सुरक्षा और अर्थव्यवस्था तथा व्यापार के क्षेत्र में संयुक्त बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की संभावना पर चर्चा की। जयशंकर पिछले दिनों इजराइल की पांच दिवसीय यात्रा पर थे। डिजिटल माध्यम से हुई बैठक में उनके साथ इजराइल के विदेश मंत्री याइर लापिद भी थे। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने बैठक में डिजिटल माध्यम से हिस्सा लिया। चारों नेताओं ने क्षेत्र में साझा चिंता के विषयों पर चर्चा की। बैठक के बाद विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, मंत्रियों ने आर्थिक सहयोग के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच बनाने का फैसला किया। बयान के मुताबिक चारों मंत्रियों ने परिवहन, प्रौद्योगिकी, समुद्री सुरक्षा और अर्थव्यवस्था एवं व्यापार के क्षेत्र में संयुक्त बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए संभावनाओं और अतिरिक्त संयुक्त परियोजनाओं के लिए चर्चा की।

पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन

स्वास्थ्य के साथ-साथ आत्मनिर्भरता का माध्यम है यह मिशन : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का शुभारंभ किया। उन्होंने वाराणसी के लिए लगभग 5,200 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि देश ने कोरोना महामारी के खिलाफ अपनी लड़ाई में कोविड-19 टीके की 100 करोड़ खुराक का एक अहम पड़ाव हासिल किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, "बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से, मां गंगा के अविरल प्रताप से, काशीवासियों के अखंड विश्वास से, सबको वैक्सीन-मुफ्त वैक्सीन का अभियान सफलता से आगे बढ़ रहा है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का उद्देश्य अगले चार-पांच वर्षों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य नेटवर्क को गांव से लेकर प्रखंड, जिले से लेकर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर तक मजबूत करना है। नए मिशन के तहत सरकार द्वारा की गई पहल का वर्णन करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के स्वास्थ्य क्षेत्र की अलग-अलग खामियों से निपटने के लिए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तीन बड़े पहलू हैं। पहला, डायग्नोस्टिक और ट्रीटमेंट के लिए विस्तृत सुविधाओं के निर्माण से जुड़ा है। इसके तहत गांवों और शहरों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खोले जा रहे हैं, जहां बीमारियों को शुरुआत में ही डिटेक्ट करने की सुविधा होगी। इन सेंटरों में फ्री मेडिकल कंसलटेशन, फ्री टेस्ट, फ्री दवा जैसी सुविधाएं मिलेंगी। गंभीर बीमारी के लिए 600 जिलों में 35 हजार नए क्रिटिकल केयर संबंधी बेड जोड़े जा रहे हैं और 125 जिलों में रेफरल सुविधाएं दी जाएंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योजना का दूसरा पहलू, रोगों की जांच के लिए टेस्टिंग नेटवर्क से जुड़ा है। इस मिशन के तहत, बीमारियों की जांच, उनकी निगरानी कैसे हो, इसके लिए जरूरी बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। देश के 730 जिलों को इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब और तीन हजार प्रखंडों को ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट मिलेगी। इसके अलावा, पांच क्षेत्रीय राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, 20 मेट्रोपोलिटन यूनिट और 15 वीएसएल प्रयोगशालाएं इस नेटवर्क को और मजबूत करेंगी।

प्रधानमंत्री के अनुसार तीसरा पहलू, महामारी का अध्ययन करने वाले मौजूदा शोध संस्थानों के विस्तार से जुड़ा है। मौजूदा 80 वायरल डायग्नोस्टिक और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को मजबूत किया जाएगा, जैव सुरक्षा स्तर की 15 प्रयोगशालाएं संचालित की जाएंगी, चार नए राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान की स्थापना की जा रही है। दक्षिण एशिया स्थित डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय अनुसंधान मंच भी इस नेटवर्क को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है, पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के माध्यम से देश के हर कोने में उपचार से लेकर महत्वपूर्ण अनुसंधान तक सेवाओं के लिए एक समग्र इकोसिस्टम का निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने इन उपायों से रोज़गार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और कहा कि पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन स्वास्थ्य के साथ-साथ आत्मनिर्भरता का भी माध्यम है। उन्होंने कहा, "यह समग्र स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने के प्रयास का एक हिस्सा है। जिसका अर्थ है स्वास्थ्य सेवा जो सभी के लिए सस्ती और सुलभ हो।" श्री मोदी ने कहा कि समग्र स्वास्थ्य सेवा स्वास्थ्य के साथ-साथ कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित करती है। स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला, पोषण अभियान, मिशन इंद्रधनुष जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों को बीमारी से बचाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत दो करोड़ से अधिक गरीबों को मुफ्त इलाज मिला और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

= 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार =

सुपरस्टार रजनीकांत फाल्के पुरस्कार से सम्मानित

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने सुपरस्टार रजनीकांत को प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर भी मौजूद रहे। समारोह में मनोज बाजपेयी और धनुष को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और कंगना रनोट को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के अन्य विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। वर्ष 2019 के लिए इन पुरस्कारों की घोषणा इस साल मार्च में की गई थी।

उपराष्ट्रपति ने पुरस्कार समारोह में कहा कि कोरोना महामारी ने इस आयोजन में करीब दो साल की देर कराई, लेकिन वह फिल्म उद्योग से देश के सर्वाधिक प्रतिभाशाली कलाकारों को आखिरकार यह पुरस्कार प्रदान करके खुश हैं।

मनोज वाजपेयी को इससे पहले भी फिल्म 'सत्या' और 'पिंजर' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी एक बहुत पसंदीदा फिल्म के लिए सम्मानित किए जाने से काफी खुश हूं।' वहीं, 'मणिकर्णिका' और 'पंगा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार ग्रहण करने वाली कंगना रनोट ने चौथा राष्ट्रीय पुरस्कार पाने के बाद माता-पिता का शुक्रिया अदा किया।

अमेरिका

अंतरिक्ष में बनाएगा सुपरहाइवे

अमेरिकी सेना चांद का सफर आसान बनाने के लिए एक 'स्पेस सुपरहाइवे' बनाने जा रही है। इसी सुपरहाइवे का इस्तेमाल

- **अमेरिकी सेना चांद का सफर आसान बनाने के लिए 'स्पेस सुपरहाइवे' बनाने जा रही।**
- **इसी हाइवे पर ईंधन भरने की सुविधा होगी, अंतरिक्ष यान की मरम्मत की जा सकेगी।**

करके भविष्य में लोग चांद तक की यात्रा करेंगे। अमेरिकी सिस्टम में व्यावसायिक भागीदार और सहयोगी होंगे जो भविष्य में इस हाइवे का इस्तेमाल करके अक्सर चांद और अंतरिक्ष में उसके आगे की यात्रा करते रहेंगे।

अमेरिकी सेना की कोशिश है कि अंतरिक्ष में चीन के 'मेगास्ट्रक्चर' से

पहले अमेरिका का सुपरहाइवे बनकर तैयार हो जाए। एक सेमिनार में स्पेस फोर्स के ब्रिगेडियर जनरल जॉन ओल्सन ने कहा, 'हमने विभिन्न देशों की नीतियों खासतौर पर चीन की नीति को देखा है। हम अपने सहयोगियों की मदद से इसे सबसे पहले पूरा करना चाहते हैं क्योंकि इस तरह से हमने मानक तय किए हैं और सिद्धांत बनाए हैं जिस पर हम भरोसा करते हैं।'

ज्ञात रहे कि अमेरिका और चीन पहले चांद पर दोबारा पहुंचने की दौड़ में लगे हुए हैं। दोनों उस स्थान की तलाश में लगे हुए हैं कि चांद के किस हिस्से पर भविष्य में अड्डा बनाया जाए।

चीन पृथ्वी की कक्षा में कई किलोमीटर बड़ा विशालकाय 'मेगास्ट्रक्चर' बनाने की तैयारी कर रहा है। इसमें सोलर पावर प्लांट, टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स, गैस स्टेशन से लेकर एस्टेरॉइड खनन की भी सुविधा उपलब्ध होगी। चीन के नैचुरल साइंस फाउंडेशन ने पांच साल के प्लान की घोषणा करते हुए शोधकर्ताओं को टेक्नोलॉजी और टेक्निक विकसित करने का निर्देश दिया है।

शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले जहाजों से होगी ई-कॉमर्स सामानों की आपूर्ति

जलवायु खतरों को लेकर कई स्तरों पर कार्य किया जा रहा है। संभावना है कि अगले 20 सालों के भीतर अमेजन से मंगाया जाने वाला सामान समुद्र के रास्ते शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले जहाजों से ही आएगा।

अमेजन और आईकेईए जैसी तमाम वैश्विक रिटेल और ई-कॉमर्स कंपनियों ने वैश्विक माल ढुलाई के विशाल पैमाने को देखते हुए घोषणा की है कि साल 2040 तक अपने सभी समुद्री माल को जीरो एमिशन जहाजों से भेजने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं।

यह घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि समुद्री शिपिंग वर्तमान में सभी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का लगभग तीन फीसदी है, लेकिन बिना वैश्विक व्यापार विकास से शिपिंग उत्सर्जन को कम करने के लिए जीवाश्म ईंधन और जहाजों को अलग किए बिना यह 2050 तक 10 फीसदी तक बढ़ सकता है।

इस फैसले की समयावधि भी खास है। साल 2050 तक वैश्विक शिपिंग के लिए

शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित करने और वहां पहुंचने में मदद के लिए वैश्विक कार्बन मूल्य पर संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन में इस सप्ताह सरकारों की वर्चुअल बैठक में चर्चा भी होनी है। इस घोषणा में शामिल होने वाली कंपनियों में अमेजन (दुनिया का सबसे बड़ा ऑनलाइन विक्रेता), आईकेआईए (दुनिया का सबसे बड़ा फर्नीचर विक्रेता), इंडिटेक्स (दुनिया का सबसे बड़ा कपड़ा खुदरा विक्रेता), यूनिलीवर (दुनिया की चौथी सबसे बड़ी उपभोक्ता सामान कंपनी), मिशेलिन (दूसरी सबसे बड़ी टायर निर्माता), साथ ही टीचिवो (जर्मनी की सबसे बड़ी खुदरा श्रृंखलाओं में से एक), पेटागोनिया, ब्रूक्स रनिंग और फ्रॉगवाइक शामिल हैं।

● सूडान में ●

सैन्य तख्तापलट प्रधानमंत्री गिरफ्तार

अफ्रीकी देश सूडान में सेना ने अंतरिम सरकार का तख्तापलट कर देश की कमान अपने हाथ में ले ली है। सेना

ने इमरजेंसी का ऐलान करते हुए प्रधानमंत्री अबदुल्ला हैमदोक समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया है। सेना के जनरल अब्देल फतह अल बुरहान ने 10 फैसलों की घोषणा की। साथ ही कहा कि 'अक्टूबर 2020 में सूडान ने जिस शांति समझौते पर दस्तखत किए थे और जो वादे किए थे, वो इन फैसलों के बाहर रहेंगे।' दूसरी तरफ, सेना की इस कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शनकारी राजधानी खार्तूम की सड़कों पर उतर आए हैं। देश में जगह-जगह आगजनी हो रही है।

|| तुर्की ने ||

अमेरिका सहित दस देशों के राजदूतों को हटाया

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी सहित 10 विदेशी राजदूतों को

- **ये सभी 10 देश तुर्की के नाटो सहयोगी भी हैं।**
- **अवांछित घोषित किए गए राजदूतों में नीदरलैंड, कनाडा, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड, नॉर्वे और न्यूजीलैंड के राजनयिक शामिल हैं। उन्हें विदेश मंत्रालय में तलब किया गया था।**

'अवांछित' घोषित करने का आदेश दिया है, जिन्होंने जेल में बंद कारोबारी की रिहाई की मांग की है। तुर्की इन राजदूतों को रखने के लिए अब तैयार नहीं है।

एर्दोआन ने इसे देश के अंदरूनी मामलों में दखलअंदाजी करार दिया है। एर्दोआन ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दूसरे देशों से आकर राजदूत तुर्की के विदेश मंत्रालय को 'आदेश देने का दुःस्साहस' नहीं कर सकते। इस बारे में राजदूतों ने कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सभी 10 देश इस बारे में गहन विचार-विमर्श कर रहे हैं।

नॉर्वे के विदेश मंत्रालय ने 'रॉयटर्स' से कहा कि उसके राजदूत ने ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे उन्हें देश छोड़ने के लिए कहा जाए।

अंकारा में अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी समेत दस देशों के राजदूतों ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक बयान जारी कर कारोबारी और परोपकारी उस्मान कवाला के मामले में निपटारे की मांग की है जो एक अपराध के मामले में दोषी करार नहीं दिये जाने के बाद भी 2017 से जेल में हैं। पेशे से कारोबारी उस्मान कवाला तुर्की में अभिव्यक्ति की आजादी और लोकतंत्र के लिए मुहिम चलाते हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।